हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • बुधवार • 17.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 320 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मोरहाबादी मैदान में 'कृषि मेला 2026' का किया उद्घाटन

किसानों के लिए बनेगा डिजिटल पोर्टल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मोरहाबादी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय झारखण्ड कृषि उत्पाद एवं व्यापार मेला 2026 का मुख्य अतिथि के रूप में भव्य उद्घाटन किया। 16 से 18 जून तक चलने वाले इस मेले में देशभर के कृषि वैज्ञानिक और राज्यभर के प्रगतिशील किसान जुट रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिरसा कृषि रथ-2026 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण भी किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में 'जय जवान, जय किसान' के नारे को बुलंद करते हुए कहा कि खेती और किसान का इतिहास मानव सभ्यता की एक अनवरत यात्रा है। राज्य की लगभग 80 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, इसलिए किसानों का विकास ही राज्य का वास्तविक विकास है।

बिरसा हरित ग्राम योजना की वैश्विक गूंज और जैविक खेती पर जोर

मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ साझा किया कि पिछले कार्यकाल में शुरू की गई बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत अब तक लगभग 1.50 लाख एकड़ बंजर जमीन पर फलदार पेड़ लगाए जा चुके हैं। इसका परिणाम है कि सिमडेगा की जेएसएलपीएस से जुड़ी दीदियों द्वारा उपजाया गया आम आज सीधे लंदन (यूके) निर्यात हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कृषकों से रासायनिक खादों का इस्तेमाल कम करने और जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने सचेत किया कि रासायनिक खाद से उपजा अनाज जहरीला होता है, जो घूमकर हमारे ही परिवार तक पहुंचता है। सरकार जैविक खाद के उपयोग के लिए एक सुलभ रास्ता तैयार कर रही है।

जल संकट और अंधाधुंध शहरीकरण पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन और बढ़ते भू-जल दोहन पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पीने और खेती के पानी का घोर संकट होने जा रहा है। धरती से हम जितना पानी ले रहे हैं, उसे रिचार्ज पिट और सोक पिट के जरिए वापस लौटाना भी होगा। उन्होंने किसानों से खेतों और बंजर भूमि पर जल संचय करने का आग्रह किया ताकि कम पानी में अधिक उपज ली जा सके। शहरीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि सड़कों और उद्योगों के नाम पर 50-100 साल पुराने जंगलों को उजाड़कर शहरों को कंक्रीट के बेजान जंगल में बदला जा रहा है, जबकि वृक्षारोपण की रफ्तार बेहद धीमी है। विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाना अब अनिवार्य हो चुका है।

प्रगतिशील किसानों की मैपिंग और विशेष डिजिटल पोर्टल का आदेश

कृषि विभाग को कड़े निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी आधुनिक और बेहतर खेती करने वाले उत्कृष्ट किसानों की मैपिंग की जाए। इन किसानों को मुख्यमंत्री की तरफ से सम्मानित किया जाएगा और तकनीकी उपकरणों के लिए आर्थिक सहायता भी दी जाएगी।

किसानों के सवालों, जिज्ञासाओं और सुझावों के तुरंत समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने विभाग को अविलंब एक 'विशेष किसान डिजिटल पोर्टल' तैयार करने का आदेश दिया है। इस पोर्टल पर किसान अपनी समस्याएं रख सकेंगे, जहां सरकार और कृषि वैज्ञानिक उन्हें तुरंत तकनीकी समाधान और परामर्श उपलब्ध कराएंगे।

साझा जिम्मेदारी से बदलेगी राज्य की तस्वीर

मेले में सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के कुल 200 स्टॉल लगाया गया है, जहां कृषि क्षेत्र के नए नवाचारों को प्रदर्शित किया जा रहा है। आयोजित होने वाले सेमिनार के जरिए किसान नई तकनीकों से रूबरू हो सकेंगे।

संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी जिम्मेदारी सरकार उठाएगी और आधी किसानों को निभानी होगी। जब सरकार और कृषक साझा सहयोग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो झारखंड की तस्वीर बदलना निश्चित है। इस गरिमामयी अवसर पर कृषि मंत्री, क्षेत्रीय विधायक, विभिन्न विभागों के सचिव और भारी संख्या में किसान उपस्थित थे।

क्रॉस वोटिंग रोकने के लिए एनडीए की बाड़ेबंदी

रेडिसन ब्लू में ठहराए गए विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। दो राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में अपनी रणनीति को मजबूत करने और क्रॉस वोटिंग की संभावना को रोकने के लिए एनडीए ने अपने सभी विधायकों को रांची के होटल रेडिसन ब्लू में ठहराने का फैसला किया है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक यही होटल एनडीए विधायकों का अस्थायी ठिकाना रहेगा।

गठबंधन नेतृत्व की ओर से एनडीए के सभी विधायकों को दोपहर 12 बजे तक हर हाल में होटल रेडिसन ब्लू पहुंचने का निर्देश दिया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार राज्यसभा चुनाव से जुड़ी पूरी रणनीति इसी होटल से संचालित की जाएगी।

विधायक मतदान के दिन तक एक साथ रहेंगे। इस दौरान उन्हें राज्यसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया और वरीयता क्रम के अनुसार मतदान करने संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी जा सकती है। 18 जून को सभी विधायक एक साथ होटल से विधानसभा के लिए रवाना होंगे और मतदान में हिस्सा लेंगे।

एनडीए का पूरा जोर निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी की जीत सुनिश्चित करने पर है। गठबंधन नेतृत्व चुनाव में किसी तरह की चूक की संभावना नहीं छोड़ना चाहता। इसी कारण विधायकों को एकजुट रखने और चुनाव तक लगातार संपर्क में रखने की रणनीति अपनाई गई है।

एलओसी के पास धमाके में जेसीओ समेत चार घायल

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुए एक रहस्यमयी धमाके में भारतीय सेना के चार जवान घायल हो गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक घटना नौशहरा सेक्टर के कलाल इलाके में उस समय हुई, जब सेना की एक टुकड़ी अग्रिम चौकी (फॉरवर्ड लोकेशन) पर परिचालन ड्यूटी (ऑपरेशनल ड्यूटी) निभा रही थी। घायलों में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) भी शामिल हैं। धमाके की आवाज सुनते ही सुरक्षाबलों में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में सभी घायल सैनिकों को घटनास्थल से सुरक्षित निकालकर इलाज के लिए नजदीकी सैन्य चिकित्सा केंद्र (मेडिकल सेंटर) ले जाया गया।

एनसीपीआई के नए अध्यक्ष बने ज्योतिप्रकाश चटर्जी

कोलकाता : नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने ज्योतिप्रकाश चटर्जी को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी लोकसभा गुट के साथ विलय के बाद पार्टी राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह जानकारी टीएमसी के बागी गुट की प्रमुख सदस्य काकोली घोष दस्तीदार ने दी। उनका बयान एनसीपीआई की संस्थापक शिवली कुंडू द्वारा पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद सामने आया। शिवली कुंडू के इस्तीफे के बाद राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई थी कि काकोली घोष दस्तीदार खुद पार्टी की कमान संभाल सकती हैं। हालांकि मंगलवार को पीटीआई से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्योतिप्रकाश चटर्जी को पार्टी का नया अध्यक्ष बनाया गया है।

भवानीपुर चुनाव परिणाम को ममता बनर्जी ने दी अदालत में चुनौती

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट पर मिली शिकस्त को पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने इस चुनावी नतीजे के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और एक चुनाव याचिका दायर की है। हाल ही में संपन्न हुए इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेता और पश्चिम बंगाल के वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को पंद्रह हजार एक सौ पांच वोटों के अंतर से पराजित किया था। इस अप्रत्याशित हार के कारण राज्य के राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं और तृणमूल कांग्रेस का पंद्रह साल पुराना शासन भी समाप्त हो गया है। उच्च न्यायालय में दायर अपनी कानूनी याचिका में ममता बनर्जी ने मतगणना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने का आरोप लगाया है।

देश के 23 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण पूरा

एजेंसी

नयी दिल्ली : जनगणना-2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) का पहला चरण अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में जनगणना का कार्य चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है।

मंत्रालय के अनुसार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में जनगणना-2027 का प्रथम चरण पूरा हो चुका है।

महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में 16 मई से 14 जून तक संचालित मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, जबकि पंजाब में यह प्रक्रिया 13 जून को पूरी हुई। इस बीच गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार से फील्ड ऑपरेशन शुरू हो गए हैं, जो 15 जुलाई तक चलेंगे।

केरल और नगालैंड में स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) सुविधा शुरू कर दी गई है, जो 30 जून तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद इन दोनों राज्यों में एक जुलाई से 30 जुलाई तक घर-घर जाकर गणना का कार्य किया जाएगा।

गृह मंत्रालय ने बताया कि जनगणना-2027 पहली बार डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है। इसके लिए विशेष मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग किया जा रहा है, जबकि पारंपरिक घर-घर जाकर गणना की व्यवस्था भी बरकरार रखी गई है। मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना के दौरान आवासीय स्थिति, परिवारों के विवरण, उपलब्ध सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़ी जानकारी 33 प्रश्नों वाली अधिसूचित प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र की जा रही है।

मंत्रालय ने नागरिकों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी और गणनाकर्मियों को पूरा सहयोग देने की अपील की है।

जी-7 शिखर सम्मेलन: 16 महीने बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात, वैश्विक मंच पर दिखी गर्मजोशी

एजेंसी

एवियन (फ्रांस) : फ्रांस के एवियन शहर में आयोजित 52वें जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक बेहद महत्वपूर्ण और सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। वैश्विक मंच पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अचानक एक संक्षिप्त लेकिन बेहद गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। लगभग 16 महीने यानी करीब डेढ़ साल के लंबे अंतराल के बाद दोनों शीर्ष नेताओं की यह पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत भी की। हालांकि इस अचानक हुई अनौपचारिक बातचीत में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन इस संक्षिप्त मुलाकात ने बुधवार को होने वाली दोनों देशों की औपचारिक और बेहद महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर दिया है।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच कुछ समय से व्यापारिक शुल्कों और बयानों को लेकर थोड़ी तल्खी देखी जा रही थी। हालांकि इन दूरियों को पाटने के लिए हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत का दौरा भी किया था। लेकिन पिछले ही हफ्ते ओमान के तट के पास एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की जान जाने के बाद दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों में एक नया तनाव पैदा हो गया है। ऐसे गंभीर माहौल और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों के बीच अब पूरी दुनिया की नजरें बुधवार को होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर टिक गई हैं। इस महामंच पर पीएम मोदी अन्य कई विश्व नेताओं के साथ भी बैठकें करने वाले हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी की यह मुलाकात एक बेहद संवेदनशील और जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बीच हुई है। वर्तमान में पश्चिम एशिया में भारी तनाव की स्थिति बनी हुई है और होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका की ओर से लागू की गई नाकेबंदी ने भारत के वाणिज्यिक हितों को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। ऐसे में यह जी-7 शिखर सम्मेलन भारत को एक ऐसा सीधा और मजबूत मंच प्रदान करता है, जिसके जरिए भारत समुद्री सुरक्षा से जुड़ी अपनी गंभीर चिंताओं को सीधे अमेरिका के सामने रख सकता है।

जी-7 समिट में ट्रंप ने नेतन्याहू को दी नसीहत

पेरिस : फ्रांस में चल रहे जी7 (जी7) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लेबनान नीति पर सार्वजनिक रूप से गहरी नाराजगी व्यक्त की है। कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के साथ एक अहम बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि नेतन्याहू को लेबनान के मुद्दे पर अधिक जिम्मेदारी दिखानी चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ किया कि वह बेरूत पर हुए हालिया इजरायली हमलों से बिल्कुल खुश नहीं हैं।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

संदेश

विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस

प्रति वर्ष मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस पर हम भूमि और जल के महत्व पर चिंतन करते हैं। मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस 2026 का विषय "चारागाह पहचानें। सम्मान करें। पुनर्स्थापित करें" है। यह हमें दर्शाता है कि पृथ्वी की आधी से अधिक सतह को आच्छादित करने वाले चारागाह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और जलवायु सहनशीलता बनाए रखने में कितने महत्वपूर्ण हैं। कई पीढ़ियों से पशुपालक और आदिवासी समुदाय अपनी संरक्षकता के माध्यम से इन भू-भागों की सुरक्षा करते आए हैं।

झारखण्ड राज्य जो समृद्ध वनों, उपजाऊ मिट्टी और विविध पारिस्थितिक तंत्रों से संपन्न है, आज वनों की कटाई, भूक्षरण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ये खतरे हमारे कृषि, जल संसाधनों और असंख्य परिवारों की आजीविका को प्रभावित कर रहे हैं। वैश्विक समुदाय का हिस्सा होने के नाते हमें अपनी भूमि के मूल्य को पहचानना होगा, पारंपरिक ज्ञान का सम्मान करना होगा और बंजर क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करना होगा ताकि एक सतत् भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

यह दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारी भूमि का स्वास्थ्य हमारे लोगों की समृद्धि से जुड़ा हुआ है। जल संरक्षण, वनों की रक्षा, पर्यावरण से अनुकूल खेती अपनाने और भूमि क्षरण को रोकने के माध्यम से हम झारखण्ड की प्राकृतिक संपदा को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। हमारी भूमि ही हमारा जीवन है और इसे पहचान कर, सम्मान देकर और पुनर्स्थापित करके हम न केवल अपने पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि अपने बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित बनाते हैं।

जोहार !

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड

PR- 382549 (Forest, Environment and Climate Changes) 26-27

एक नजर

डीसी के जनता दरबार में सुनी गईं आमजन की समस्याएं

हजारीबाग : उपायुक्त के जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को रखा। जनता दरबार में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा लेकर पहुंचे, जहां उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, म्यूटेशन, जमीन पर अवैध कब्जा, पेंशन, अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति, दिव्यांगजनों के लिए बैटरी चालित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने तथा ऑनलाइन रसीद निर्गत करने से संबंधित मामले प्राप्त हुए। सुनवाई के दौरान बिना भाइयों की सहमति के जमीन की रजिस्ट्री कराए जाने से संबंधित एक मामले पर उपायुक्त ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अंचल अधिकारी (सीओ) को उक्त भूमि का म्यूटेशन नहीं करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि इजमाल (संयुक्त) संपत्ति से संबंधित रजिस्ट्री एवं म्यूटेशन की प्रक्रिया में सभी पक्षकारों की सहमति सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। अन्य प्राप्त मामलों में उपायुक्त ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर आवेदकों को राहत प्रदान करने का निर्देश दिया।

डॉ सुबोध कुमार सिंह शिवगीत बने विभावि के हिंदी विभागाध्यक्ष

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष के रूप में डॉ सुबोध कुमार सिंह 'शिवगीत' को विभावि के हिंदी विभागाध्यक्ष बनाए गए हैं। उन्होंने मंगलवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पदभार ग्रहण, पूर्व अध्यक्ष, डॉ अनुज कुमार से प्राप्त किया। ज्ञात हो डॉ सुबोध कुमार सिंह हिंदी के प्रकांड विद्वान स्वर्गीय डॉ शिवदयाल सिंह के पुत्र हैं और द्वितीय पीढ़ी के विश्वविद्यालय शिक्षक के रूप में इनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। इनकी पूरी शिक्षा-दीक्षा हजारीबाग तथा रांची के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पूर्ण हुआ है। बतौर रचनाकार इनकी कहानी, कविताएं, व्यंग तथा शोध एवं समीक्षाएं देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित होते रहते हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केंद्र से उनके कार्यक्रम नियमित प्रसारित होते हैं।

सऊदी अरब में बड़कागांव के युवक की मौत, पिता ने जताई हत्या की आशंका

बड़कागांव : सिरमा गांव के निवासी मोहम्मद जकाउल्लाह अंसारी के इकलौते पुत्र युवक 24 वर्षीय अहद रजा की सऊदी अरब में ,मौत हो जाने को लेकर गांव में मातम पसरा हुआ है। शुभचिंतक उसके घर पहुंच कर परिवार वालों को ढाढस दे रहे हैं। मृतक के पिता मोहम्मद जकाउल्लाह अंसारी ने कहा की बेटे की खुदकुशी कर लेने की खबर सऊदी अरब के रकीजा बिजनेस कांट्रैक्टिंग कंपनी के पदाधिकारी के द्वारा दी गई।परंतु मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरा बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता है, बल्कि उसकी हत्या की गई है। बताते चलें कि अहद 2025 जुलाई माह में 2 साल की कांट्रैक्टिंग में सऊदी अरब गया था। जहां वह ड्राइवर का काम करता था। पटना के एक एजेंट शाहनवाज के माध्यम से वह सऊदी अरब पहुंचा था। अहद की मौत से घर वालों का रो रो कर बुरा हाल है। अहद के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है ,लोगों ने झारखंड सरकार एवं केंद्र सरकार से आर्थिक सहयोग एवं मुआवजे की मांग की है। तथा केंद्र सरकार से पार्थिव शरीर को गांव लाने में सहयोग करने की अपील की गई है।

बादम-गोंदलपुरा परियोजना क्षेत्र में तनाव आधी रात बीजीआर कंपनी का पोटा केबिन ध्वस्त

एनटीपीसी की एमडीओ कंपनी के केबिन में तोड़फोड़, इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बादम-गोंदलपुरा कोल परियोजना को लेकर चल रहे लंबे विरोध आंदोलन के बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक बड़ी घटना से पूरे इलाके में तनाव फैल गया। बादम-मोतरा मुख्य मार्ग पर स्थित एनटीपीसी की एमडीओ कंपनी बीजीआर के पोटा केबिन को अज्ञात लोगों ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। प्रत्युष नवबिहार संवाददाता रविंद्र राणा के अनुसार, देर रात कुछ अज्ञात लोगों ने पोटा केबिन में जमकर तोड़फोड़ की। सुबह जब स्थानीय लोग वहां पहुंचे तो केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त मिला। सूचना पर बड़कागांव थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले की संवेदनशीलता देखते हुए पुलिस फिलहाल आधिकारिक बयान से बच रही है। वहीं क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बादम-गोंदलपुरा कोल परियोजना को लेकर आसपास के कई गांवों में पिछले लंबे समय से विरोध प्रदर्शन चल रहा है। ग्रामीण भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर लगातार विरोध जता रहे हैं। करीब 1 साल पहले बीजीआर कंपनी ने इस पोटा केबिन की स्थापना की थी। तब से ही यह केबिन ग्रामीणों के विरोध का मुख्य केंद्र बना हुआ था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि परियोजना से उनकी आजीविका और पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। घटना के बाद गांवों में आक्रोश का माहौल है। कई ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी जमीन और पर्यावरण से समझौता नहीं करेंगे। हालांकि केबिन तोड़ने वालों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं - आधी रात को केबिन किसने तोड़ा? क्या यह जनविरोध का नतीजा है या इसके पीछे कोई और कारण? सुरक्षा व्यवस्था को कैसे धता बताया गया? इन सभी सवालों के जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आएंगे। पुलिस प्रशासन ने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच हो रही है। आसपास के क्षेत्रों से जानकारी जुटाई जा रही है और संदिग्धों की पहचान की कोशिश की जा रही है। फिलहाल घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात है और प्रशासन शांति बनाए रखने में जुटा है।

वर्षों से पेंशन के लिए भटक रहे विजय मुंडा को मिली राहत, बीडीओ ने तत्काल दी स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने मंगलवार को संवेदनशीलता दिखाते हुए एक जरूरतमंद लाभुक को हाथों-हाथ पेंशन की स्वीकृति प्रदान की। बीडीओ की इस पहल से वर्षों से पेंशन के लिए परेशान विजय मुंडा को बड़ी राहत मिली है। बीडीओ ने बताया कि बिगहा निवासी विजय मुंडा (53 वर्ष), पिता कुंवर मुंडा, थाना चौपारण, पिछले कई वर्षों से पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए प्रयासरत थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और वे मेहनत-मजदूरी कर किसी तरह अपना जीवन-यापन कर रहे थे। पेंशन नहीं मिलने के कारण परिवार के भरण-पोषण में भी कठिनाई हो रही थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित पहल की और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराते हुए विजय मुंडा की पेंशन स्वीकृति कर दी। पेंशन स्वीकृति मिलने के बाद लाभुक ने खुशी जाहिर करते हुए प्रखंड प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी बीडीओ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद लोगों को समय पर सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना प्रशासन की सकारात्मक कार्यशैली को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत जिले में मॉडल सोलर ग्राम चयन प्रक्रिया शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जिले में मॉडल सोलर ग्राम के चयन की प्रक्रिया संबंधी बैठक आयोजित की गई। योजना का मुख्य उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले में एक आदर्श सोलर ग्राम का विकास करना है, जहाँ सौर ऊर्जा आधारित सुविधाओं का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। योजना के तहत जिला स्तरीय समिति द्वारा जिले से 10 संभावित ग्रामों का चयन पर विचार विमर्श किया गया। इस हेतु ऐसे गांव जिनकी आबादी 5,000 या उससे अधिक हो। यदि किसी प्रखंड में 5,000 से अधिक आबादी वाला गांव उपलब्ध नहीं है, तो उस प्रखंड के सर्वाधिक आबादी वाले गांव को चयन हेतु प्रस्तावित किया जाएगा। चयनित ग्रामों के मध्य छह माह की प्रतिस्पर्धात्मक अवधि निर्धारित की जाएगी। इस अवधि में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम-कुसुम योजना तथा अन्य सौर ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के अधिकतम क्रियान्वयन एवं जनभागीदारी के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले गांव को जिले का मॉडल सोलर ग्राम घोषित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रखंडों से संभावित गांवों का चयन कर प्रतिवेदन प्राप्त किया गया है। प्राप्त प्रस्तावों में कटकमदाग, टाटीझरिया, सदर, पदमा, डाड़ी, इचाक, चलकुशा, बरही, चौपारण, बरकट्ठा, केरेडारी, चुरचू, बड़कागांव, विष्णुगढ़ तथा दारू प्रखंडों के गांव शामिल हैं। इन गांवों का अंतिम चयन निर्धारित मानकों एवं सौर ऊर्जा योजनाओं के क्रियान्वयन की संभावनाओं के आधार पर किया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह,जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, प्रशिक्षु आईएएस भावना अग्रवाल, कार्यपालक अभियंता बिजली व अन्य मौजूद थे।

बरही के शिक्षाविद् रामचंद्र पांडेय का सड़क हादसे में निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के शिक्षाविद, प्रकांड विद्वान एवं बरहीडीह निवासी समाजसेवी एवं झारखंड पेंशनर कल्याण समाज के उपाध्यक्ष रहे रामचंद्र पांडेय 74 वर्ष का सोमवार रात्रि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान हजारीबाग सदर अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से बरही एवं आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि रामचंद्र पांडेय चौपारण प्रखंड के टीटही गांव से गरुड़ पुराण कार्यक्रम में शामिल होकर स्कूटी से लौट रहे थे। इसी दौरान रसोईया-धमना पेट्रोल पंप के समीप एक कार ने उनकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने दुर्घटना के बाद उक्त कार को अपने कब्जे में लेकर बरही थाना को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि स्व. रामचंद्र पांडेय ने वर्ष 1973 में बरही उच्च विद्यालय में अपनी सेवा शुरू की थी और लगभग 40 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के बाद वर्ष 2012 में सेवानिवृत्त हुए थे। वे शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते थे। विभिन्न यज्ञ, अनुष्ठान एवं धार्मिक आयोजनों में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी रहती थी, जिसके कारण समाज में उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त था। उनके अंतिम यात्रा में झारखंड पेंशनर कल्याण समाज सह बुद्धिजीवी मंच अध्यक्ष ईशो सिंह, महासचिव महेंद्र प्रसाद दुबे, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी एवं आजसू प्रभारी राजसिंह चौहान, रामस्वरूप पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रसोइयाधमना मुहर्रम कमेटी का हुआ गठन अध्यक्ष बने तौहीद अली, सचिव तौकीर रजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के रसोइयाधमना मोड़ पर मुहर्रम अखाड़ा और जुलूस निकालने की तैयारी को लेकर बैठक हुई। अध्यक्षता मो अब्दुल रज्जाक और संचालन मो गनी ने किया। मुहर्रम अखाड़ा कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से तौहीद अली को अध्यक्ष और तौकीर रजा को सचिव बनाया गया। अध्यक्ष और सचिव ने सभी मुहर्रम अखाड़ों के साथ मिलकर शांति और सौहार्द से मुहर्रम त्योहार मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में चर्चा की गई कि 7 मुहर्रम से लेकर 10 मुहर्रम तक पंचायत के अखाड़ा और ताजिए के साथ बच्चे, बुढ़े और महिलाएं रसोइयाधमना मोड़ पर आते हैं। आखाड़े, निसान और ताजिये का मिलान किया जाता है। परंपरागत लाठी खेल और करतब का प्रदर्शन किया जाता है। इसके बाद सभी अपने अपने इमामबाड़ा लौट जाते हैं और फातिहा और नेयाज करते हैं। बैठक में लोगों चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि धमना मोड़ पर एनएचएआई का अंडर पास निर्माण कार्य चल रहा है। अखाड़ों और ताजिया के मिलान में, खेल और करतब दिखाने में परेशानी होगी। समस्या के समाधान के लिए समय से पूर्व प्रशासन और एनएचएआई के पदाधिकारियों को जानकारी देने का निर्णय लिया गया। धमना मोड़ पर रसोइयाधमना मस्जिद मोहल्ला, छोटकी बरही, मदीना नगर, वारसिया मोहल्ला, मदीना मोहल्ला, अंसारनगर के अखाड़ा और ताजिए 7 मुहर्रम से 10 मुहर्रम तक धमना मोड़ पर खेल दिखाने के बाद अखाड़ों और ताजिया का मिलान करते हैं। बैठक में सभी अखाड़ों के 5: 5 सदस्यों का चयन किया गया और महा कमेटी बनाया गया।

फरार आरोपियों के खिलाफ न्यायालय की बड़ी कार्रवाई गोदाखर गांव में ढोल बजाकर चस्पा किया गया इश्तेहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना अंतर्गत पेलावल ओपी क्षेत्र के गोदाखर गांव में न्यायालय के आदेश पर फरार चल रहे तीन अभियुक्तों के विरुद्ध उद्घोषणा (इश्तेहार) की कार्रवाई की गई। पुलिस ने गांव पहुंचकर ढोल बजाकर उद्घोषणा की तथा न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार संबंधित अभियुक्तों के घरों पर चस्पा किया। इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और लोगों को न्यायालय के आदेश की जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार कटकमसांडी थाना कांड संख्या 04/26 के अभियुक्त मोहमद तोशिफ उर्फ शेरू, पिता मो. अमजद, निवासी गोदाखर, के विरुद्ध न्यायालय ने उद्घोषणा जारी की है। बताया जाता है कि आपसी विवाद एवं मारपीट से जुड़े एक मामले में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला दर्ज होने के बाद से वह गिरफ्तारी के भय से फरार चल रहा है। पुलिस द्वारा कई बार उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका। न्यायालय द्वारा जारी समन एवं वारंट के बावजूद उसके उपस्थित नहीं होने पर न्यायालय ने उसके विरुद्ध उद्घोषणा की कार्रवाई का आदेश दिया। इसी प्रकार सदर थाना कांड संख्या 654/12 के अभियुक्त भुनेश्वर पासवान, पिता स्वर्गीय पासवान, निवासी गदाजोर तथा कटकमसांडी थाना कांड संख्या 182/13 के अभियुक्त अजय उर्फ उमेश्वर पासवान, पिता स्वर्गीय पासवान, के विरुद्ध भी न्यायालय द्वारा उद्घोषणा जारी की गई है। दोनों अभियुक्त लंबे समय से फरार बताए जा रहे हैं और न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे। न्यायालय द्वारा कई अवसर दिए जाने के बावजूद उनके द्वारा न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई। न्यायालय के आदेश के आलोक में पेलावल ओपी के एसआई रविंद्र कुमार एवं संजय खलको के नेतृत्व में पुलिस टीम गोदाखर गांव पहुंची। वहां ढोल बजाकर उद्घोषणा की गई और ग्रामीणों को बताया गया कि संबंधित अभियुक्तों को निर्धारित तिथि तक न्यायालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। इसके बाद पुलिस ने संबंधित अभियुक्तों के घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार चस्पा किया। कार्रवाई के दौरान फरार अभियुक्त मोहमद तोशिफ उर्फ शेरू के पैतृक आवास पर भी न्यायालय का इश्तेहार लगाया गया। पुलिस ने मो. अमजद, पिता स्वर्गीय मो. हुसैन, निवासी गोदाखर के घर पर न्यायालय का नोटिस चस्पा करते हुए आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया संपन्न की गई तथा उद्घोषणा की प्रति सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संबंधित अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में समन और गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके थे, लेकिन वे लगातार न्यायालय और पुलिस की कार्रवाई से बचते रहे। ऐसे मामलों में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 82 के तहत उद्घोषणा जारी की जाती है। यह कानूनी प्रक्रिया उन अभियुक्तों के विरुद्ध अपनाई जाती है जो लंबे समय तक फरार रहकर न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग नहीं करते हैं। एसआई रविंद्र कुमार ने बताया कि न्यायालय द्वारा उद्घोषित किए गए अभियुक्तों को न्यायालय में उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया गया है। यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

डॉ राजकुमार चौबे बने विभावि योग केंद्र के नए निर्देशक

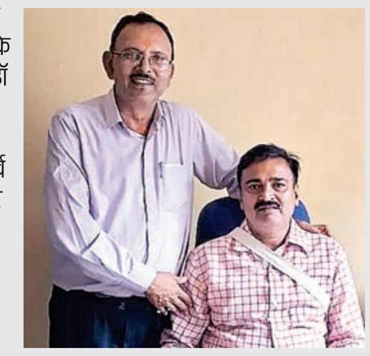

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय योग केंद्र के नए निदेशक के रूप में डॉ राजकुमार चौबे ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने यह दायित्व पूर्व निदेशक डॉ अमित कुमार सिंह से प्राप्त किया है। डॉ राजकुमार चौबे संत कोलंबा महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्राध्यापक के रूप में पदस्थापित थे। कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा के निर्देश पर उनका स्थानांतरण विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में किया गया। उन्होंने 11 जून को विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र विभाग में अपना योगदान समर्पित किया है। डॉ चौबे बताते हैं कि योग से उनका संबंध बहुत पुराना रहा है। योग पर उनके कई आलेख भारत के ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में नियमित प्रकाशित होते रहे हैं। नई जिम्मेदारी के निर्वहन के प्रति डॉ राजकुमार चौबे पूर्ण रूप से समर्पित दिखे। बताया कि कुलपति महोदय ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक वृहद कार्यक्रम की व्यवस्था का दायित्व दिया है। उस दिन विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं महाविद्यालयों में भारत सरकार द्वारा जारी कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को योग अभ्यास कराया जाएगा। इससे संबंधित तैयारी को लेकर अभी डॉ चौबे काफी व्यस्त दिखे। डॉ अमित कुमार सिंह लंबे समय से स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग एवं योग केंद्र को प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने बताया कि डॉ चौबे को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराएंगे। सभी मिलकर कुलपति जी की योजना के अनुसार विश्वविद्यालय योग केंद्र को नई ऊंचाई तक ले जाएंगे। डॉ राजकुमार चौबे दायित्व के निर्वहन के प्रति बहुत समर्पित माने जाते हैं। इससे पूर्व संत कोलंबा महाविद्यालय के छात्रावास जब पूरी तरह से अव्यवस्थित हो चुका था तब उन्हें छात्रावास प्रमुख का दायित्व दिया गया था। उनके छात्रावास प्रमुख बनने के उपरांत छात्रावास में अनेक प्रकार के सुधार किए गए और आज संत कोलंबा का छात्रावास लोगों को पुराने गौरव का याद दिलाता है।

पीएम मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर सांसद का तूफानी दौरा

हजारीबाग : भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक पीएम बने रहने और उनके कार्यकाल के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा के संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार से क्षेत्र में विशेष प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पीएम मोदी के राष्ट्रहित और जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। मंगलवार को सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के नगर पूर्वी, सदर पश्चिम और पूर्वी मंडल के विभिन्न वार्डों व एक दर्जन से अधिक गांवों का अहले सुबह से लेकर देर रात तक तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डेढ़ दर्जन विशिष्ट जनों के आवास पर जाकर सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित किया। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रबुद्ध जनों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 12 वर्षों का कार्यकाल देश के नवनिर्माण, अंत्योदय और वैश्विक गौरव का स्वर्णिम काल रहा है। उनके नेतृत्व में हुए जनकल्याणकारी और साहसिक कार्यों ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन को बदला है। इस ऐतिहासिक विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाना और देशहित की नीतियों से हर नागरिक को जोड़ना हम सभी का दायित्व है। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता का यही अपार स्नेह और प्रबुद्ध जनों का यह सीधा संवाद ही विकास की इस गति को निरंतर बनाए रखने की हमारी ताकत बनकर उभरेगा। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 स्थित दीपूगढ़ा में डीएमएफटी मद से नाली निर्माण के शिलान्यास के साथ की। इसके बाद उन्होंने नगर पूर्वी क्षेत्र के भाजपा मंडल मीडिया प्रतिनिधि श्रेष्ठ उपाध्याय के आवासीय परिसर में स्थानीय विशिष्टजनों के साथ बैठक की। तत्पश्चात सदर प्रखंड के सिंघानी में सांसद मद की 5 लाख रुपए की राशि से बनने वाले सांस्कृतिक भवन का विधिवत नारियल फोड़कर और शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया।

झिकझोर से पचंडा तक सड़क निर्माण की उम्मीद जगी, दामोदर नदी श्मशान घाट तक हुआ सर्वे

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के अति सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत आंगों अंतर्गत ग्राम पचंडा गांव बरसात के दिनों में टापू में तब्दील हो जाता है। क्योंकि यह गांव को मुख्य पक्की सड़क से जोड़ा नहीं गया है। जिससे प्रखंड या जिला मुख्यालय जाने में लोगों को काफी कठिनाई होती है।मामले को गंभीरता से लेते हुए समाजसेवी कालेश्वर गंझू के नेतृत्व में उत्क्रमित मध्य विद्यालय झिकझोर मुख्य सड़क से लेकर पचंडा गांव होते हुए दामोदर नदी शमशान घाट तक सर्वे का कार्य ग्रामीण कार्य प्रमंडल हजारीबाग कन्या अभियंता जागेश्वर उरांव के द्वारा किया गया। इस कार्य में सड़क के साथ-साथ जगह-जगह जरूरत के तहत छोटी-बड़ी पुलिया निर्माण को लेकर भी सर्वे कार्य किया गया।इस सड़क का निर्माण हो जाने से टापू में तब्दील यह पचंडा गांव प्रखंड एवं जिला मुख्यालय से सीधे जुड़ जाएगा।बताते चले की पचंडा गांव में मुख्य रूप से सत प्रतिशत एसटी जाती के लोग निवास करते हैं। जिन्हें अन्य दिनों के साथ-साथ बरसात के दिनों में पक्की सड़क नहीं होने से आवागमन करने में काफी कठिनाई होती है।बरसात के मौसम में निरंतर लगातार वर्षा होने पर गांव के लोग गांव से बाहर अपनी जरूरत के कार्य को लेकर नहीं जा पाते हैं।बीमार होने पर कई दिनों तक गांव में ही रहकर वर्षा और नदी में बाढ़ की पानी कम होने का इंतजार करते हैं। क्योंकि यह गांव तीन ओर से नदियों एवं शेष बाकी ओर से जंगलों पहाड़ों से घिरा हुआ है।यह सर्वे कार्य ग्रामीण कार्य प्रमंडल हजारीबाग के कन्या अभियंता जागेश्वर उरांव के द्वारा किया गया। सर्वे कार्य के दरमियान मुख्य रूप से समाजसेवी कालेश्वर गंझू , जागेश्वर गंझू , बिनोद बेसरा , मिश्रीलाल मांझी, रिझन मांझी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के तत्वावधान में 30 अगस्त को होगा पंचम श्री श्याम मनुहार महोत्सव

हजारीबाग : हजारीबाग में बाबा श्याम के भक्तों के लिए आस्था, श्रद्धा और भक्ति का भव्य संगम आगामी 30 अगस्त, रविवार को देखने को मिलेगा। श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार के द्वारा शहर के मालवीय मार्ग स्थित अग्रसेन भवन में पंचम श्री श्याम मनुहार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। महोत्सव में बाबा श्याम की भव्य ज्योत,आकर्षक दरबार, संकीर्तन एवं भक्ति संगीत का अनुपम संगम श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर करेगा।महोत्सव में सुप्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक नामा,आदर्श दाधीच एवं दीपांशु अग्रवाल अपनी मधुर वाणी से बाबा श्याम के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देंगे। श्याम प्रेमी भक्ति रस में डूबकर बाबा के जयकारों के साथ संकीर्तन का आनंद लेंगे ।

एक नजर

सिल्ली प्रखंड मुख्यालय में खुला नया आधार सेंटर

रांची : सिल्ली प्रखंड परिसर स्थित वीआरसी के समीप नए आधार सेंटर की शुरूआत होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली है। आधार कार्ड से जुड़े कार्यों के लिए अब लोगों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। सेंटर के संचालक ने बताया कि दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं को आधार से संबंधित सभी सेवाओं में प्राथमिकता दी जा रही है। इससे जरूरतमंद लोगों को बिना किसी परेशानी के सेवाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि झारखंड सरकार ने राज्य के 5053 पंचायत सचिवालयों में स्थायी आधार केंद्र खोलने के लिए सीएससी-एसपीवी के साथ एमओयू किया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक आधार सेवाएं उपलब्ध कराना है। अब ग्रामीणों को आधार कार्ड बनवाने, अपडेट कराने या अन्य कार्यों के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे लोगों के समय और पैसे दोनों की बचत होगी। स्थानीय लोगों ने सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

दो मोटरसाइकिलो के बीच सीधी टक्कर, चार गंभीर

रांची : जोन्हा चट्टी के समीप दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना में शामिल बाइकों के नंबर जेएच-01-जीएच-7267 और जेएच-01-जीपी-7955 हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए आनन-फानन में मेसो अस्पताल, जोन्हा पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायलों में एक व्यक्ति की पहचान सिल्ली लोटा निवासी कमलनाथ महतो के रूप में हुई है, जो रांची से सिल्ली जा रहा था, जबकि एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार तीन घायल रूपरू गांव के निवासी हैं। घायलों में पवन मुंडा, विकास मुंडा और बिरसा मुंडा शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल से रिम्स रेफर किया गया है। सूचना मिलने पर अनगड़ा पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच कर रही है।

रांची विश्वविद्यालय में दूसरे और चौथे शनिवार को रहेगा अवकाश

रांची : रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय मुख्यालय के कार्य संचालन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब विश्वविद्यालय में प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहेगा। इसके साथ ही मुख्यालय के कार्यालयों के लिए नया कार्य समय भी निर्धारित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय के सभी कार्यालय अब सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक संचालित होंगे। इस दौरान कुल साढ़े सात घंटे की कार्य अवधि सुनिश्चित की जाएगी।

फिल्म नीति में सभी भाषाओं को शामिल करने की मांग

रांची : झारखंड की नई फिल्म नीति में भोजपुरी सहित सभी क्षेत्रीय और स्थानीय भाषाओं को शामिल करने की मांग को लेकर मंगलवार को कलाकारों और फिल्म क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने कला और संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए सभी भाषाओं की फिल्मों को प्रोत्साहन, सब्सिडी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से आग्रह किया कि भोजपुरी, नागपुरी, कुडुख, मुंडारी, संथाली, खोरठा, मगही, मैथिली, हिंदी, बंगाली, पंजाबी सहित अन्य भाषाओं की फिल्मों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही फिल्म निमार्ताओं की सुविधा के लिए एक स्पष्ट और अलग शूटिंग नीति तैयार की जाए, ताकि राज्य में फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिल सके।

अंगदान मानवता और संवेदनशीलता का प्रतीक जागरूकता बढ़ाने की जरूरत : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि ऑर्गन एंड टिश्यू डोनेशन (अंग एवं ऊतक दान) एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, जिसके प्रति समाज में व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। अंगदान न केवल किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बनता है, बल्कि कई परिवारों के जीवन में नई उम्मीद और खुशियां भी लेकर आता है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को रांची के बारियातू रोड स्थित एक होटल में मोहन फाउंडेशन की ओर से आयोजित बेस्ट प्रैक्टिसेज इन ऑर्गन एंड टिश्यू डोनेशन कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान से जुड़े कानूनी प्रावधानों और प्रक्रियाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। राज्य सरकार भी अंगदान को बढ़ावा देने और इसके प्रति सकारात्मक माहौल बनाने की दिशा में पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज में इस विषय को लेकर मौजूद भ्रांतियों को दूर करने और लोगों को जागरूक करने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान मानवता, करुणा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके परिजनों को अंगदान के महत्व और उससे जुड़ी प्रक्रिया की जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिल सके।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आज तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। रोबोटिक सर्जरी, लिवर और किडनी प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियां लोगों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। झारखंड सरकार भी राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वस्थ झारखंड के निर्माण की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यशाला के आयोजन के लिए मोहन फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने और अंगदान जैसे मानवीय विषयों पर सकारात्मक संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, मणिपाल ऑर्गन शेयरिंग के कंट्री हेड कर्नल अवनीश, मोहन फाउंडेशन के कंट्री हेड श्रीमती ललिता रघुराम, क्रिटिकल केयर मणिपाल के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार मिश्रा, कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के संस्थापक निदेशक डॉ. बी. कश्यप सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे।

भारतीय सेना ने झारखंडवासियों को दी उन्नत नेत्र चिकित्सा की सौगात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना ने मिलिट्री हॉस्पिटल नामकुम में दृष्टि 2026 मेगा नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया है। 16 से 19 जून तक चलने वाले इस चार दिवसीय शिविर के माध्यम से झारखंड के लोगों को अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा सेवाएं और विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिविर का उद्घाटन महानिदेशक सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएं (डीजीएएफएमएस) सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम ने किया। इस पहल का उद्देश्य पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और आम नागरिकों को उच्चस्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराना है।

नई दिल्ली स्थित आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) के विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की टीम शिविर में सेवाएं दे रही है। रांची और आसपास के जिलों से पहुंचे मरीजों को नेत्र संबंधी परामर्श, जांच और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिविर में मोतियाबिंद ऑपरेशन, ग्लूकोमा उपचार तथा रेटिना संबंधी बीमारियों के लिए एंटी-श्एत्र्क्ष्ट इंजेक्शन जैसी उन्नत चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। ये उपचार दृष्टि सुधारने और अंधत्व की संभावना को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय सेना की इस पहल से झारखंड के लोगों को उपचार के लिए दिल्ली और अन्य बड़े शहरों की लंबी एवं खचीर्ली यात्राओं से राहत मिलेगी। विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं सीधे रांची में उपलब्ध होने से मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सकेगा।

उद्घाटन समारोह में डीजीएएफएमएस आरती सरीन ने पूर्वी कमान, मिलिट्री हॉस्पिटल नामकुम और विशेषज्ञ चिकित्सा टीमों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वर्ण पदक विजेता बॉक्सर शिक्षा कुमारी को मंत्री ने दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 18वीं झारखंड स्टेट सब-जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली गोड्डा की खिलाड़ी शिक्षा कुमारी ने मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री ने उन्हें शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा कुमारी ने स्वर्ण पदक जीतकर यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प, कठोर परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि गोड्डा सहित पूरे झारखंड के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह राज्य की उन सभी बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो खेल और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने का सपना देख रही हैं। मंत्री ने कहा कि यदि अवसर, समर्पण और संकल्प साथ हों, तो बेटियाँ हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि शिक्षा कुमारी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य और देश का नाम रोशन करेंगी।

रांची में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, दो युवतियों समेत पांच लोग गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के पॉश इलाके हरमू हाउसिंग कॉलोनी में किराए के मकान से संचालित कथित सेक्स रैकेट का अरगोड़ा पुलिस ने मंगलवार को भंडाफोड़ किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में दो युवतियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रैकेट के संचालन में संलिप्त मुख्य आरोपित को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को हरमू क्षेत्र में किराए के मकान में अवैध देह व्यापार संचालित होने की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नीरज कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में अरगोड़ा थाना प्रभारी अनिल तिवारी, डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद, महिला मजिस्ट्रेट तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल शामिल था।

पुलिस टीम ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित संदिग्ध मकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दो युवतियां और तीन युवक आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। मौके से सभी पांचों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मकान से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

हटिया डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि मकान पांकी निवासी एक व्यक्ति का है, जिसे किराए पर लेकर एक अन्य व्यक्ति कथित रूप से सेक्स रैकेट चला रहा था।

रांची नगर निगम की टीम ने अवैध निर्माण हटाए, जुर्माना भी वसूला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में शहरी क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने मंगलवार को विभिन्न इलाकों में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क, फुटपाथ और नालियों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के साथ-साथ जुमार्ना और जब्ती की कार्रवाई भी की गई। नगर निगम की टीम ने अरगोड़ा चौक से डीपीएस स्कूल मार्ग तक सड़क किनारे किए गए अस्थायी निमार्णों, नालियों के ऊपर बनाई गई अवैध संरचनाओं तथा पांच दुकानों को हटाया। इसके अलावा भवन निर्माण सामग्री रखकर सार्वजनिक स्थानों का अतिक्रमण करने वाले लोगों पर कुल छह हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

इसी क्रम में बरियातू रोड स्थित रिम्स के समीप भी विशेष अभियान चलाया गया। यहां सड़क किनारे संचालित अस्थायी दुकानों और काउंटर ठेलों को जब्त किया गया। अतिक्रमण करने वालों पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

नगर निगम की टीम ने कचहरी चौक क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सात ठेले और लगभग 20 कैरेट विभिन्न सामान जब्त किए। वहीं मेन रोड क्षेत्र में सड़क और फुटपाथों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर यातायात और पैदल आवाजाही को सुगम बनाने का प्रयास किया गया।

अभियान के दौरान निगम अधिकारियों ने सभी अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा जुमार्ना और जब्ती की प्रक्रिया और अधिक सख्ती से लागू की जाएगी।

झारखंड में दुर्लभ खनिजों की खोज में अमेरिकी कंपनियों की रुचि, तकनीकी सहयोग पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में परंपरागत खनिजों के साथ-साथ दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज, खनन, प्रसंस्करण और तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इस संबंध में मंगलवार को मुख्य सचिव अविनाश कुमार और अमेरिकी काउंसलेट जेनरल कैली जाइल डियाज के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में झारखंड के खनिज क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं, निवेश के अवसरों और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्य सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को खनिज संपदा और खनन क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

बैठक में बताया गया कि झारखंड कोयला, लौह अयस्क, तांबा, बॉक्साइट, सोना और लाइम स्टोन जैसे परंपरागत खनिजों से समृद्ध राज्य है। इन खनिजों के खनन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

इसके अलावा राज्य में 20 से अधिक दुर्लभ और महत्वपूर्ण खनिजों की मौजूदगी दर्ज की गई है। इनमें लिथियम, टाइटेनियम, वैनेडियम, सिल्वर, ग्रेफाइट समेत कई रणनीतिक महत्व के खनिज शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन खनिजों के नए भंडारों की खोज और अन्वेषण की प्रक्रिया भी लगातार जारी है।

बैठक के दौरान अमेरिकी काउंसलेट जेनरल के माध्यम से अमेरिकी कंपनियों को झारखंड में खनिज अन्वेषण, खनन और उन्नत तकनीक आधारित परियोजनाओं में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि इस क्षेत्र में कार्यरत दुनिया की कई अग्रणी कंपनियों के साथ लगातार संपर्क स्थापित किया जा रहा है और इस दिशा में सकारात्मक प्रगति भी हुई है।

चर्चा के दौरान इच्छुक कंपनियों को खनिज ब्लॉक आवंटन और अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से खनन गतिविधियों में शामिल होने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि अमेरिका की माइनिंग कंपनियों के समूह यूएसआईएसपीए ने झारखंड सरकार से संपर्क स्थापित किया है। समूह ने राज्य में खनिज ब्लॉकों की खुली नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की इच्छा जताई है। विशेष रूप से दुर्लभ खनिजों की खोज, खनन और प्रसंस्करण गतिविधियों में अमेरिकी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। माना जा रहा है कि इस सहयोग से झारखंड के खनन क्षेत्र में नई तकनीक, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं।

शिष्टाचार मुलाकात

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य के नए महाधिवक्ता रोहितश्य रॉय ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

संक्षिप्त खबरें

विश्व रक्तदाता दिवस पर जेसीआई रांची ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

रांची : विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जेसीआई रांची द्वारा स्वास्थ्य जांच सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया तथा विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। जेसीआई रांची के अध्यक्ष ने कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है, जिससे जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।

मुरी रेलवे स्टेशन पर अग्निशमन प्रशिक्षण कर्मचारियों को दिए गए सुरक्षा उपायों के गुर

रांची : मुरी रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह अग्निशमन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा उपायों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण के दौरान रेल परिसर, स्टेशन भवनों, कार्यालयों और ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी गई। कर्मचारियों को स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न प्रकार के अग्निशमन यंत्रों के बारे में बताया गया तथा विद्युत आग, ज्वलनशील पदार्थों से लगी आग और सामान्य दहनशील वस्तुओं में लगी आग पर नियंत्रण के तरीकों की जानकारी दी गई। इस दौरान अग्निशमन यंत्रों के संचालन की सही विधि का लाइव प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षकों ने प्रभावी तरीके से आग बुझाने के उपायों को भी विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में रेलवे के संचालन विभाग, आरपीएफ, वाणिज्यिक, इंजीनियरिंग और यांत्रिक विभाग के कर्मचारी, लोको पायलट, सीएलआई तथा अन्य ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने भाग लिया। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन और सुरक्षा के प्रति अधिक सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिल्ली में केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने किया वृक्षारोपण, विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को सिल्ली प्रखंड के एसएस प्लस टू विद्यालय और सिल्ली स्टेडियम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष विनय महतो उर्फ धीरज भी मौजूद रहे। विद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य पवन कुमार पांडे ने बुके देकर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया, जबकि विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। वृक्षारोपण के बाद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संजय सेठ ने कहा कि छात्रों को अनुशासन के साथ पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कला और खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलता से न घबराने की सलाह देते हुए कहा कि निरंतर प्रयास करने वालों को ही सफलता मिलती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष जोर दे रही है, ताकि देश विकास और उन्नति के नए आयाम स्थापित कर सके। अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंगपुर नर्सिंग होम पहुंचे, जहां उन्होंने संस्थान के निदेशक रमणेश प्रसाद को उत्कृष्ट सेवा के लिए अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद उन्होंने बिरसा मुंडा तीरंदाजी केंद्र पहुंचकर खिलाड़ियों के अभ्यास का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। इस अवसर पर तीरंदाजी संघ के वरीय उपाध्यक्ष जयपाल सिंह को स्मृति चिन्ह तथा मुख्य कोच प्रकाश राम, कोच शिशिर कुमार महतो और श्वेता पांडे को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

श्री श्याम मंदिर में 208वां सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 208वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री नवीन अग्रवाल एवं श्रीमती नेहा अग्रवाल ने अपने परिजनों के साथ श्री बालाजी महाराज की दिव्य अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना की तथा गुड़, चना, केशरिया पेड़ा, केशरिया रबड़ी, लड्डू और फलों का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर श्री प्रभुदयाल नारसरिया एवं श्रीमती रेखा नारसरिया ने गुड़-चना, श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार ने केशरिया पेड़ा, श्री श्रवण ढांढनिया ने चना प्रसाद, श्री राजेश जायसवाल ने फल तथा श्री मनीष साहू ने गिरिगोला प्रसाद सेवा का योगदान दिया। दो घंटे तक चले सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ के दौरान मंदिर परिसर भक्ति रस में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों के साथ पाठ में सहभागिता निभाई। पाठ की पूणार्हुति के बाद महाआरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष अशोक लाडिया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, पूर्व महामंत्री राजेश ढांढनिया सहित मंडल के कई पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

एक नजर

नातिनी की गुमशुदगी पर परिजनों ने थाने में लगाई गुहार

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र मरकच्चो के ग्राम कदोडीह निवासी जानकी देवी पति झारखंडी महतो ने मंगलवार को अपने नातिनी की गुमशुदगी को लेकर मरकच्चो थाना में आवेदन देकर खोजबीन की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि 14 जून 2026 की रात खाना खाकर सभी अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। 3:00 बजे सुबह जब मैं सोच के लिए उठी तो घर का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था। मैंने अपनी छोटी बहू को उठाया और अपनी नातिनी नीतू कुमारी के कमरे में गयी, जंहा वह नही थी। अगल-बगल नाते रिश्ते में काफी खोजबीन की परन्तु पता नहीं चला। नीतू कुमारी के पिता सिकेंदर वर्मा जो सूरत में काम करते हैं वहां भी पता किया तो वहां भी पता नहीं चला। उन्होंने बताई है कि गुमशुदीगी होने से मुझे शक है कि मेरे नातिनी के साथ कोई अनहोनी घटना न घटे। घटना के बाद परिवार के सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस से युवती कि जल्द बरामदगी की मांग की है।

केशर प्लांट चोरी कांड का खुलासा, 6 आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा : चंदवारा थाना क्षेत्र के ढाब सलोनीये स्थित केशर प्लांट में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी गया सामान भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार 14 जून की रात प्लांट का ताला तोड़कर इन्वर्टर, उपकरण एवं नगद राशि की चोरी की गई थी। मामले में थाना कांड दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को चोरी की योजना बनाते हुए पकड़ा, जिनकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद हुआ। इसके बाद कबाड़ी दुकानदार को भी गिरफ्तार किया गया, जिससे कुल छह आरोपी गिरफ्तार हुए। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भदानीनगर में भीषण सड़क हादसा दो युवकों की मौत

रामगढ़ : पतरातू-रामगढ़ मुख्य मार्ग पर बनगड़ा के समीप रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक अत्यधिक तेज गति में थी, तभी चालक का नियंत्रण हट गया और यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भदानीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों की पहचान अमरजीत भुईया और सोनू कुमार के रूप में हुई है। हादसे की सूचना से दोनों परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मरकच्चो : राज्यव्यापी नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रखंड सभागार एवं विभिन्न विद्यालयों में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण सह कार्यशाला तथा शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी प्रभारी शिक्षकों के साथ कार्यशाला आयोजित कर उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई।

अमन दुबे मौत कांड में दो गिरफ्तार, रिश्तों के शक से शुरू हुआ विवाद बना जानलेवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सहयोगी नगर, सेवटा निवासी अमन दुबे की मौत के मामले में पुलिस ने अहम कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जसवंत राम उर्फ जसवंत प्रजापति तथा सुमन देवी को हिरासत में लेकर आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार 11 जून 2026 को अमन दुबे के साथ मारपीट की घटना हुई थी, जिसके बाद गंभीर रूप से घायल अवस्था में उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में मृतक की मां के आवेदन पर मांडू थाना कांड संख्या 135/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जांच के दौरान पुलिस को मिले साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि दोनों आरोपियों के बीच संबंधों को लेकर संदेह के कारण विवाद हुआ था, जो मारपीट में बदल गया और बाद में अमन दुबे की मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनमें मृतक और दोनों आरोपियों के फोन शामिल हैं। इनकी तकनीकी जांच की जा रही है।

कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

पॉक्सो मामले में त्वरित कार्रवाई नामजद आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

रामगढ़ : महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े एक गंभीर मामले में कुजू ओपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मांडू थाना कांड संख्या 138/2026 के तहत दर्ज मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला दर्ज होने के बाद कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों एवं सूचना तंत्र के आधार पर नामजद अभियुक्त सूरज मुंडा, निवासी लकड़ी गेट, कुजू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक पूछताछ की गई तथा विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में सख्ती से कार्रवाई की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा की कार्यशाला में चुनावी तैयारी पर जोर, बूथ सशक्तिकरण का दिया गया मंत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : आगामी चुनावों की तैयारियों और मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी, रामगढ़ जिला द्वारा सोमवार को फोरलेन स्थित पटेल छात्रावास में एसआईआर बीएलए-2 कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संगठनात्मक मजबूती, मतदाता सूची सत्यापन और बूथ स्तर पर कार्यप्रणाली को लेकर कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विरंची नारायण ने कहा कि भाजपा की सफलता का आधार बूथ स्तर की मजबूती है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाना है तथा 30 दिनों के भीतर सभी बूथों की मतदाता सूची का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

कार्यशाला में मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया, नए नाम जोड़ने, त्रुटि सुधार और नाम हटाने संबंधी जानकारी भी दी गई। कार्यशाला का संचालन प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. संजय प्रसाद सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला मंत्री बबलू साव ने किया।

भुरकुंडा में रोजगार और रोड सेल की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन, संगम आउटसोर्सिंग का कार्य प्रभावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : स्थानीय बेरोजगारों और मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को भुरकुंडा में बड़ा जनआक्रोश देखने को मिला। भुरकुंडा रोड सेल समिति के बैनर तले सैकड़ों महिला-पुरुष मजदूरों ने संगम आउटसोर्सिंग परियोजना के समक्ष प्रदर्शन करते हुए कार्य ठप कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने जुलूस निकालकर नारेबाजी की और धरना देते हुए कहा कि जब तक रोड सेल को पुनः शुरू नहीं किया जाता, तब तक स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। इस दौरान परियोजना का काम कुछ समय के लिए पूरी तरह प्रभावित रहा।

सभा को संबोधित करते हुए प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन रोड सेल की अनदेखी कर रहा है, जिससे स्थानीय बेरोजगार युवाओं और मजदूरों के हित प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने की मांग की गई। सूचना मिलने पर परियोजना पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारियों से वार्ता की। उन्होंने 20 जून को रोड सेल समिति, सीसीएल प्रबंधन एवं संबंधित पक्षों के बीच त्रिपक्षीय बैठक कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी सेविकाओं की चेतावनी: बकाया भुगतान नहीं मिला तो बच्चों का भोजन बंद करने की मजबूरी

झुमरीतिलैया : आंगनबाड़ी सेविका सहायिका यूनियन (सीटू) की बैठक मंगलवार को चिल्ड्रेन पार्क में जिलाध्यक्ष संतोषी देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन बेबी कुमारी ने किया। बैठक में सेविकाओं ने पिछले पांच माह से मानदेय व पोषाहार राशि का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि लगातार आर्थिक संकट के कारण केंद्र संचालन में कठिनाई हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी ने बीएलओ कार्य और विभागीय दबाव से परेशानियों की बात कही। वहीं राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि महंगाई के बीच भुगतान न मिलना गंभीर समस्या है। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि एक सप्ताह के भीतर बकाया राशि का भुगतान नहीं हुआ तो आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का पोषाहार बंद किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। बैठक में कई सेविकाएं उपस्थित थीं।

मुख्य सचिव से मिले ज्योति सिंह मथारू

कोडरमा : झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू ने मुख्य सचिव अविनाश कुमार से मुलाकात कर जैन समाज के साधु-साध्वियों के आगामी चतुर्मास एवं पदविहार के दौरान सुरक्षा, विश्राम और मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई 2026 से शुरू होने वाले चतुर्मास के दौरान साधु-साध्वियों का विभिन्न जिलों से होकर पदविहार होगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सामुदायिक भवनों एवं विश्रामगृहों की उपलब्धता, पेयजल और स्वच्छता जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु सभी उपायुक्तों एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया। मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई और प्रशासनिक समन्वय का आश्वासन दिया।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जयनगर : जयनगर प्रखंड में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित समीक्षा एवं उन्मुखीकरण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में ऐसे बच्चों की पहचान, नामांकन, समावेशी शिक्षा, छात्र-छात्रा उपस्थिति विवरण अद्यतन तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सभी विद्यालयों को निर्देश दिया कि ऐसे बच्चों का अद्यतन विवरण तैयार कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ा जाए। साथ ही कक्षा आठ से नौ तथा कक्षा दस से ग्यारह में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने सभी कार्यों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। अंत में नशा मुक्ति अभियान के तहत सभी शिक्षकों को शपथ दिलाई गई तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया।

जेजे कॉलेज बचाओ अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान, छात्रों में आक्रोश

कोडरमा : जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति द्वारा 16 जून को जेजे कॉलेज परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए मांग पत्र के समर्थन में हस्ताक्षर किए। छात्रों ने जेजे कॉलेज सहित जिले के सभी डिग्री कॉलेजों की संबद्धता विनोबा भावे विश्वविद्यालय से बनाए रखने की मांग की और सरकार के उस निर्णय का विरोध किया, जिसके तहत कॉलेजों को सर जे. सी. बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से जोड़े जाने की बात कही गई है। समिति के अनुसार, लगभग 10 हजार छात्रों के हस्ताक्षर एकत्र कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। छात्रों का कहना है कि यह निर्णय उनके भविष्य के हित में नहीं है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। समिति ने दावा किया कि जिले के छात्रों, अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों का इस आंदोलन को लगातार समर्थन मिल रहा है। अभियान में समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

भाजपा महिला मोर्चा का 'कम तेल की थाली, देश रहे खुशहाली' कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला कोडरमा के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'कम तेल की थाली, देश रहे खुशहाली' कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को ध्वजाधारी पहाड़ स्थित गुरु कृपा भवन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को कम तेल एवं पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की प्रभारी जिला महामंत्री सविता देवी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनीति सेठ ने की, जबकि प्रमंडल प्रभारी लवली गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में लगभग 60 महिलाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर महिलाओं ने कम तेल से बने विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया। सविता देवी ने इडली चाट, बेबी देवी ने सूजी एवं दाल पीठा, रेखा भदानी ने झालमुड़ी तथा सुनीति सेठ ने चावल के आटे व दाल से बने पीठा के साथ अंकुरित चना-मूंग एवं अन्य सब्जियों से तैयार सलाद व चना मसाला प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि अधिक तेलयुक्त भोजन से कई बीमारियां होती हैं, इसलिए प्रधानमंत्री का यह आह्वान जनस्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितेश चन्द्रवंशी, जिला महामंत्री नरेन्द्र पाल, जिला उपाध्यक्ष संगीता सिन्हा, सहित कई पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

अंत में जिलाध्यक्ष सुनीति सेठ ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए स्वस्थ एवं संतुलित भोजन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

डीडीसी एवं बिडीओ ने लंबित आवास योजनाओं का किया निरिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : डगरनवां पंचायत के विभिन्न गाँवों में लंबित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना का निरीक्षण उप विकास आयुक्त कोडरमा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, मरकच्चो के द्वारा मंगलवार को किया गया। निरीक्षण के दौरान लाभुकों को कड़ी चेतावनी देते हुए, स्पष्ट निर्देश दिया गया कि जिन लाभुकों के खाते में जिस स्तर तक राशि का भुगतान किया जा चुका है, वे अगले एक सप्ताह के भीतर आवास निर्माण कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।अन्यथा निर्धारित अवधि के बाद भी कार्य प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित लाभुकों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज करने तथा अन्य सरकारी योजनाओं के लाभों से बंचित रखने पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

वहीं उप विकास आयुक्त द्वारा डगरनवां प्लस हाई स्कूल का भी निरीक्षण किया गया जिसमें सभी शिक्षकों, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति पंजी, कमरों की संख्या, मध्यान भोजन आदि का जायजा लिया गया। जिसमे प्रधानाध्यापक के द्वारा कमरों की कमी, पानी की समस्या एवं बाउंड्री वाल के बारे में उप विकास आयुक्त को अवगत कराया।उप विकास आयुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित पंचायत सचिव को डगरनवां पंचायत अंतर्गत सभी ग्रामों में पानी की समस्या को लेकर तालाब से संबंधित सूची देने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला समन्वय (आवास), प्रखंड समन्वयक (आवस), संबंधित पंचायत सचिव ग्राम रोजगार सेवक तथा पंचायत सहायक मौजूद थे।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षकों को दिया गया 'प्रभावी निर्णय क्षमता' का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मॉडर्न पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया के प्रांगण में मंगलवार को शिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन के तहत 'प्रभावी निर्णय क्षमता' विषय पर एक दिवसीय गहन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों में त्वरित, संतुलित, विवेकपूर्ण एवं नैतिक निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना था, ताकि वे कक्षा और विद्यालय परिसर में उत्पन्न होने वाली विभिन्न चुनौतियों का सामना प्रभावी ढंग से कर सकें।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता अविनाश मिश्रा ने सत्र को संबोधित करते हुए आधुनिक शिक्षा पद्धति में शिक्षक की बदलती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कक्षा प्रबंधन, छात्र अनुशासन, खेल गतिविधियों के संचालन तथा अप्रत्याशित आपातकालीन परिस्थितियों में एक शिक्षक द्वारा निभाए जाने वाले उत्तरदायित्वों पर विस्तार से व्यावहारिक चर्चा की।

शिक्षकों को प्रेरित करते हुए अविनाश मिश्रा ने कहा, एक शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ाता, बल्कि वह प्रतिदिन स्कूल परिसर में बच्चों के भविष्य से जुड़े सैकड़ों सूक्ष्म निर्णय लेता है। सही समय पर लिया गया सही और संवेदनशील निर्णय न केवल कक्षा के माहौल को सकारात्मक व अनुशासित बनाता है, बल्कि बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और सर्वांगीण विकास की सुदृढ़ नींव भी रखता है। प्रशिक्षण सत्र को जीवंत और संवादात्मक बनाने के लिए विभिन्न आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों का उपयोग किया गया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए खेल और वास्तविक जीवन की जटिल परिस्थितियों पर आधारित 'केस स्टडीज' के विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों ने समूह में कार्य करते हुए संकट के समय तनाव मुक्त रहकर सही निर्णय लेने के व्यावहारिक गुर सीखे। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ इन गतिविधियों में अपनी सहभागिता दर्ज की।

शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गुरु चरण वर्मा ने निर्णय लेने की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा, कार्यक्षेत्र में कभी-कभी तेजी से लिया गया निर्णय त्रुटिपूर्ण हो सकता है, जिसे बाद में अनुभव और सूझबूझ से सुधारा जा सकता है; परंतु दुविधा में रहकर निर्णय न लेना हमेशा सबसे बड़ी भूल साबित होती है।

डोमचांच प्रखंड में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

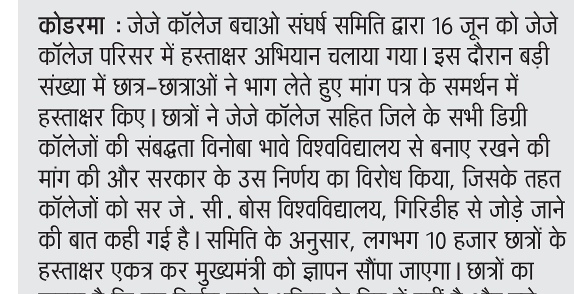

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में मंगलवार को डोमचांच प्रखंड के धरगावं में वरिष्ठ नागरिको के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों के संरक्षण, विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी तथा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। इस शिविर के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, विधिक सहायता सेवाओं तथा विभिन्न कानूनी समस्याओं के समाधान के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही जरूरतमंद लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से जोड़कर निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का प्रयास है कि वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए तथा उन्हें समय पर आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि कई बार बुजुर्ग जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में बुजुर्गो के लिए बैंकों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्थापित सीनियर सिटीजन फैसिलिटेशन हेल्प डेस्क उनके लिए एक महत्वपूर्ण सहायता केंद्र साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकार द्वारा समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए लगातार जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

एक नजर

स्कॉर्पियो से टकराई बाइक, दो युवक घायल

खूंटी : कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्रा-खूंटी मुख्य सड़क पर कटहल टोली के समीप मंगलवार को हुई सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी रेफर कर दिया गया। घायलों में सांगोर गांव निवासी बंधना होरो तथा मदुघामा निवासी सुखू हेमरोम शामिल है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक मोटरसाइकिल से कर्रा चौक से रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कटहल टोली के पास उनकी बाइक एक स्कॉर्पियो वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों एवं कर्रा पुलिस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कर्रा पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। बंधना होरो के चेहरे और सिर में गंभीर चोटें आने तथा दोनों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी रेफर कर दिया गया।

अवैध तरीके से जन्म प्रमाण पत्र निर्गत करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

हजारीबाग : चलकुशा प्रखंड में फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पंचायत सचिव कारू राणा द्वारा चलकुशा थाना में लिखित आवेदन दिया गया है, जिसके आधार पर कांड संख्या 59/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, कारू राणा वर्तमान में मसकेडीह एवं चौबे पंचायत के प्रभार में कार्यरत हैं। जन्म एवं मृत्यु निबंधन से संबंधित कार्यों के लिए बीडीओ के निर्देश पर कंप्यूटर ऑपरेटर रूपेश कुमार यादव द्वारा सांख्यिकी पदाधिकारी, हजारीबाग को पत्र भेजकर अपना ई-मेल आईडी पंजीकृत कराया गया था। आरोप है कि दोनों पंचायतों में बिना आवश्यक दस्तावेजों और सक्षम पदाधिकारी की अनुमति के जन्म प्रमाण पत्र निर्गत कर दिए गए। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल पर साधारण कागजात अपलोड कर प्रमाण पत्र जारी किए गए। मामले का खुलासा तब हुआ जब सक्षम पदाधिकारी की अनुमति के बाद जारी जन्म प्रमाण पत्रों के संबंध में निबंधन पंजी से संधारित रिपोर्ट की मांग की गई। जांच के दौरान निबंधन पंजी में दर्ज अभिलेखों और ऑनलाइन पोर्टल पर की गई प्रविष्टियों में भिन्नता पाई गई। इस सबंध में बीडीओ अमृता सिंह ने बताया कि 13 जून 2026 को कंप्यूटर ऑपरेटर से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर ने अपनी गलती स्वीकार की। इसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि नियमों की अनदेखी करते हुए जालसाजी के माध्यम से जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किए गए हैं।

चांडिल के गैलेप्शी इंगोट प्लांट में फर्नेस ब्लास्ट, बिहार के दो मजदूर झुलसे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला जिले के चांडिल थाना क्षेत्र के चिलगु भुइयाडीह स्थित गैलेप्शी इंगोट प्लांट में सोमवार दोपहर फर्नेस भट्ठी ब्लास्ट हो जाने से 2 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा करीब 2 बजे के आसपास हुआ। दोनों घायल बिहार के रहने वाले हैं। मजदूरों ने बताया जा रहा है कि बादल और पुजारी नाम के दोनों श्रमिक रोज की तरह ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान प्लांट की फर्नेस भट्टी में अचानक ब्लास्ट हो गया। तेज धमाके और आग की लपटों की चपेट में आने से दोनों मजदूर बुरी तरह झुलस गए। घटना के तुरंत बाद प्लांट के अन्य कर्मियों और प्रबंधन ने घायलों को आनन-फानन में एंबुलेंस से टाटा मेन हॉस्पिटल टीएमएच, जमशेदपुर भेजा। वहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की स्थिति गंभीर लेकिन खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के बाद प्लांट में काम करने वाले मजदूरों में आक्रोश है। उनका कहना है कि फर्नेस जैसी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है। समय-समय पर मेंटेनेंस नहीं होने से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। मजदूर संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि प्लांट की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई हो और घायल मजदूरों को उचित मुआवजा दिया जाए। प्रबंधन का पक्ष, फिलहाल गैलेप्शी इंगोट प्लांट प्रबंधन की ओर से हादसे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फैक्ट्री इंस्पेक्टर की टीम से जांच कराने की मांग उठ रही है। लगातार हो रही औद्योगिक दुर्घटनाओं ने एक बार फिर जिले में श्रमिक सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

खेत बचाओ अभियान के तहत केसीसी शिविर का हुआ आयोजन

पटमदा : खेत बचाओ अभियान तहत केसीसी शिविर का आयोजन प्रखंड सभागार में अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास एवं जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक, पूर्वी सिंहभूम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के मनोज हेम्ब्रम द्वारा जैविक खेती की महत्व के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। सभी को अनिवार्य रूप से अपने खेत का मिट्टी जांच कार्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक द्वारा केसीसी ऋण लेने की प्रक्रिया का विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। अंत में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास द्वारा उपस्थित लोगों को खेती की पारंपरिक तरीके से नहीं करते हुए कृषि को वैज्ञानिक तरीके से करने के लिए प्रेरित किया गया। ताकि किसानों की आय दोगुनी की जा सके। उन्होंने मिश्रित खेती एवं अंतरफसल खेती को अपनाने का आवाहन किया। अंत में भारत सरकार द्वारा संचालित नशा भारत मुक्त अभियान को सफल बनाने का आवाहन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में अंचलाधिकारी सह बीडीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास, बीएओ देव कुमार, टैगोर सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट के रूपाली बक्सी, प्रमुख बालिका सोरेन, ग्राम प्रधान, किसान मित्र, बैंक प्रबंधक सहित कई लोग उपस्थित थे।

अवैध शराब के खिलाफ उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन देशी शराब भट्ठी ध्वस्त

ईचागढ़ : सरायकेला खरसावां जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए उत्पाद विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त के निर्देश एवं उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में मंगलवार को नीमडीह थाना क्षेत्र के बेड़ेदा और केंदडीह गांव में विशेष छापामारी अभियान चलाया गया छापामारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने तीन अवैध चुलाई भट्ठियों का पता लगाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान लगभग 500 किलोग्राम जावा महुआ भी बरामद किया गया, जिसका उपयोग अवैध शराब बनाने में किया जाता था। उत्पाद विभाग ने बरामद सामग्री को झारखंड उत्पाद अधिनियम के तहत जब्त कर विधिसम्मत तरीके से नष्ट कर दिया। साथ ही अवैध शराब निर्माण और कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए आगे भी सघन छापामारी अभियान जारी रहेगा।

वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर तरुण महतो ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : ईचागढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष तरुण महतो जी की वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर बानसा स्थित चुनाव कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। रक्तदान शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। चांडिल प्रखंड का यह क्षेत्र ग्रामीण इलाका होने के बावजूद लोगों में रक्तदान के प्रति काफी जागरूकता देखने को मिली। इस अवसर पर तरुण महतो ने कहा कि आए दिन क्षेत्र के लोगों को अस्पतालों में रक्त की आवश्यकता पड़ती रहती है। कई बार जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए सामाजिक स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। ऐसे में हमारा भी दायित्व बनता है कि हम ब्लड बैंक में रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करें। रक्तदान न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी है, बल्कि किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि वैवाहिक वर्षगांठ जैसे विशेष अवसर को समाज सेवा से जोड़ने का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना तथा मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करना है। रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के बैनर तले आयोजित यह रक्तदान शिविर ग्रामीण क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने ऐसे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

आदिवासी युवती से मारपीट के आरोप में थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चाण्डिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा पुनर्वास कॉलोनी की एक आदिवासी युवती से कपाली ओपी के पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट और बल प्रयोग का मामला सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने सख्त कार्रवाई की है। मामले में कपाली ओपी के थाना प्रभारी समेत 3 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। 15 जून 2026 को चाण्डिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कांदरबेड़ा पुनर्वास कॉलोनी की एक आदिवासी युवती के साथ कपाली ओपी के पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों द्वारा हिंसा और बल प्रयोग करने की शिकायत मिली थी। मामला गंभीर होने के कारण पुलिस अधीक्षक, सरायकेला-खरसावां ने खुद संज्ञान लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रऊढड चाण्डिल को जांच का निर्देश दिया। जांच के क्रम में प्रथम द्दष्टया तीन पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाई गईः 1. पु.अ.नि. धीरंजन कुमार, थाना प्रभारी, कपाली ओपी 2. स.अ.नि. मो. मुकलेश्वर रहमान, कपाली ओपी 3. महिला आरक्षी-981 कंचन, कपाली ओपी। पुलिस अधीक्षक ने जांच रिपोर्ट के आधार पर तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके खिलाफ अग्रेतर अनुशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि आम जनता, विशेषकर कमजोर वर्गों के साथ किसी भी तरह की हिंसा या बल प्रयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग में ऐसी घटनाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है और दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई तय है। पीड़ित युवती को न्याय दिलाने के लिए आगे की कानूनी प्रक्रिया भी जारी है।

कलम क्रांति अभियान के तहत विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक सामग्री का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकड़ू: कुकड़ू प्रखंड के आदर्श ग्राम हाईतिरुल में रविवार को कलम क्रांति अभियान के तहत विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं में सहयोग प्रदान करना है। कार्यक्रम में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। यह अभियान झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (खखडट) के केंद्रीय सचिव गोपेश महतो के नेतृत्व तथा केंद्रीय प्रवक्ता विद्रोही बिष्णु के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर गोपेश महतो ने कहा कि कलम क्रांति अभियान केवल शैक्षणिक सामग्री वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कोई भी छात्र आर्थिक अभाव के कारण पढ़ाई से वंचित न रहे, इसके लिए संगठन हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का आह्वान किया।केंद्रीय प्रवक्ता विद्रोही बिष्णु ने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। यह अभियान आने वाले दिनों में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान बरेंद्रनाथ माझी, शिक्षक पराण जी, खखडट के कुकड़ू प्रखंड उपाध्यक्ष जितेन्द्रनाथ महतो, ईश्वर कुम्हार, निरंजन, सुधीर सर, चिरंजीत सर, सुदामा, अंगद, आदित्य, सुरेश समेत कई गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक और उपयोगी अभियान बताया।

कोडरमा जा रहे युवक की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : मंगलवार की सुबह हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के समीप एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ ट्रेन की चपेट में आने से एक 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बागोडीह निवासी रामजी पासवान (उम्र लगभग 35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बासुदेव पासवान के पुत्र थे। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रामजी पासवान हर दिन की तरह मंगलवार सुबह भी अपने घर से कोडरमा जाने के लिए निकले थे। वह रोजाना हजारीबाग रोड से इंटरसिटी ट्रेन पकड़कर अपने काम पर कोडरमा जाया करते थे। आज सुबह भी वह स्टेशन की ओर जा रहे थे, लेकिन इसी दौरान वह डाउन ट्रैक पर आ रही एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रामजी पासवान डाउन ट्रैक पर आ रही ट्रेन की चपेट में कैसे आए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–दिनदयाल साव, उम्र–24 वर्ष, उँचाई–5 फीट 2 ईंच, रंग–सॉवला, पहनावा–छिटदार हल्का–नील रंग का शर्ट एवं जींस पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति दिनदयाल साव, उम्र–24 वर्ष, पिता–श्याम बिहारी साव, सा0–कठौतिया, थाना–नौडीहा, जिला–पलामू जो दिनांक–02.06.2026 को राँची रेलवे स्टेशन से बगैर बताए कहीं चले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में चुटिया थाना सन्हा सं0–23/2026, दिनांक–02.06.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, नगर, राँची। – 9431706139
थाना प्रभारी, चुटिया, राँची। – 9431706165
आवेदक सुजित कुमार साव। – 7763096340

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR.NO.382517 Police(26-27):D

झारखण्ड सरकार, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
न्यायालयः- प्राधिकृत पदाधिकारी-सह-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल, खूँटी।

सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि खूँटी वन प्रमण्डल के प्रशासनिक क्षेत्राधीन भारतीय वन अधिनियम, 1927 (सपठित बिहार संशोधन, 1989) के सुसंगत प्रावधानों के उल्लंघन के विरुद्ध भिन्न–भिन्न वन अपराध के क्रम में जप्त वन पदार्थों पर प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल के न्यायालय में भारतीय वन अधिनियम, 1927 (सपठित बिहार संशोधन, 1989) के अन्तर्गत निहित प्रावधानों के तहत राज्यसात की कार्रवाई चल रही है, जिसमें संबंधित पक्षों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया जाता है कि निर्धारित सुनवाई की तिथिः–27.06.2026 को 11:00 बजे पूर्वाहन में ससमय प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा न्यायालय द्वारा उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर एकतरफा निर्णय ले लिया जाएगा। भिन्न–भिन्न वन अपराध के क्रम में जप्त वन पदार्थ तथा वन वाद से संबंधित अधिहरण वाद की विवरणी निम्नवत हैः–

क्र0 सं0	अधिहरण वाद सं0	जप्त वन पदार्थ की विवरणी	अभियुक्त का नाम एवं पता
1	2	3	4
1	25/2017	ट्रैक्टर न्यू होलैण्ड–4510, (बिना नम्बर का) डाला सहित तथा बोल्डर–100 घनफीट	अनिल कुमार महतो, पिता–अर्जुन महतो, ग्राम–सेरेंगहातु, थाना–सोनाहातु, जिला–राँची।
2	29/2017	ट्रैक्टर DI35 सोनालिका इंटरनेशनल (बिना नं का) डाला सहित तथा पत्थर–80 घनफीट	1. प्रतिमा देवी, पति–भोला प्रसाद साहू, ग्राम–पुण्डीदीरी, थाना–तमाड़, जिला–राँची। 2. भोला प्रसाद साहू, पिता–हरिपद साहू, ग्राम–पुण्डीदीरी, थाना–तमाड़, जिला–राँची। 3. सोमा लोहार, पिता–केला लोहार, ग्राम–लुंगटु, थाना–तमाड़, जिला–राँची।
3	32/2020	1. पावर ट्रैक कम्पनी ट्रैक्टर नम्बर–JH-01AR-2646 2. पावर ट्रैक कम्पनी ट्रैक्टर नम्बर–JH-01AR-2649 तथा साईज बोल्डर–80 घनफीट प्रति ट्रैक्टर	1. नेहरु गांझू, पिता–स्व0 बसंत गांझू, ग्राम–चिकोर, मदंरुटोली, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी। 2. महेश गोप, पिता–युद्धवीर गोप, ग्राम–चिकोर, मदंरुटोली, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी। 3. मनोज गोप, पिता–युद्धवीर गोप, ग्राम–चिकोर, मदंरुटोली, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी। 4. सोमा मुण्डा, पिता–सोमरा मुण्डा, ग्राम–चिकोर, मदंरुटोली, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी। 5. देवी मुण्डा, पिता–धनु मुण्डा, ग्राम–चिकोर, मदंरुटोली, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी।
4	40/2020	महिन्द्रा B-275 DI मॉडल लाल रंग का (बिना नम्बर का) डाल सहित तथा साईज पत्थर–90 घनफीट	लोधा प्रधान, पिता–सन्तावन उर्फ सन्ता प्रधान, ग्राम–प्रधानटोली, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी
5	20/2021	ट्रैक्टर जोन डियर (बिना नम्बर का) डाला सहित तथा साईज बोल्डर–215 पीस	1. राजेश होरो, पिता–स्व0 मतियास होरो, ग्राम–कर्रा, पिपराटोली, थाना–कर्रा, जिला–राँची। 2. असरीता तिर्की पति–संजीव तिर्की, पलान्डु पिस्का नगड़ी, पलान्डु रातु, राँची, 835223
6	12/2022	ट्रक संख्या–BR-1D-9529 तथा गम्हार बोटा–'42 अद्द	अज्ञात
7	21/2022	स्वराज ट्रैक्टर नीले रंग का (बिना नम्बर का) डाला सहित तथा अनसाईज पत्थर 75 घनफीट	सुन्दर पहान, पिता–पोतो पहान, ग्राम–चिकोर, थाना–खूँटी, जिला–खूँटी।
8	22/2022	बोलेरो पिकअप भान (बिना नम्बर का) तथा गम्हार बोटा–12 अद्द	अज्ञात
9	20/2023	महिन्द्रा ट्रैक्टर लाल रंग का (बिना नम्बर का) डाला सहित तथा साईज पत्थर 65 घनफीट	अज्ञात
10	27/2023	ट्रैक्टर महिन्द्रा शक्तिमान 30DI (बिना नम्बर का) डाला सहित तथा बालू 100 घनफीट	अज्ञात
11	28/2023	महिन्द्रा ट्रैक्टर लाल रंग का (बिना नम्बर का) डाला सहित तथा एक ट्रैक्टर पत्थर	अज्ञात
12	03/2024	ओमनी भान संख्या–JH-01J-6510 तथा साल चिरान–30 अद्द	जाशो देवी, पति–रवि नायक, पता–बूटी सदर, राँची, झारखण्ड
13	26/2025	ट्रक–JH06B-9211 तथा अर्जुन बोटा–59 पीस	1. सृष्टिधर महतो, पिता–अभीराम महतो, ग्राम–भुईंयाडीह, थाना –तमाड़, जिला–राँची। 2. नीरज कुमार, पिता–स्व0 सोना राम,पता–ग्वालापट्टी, जिला–पश्चिम सिंहभूम, चाईबासा । **वर्त्तमान पता**–क्वार्टर नं0–1269, सोनारी सोप लाईन, सोनार पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर, झारखण्ड।

ह0/– प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, खूँटी वन प्रमण्डल, खूँटी।

PR.NO.382507 Forest, Environment and Climate Changes(26-27):D

प्यार के लिए घर से भागी बेटी : आहत पिता ने जीवित रहते ही राजदह धाम में कर दिया प्रतीकात्मक पिंडदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया के प्रसिद्ध उत्तरवाहिनी तट राजदह धाम में मंगलवार को एक ऐसी अनोखी और भावुक घटना देखने को मिली, जिसने न सिर्फ स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। एक बेबस और आहत पिता ने समाज के सामने अपनी ही जीवित बेटी का विधि-विधान से प्रतीकात्मक पिंडदान कर दिया। जानकारी के अनुसार, कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र की एक युवती का किसी युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के परिजनों ने उसकी शादी 20 जून 2026 को तय की थी। घर में शादी की सारी तैयारियां पूरी की जा चुकी थीं, कार्ड बांटे जा चुके थे और खुशियों का माहौल था। लेकिन 12 जून 2026 की रात मौका पाकर युवती अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई। इसके बाद दोनों ने प्रेम विवाह कर सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो भी साझा कर दिया। बेटी के इस कदम से परिवार पूरी तरह टूट गया। पीड़ित पिता ने अपनी भारी आवाज में बताया कि बेटी के इस फैसले से उन्हें सामाजिक और मानसिक रूप से असहनीय आघात पहुंचा है। समाज में लोक-लाज और इज्जत नीलाम होने की इसी गहरी पीड़ा के बीच, उन्होंने एक कठोर निर्णय लिया।

मंगलवार को पिता अपने परिवार और गांव-समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ सरिया स्थित उत्तरवाहिनी तट राजदह धाम पहुंचे। वहां उन्होंने हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार, अपनी जीवित बेटी का मृत मानकर उसका प्रतीकात्मक पिंडदान और तर्पण कर दिया। हिंदू धर्म और सनातन परंपरा में पिंडदान सामान्यतः केवल मृत व्यक्ति की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए किया जाता है। ऐसे में एक जीवित बेटी का पिंडदान किया जाना बेहद विरल और चौंकाने वाली घटना है। इस घटना को लेकर अब समाज में दोफाड़ राय देखने को मिल रही है। कुछ लोगों का मानना है कि यह कदम एक पिता की उस चरम सीमा पर पहुंची भावनात्मक पीड़ा और लाचारी का परिणाम है, जहां उसने अपनी मर्यादा को सब कुछ माना। वहीं, बुद्धिजीवियों का एक वर्ग इसे बदलते सामाजिक परिवेश, पारिवारिक मूल्यों में आ रही गिरावट और आज की पीढ़ी व अभिभावकों के बीच संवादहीनता के बड़े उदाहरण के रूप में देख रहा है।

सार्वजनिक जीवन में विश्वास की पूंजी

विश्वास और भरोसा ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। सार्वजनिक जीवन में जन विश्वास गंवाने वाला व्यक्ति किसी योग्य नहीं रह जाता। हाल ही में भारतीय राजनीति में जन विश्वास से जुड़ी दो अहम घटनाएं हुई। पहली घटना में एक नेता ने जनविश्वास की पूंजी खो दिया। वहीं, दूसरी घटना में नेता ने जनविश्वास की पूंजी को सहेजा ही नहीं बल्कि हर बीतते दिन के साथ उसमें वृद्धि भी की। पहली घटना 4 मई की है। इस दिन जन विश्वास खो चुकी तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। तृणमूल और ममता से नाराजगी का आलम यह था कि स्वयं ममता बनर्जी अपनी सीट हार गई। आज ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की जो दुर्दशा हो रही है, उसकी जिम्मेदार कोई दूसरा नहीं बल्कि वह स्वयं हैं। तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद अपना अलग गुट बना चुके हैं। स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण मिलना मुश्किल है, जब किसी राजनीतिक दल का इतनी तेजी से विघटन हुआ हो। या किसी नेता की तथाकथित साख चुनाव हारने के चंद दिनों में ही औंधे मुंह गिरी हो। सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी को मंदिर जाने की याद आई। कालीबाड़ी दर्शन करने पहुंची ममता बनर्जी को लोगों ने पूरी तरह अनदेखा किया। डेढ़ दशक तक सूबे का मुख्यमंत्री रहने वाले नेता की जनता इस हद तक उपेक्षा करे तो यह सिर्फ चुनावी हार नहीं, जनविश्वास के टूटने का संकेत होता है। तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से आजिज जनता आज उसके नेताओं का अंडे, टमाटर, जूते और मार कुटाई से सत्कार कर रही है। तृणमूल के नेताओं को देखकर लोग नारेबाजी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये वो लोग हैं जो पिछले 15 वर्षों से तृणमूल नेताओं की तानाशाही, गुण्डागर्दी और अत्याचार चुपचाप सह रहे थे। तृणमूल नेताओं के प्रति जनता का व्यवहार उनके स्वाभाविक क्रोध, कुंठा, निराशा और हताशा का परिणाम है। ममता सरकार के डेढ़ दशक के शासन के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बूथों पर तोड़फोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल में आम बातें हो चुकीं थीं। भाजपा के दावों को मानें तो साल 2021 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में टीएमसी समर्थकों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकताओं की हत्या की थी। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि राज्य में लोकतंत्र सांस नहीं ले पा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं। दूसरी घटना 10 जून को हुई। इस दिन नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए, जो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे किए गए 4,398 दिनों के कार्यकाल से ज्यादा है। इस तरह जनविश्वास, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बनकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह सिर्फ रिकॉर्ड नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के अटूट विश्वास की जीत है। साल 2014 में देश ने उत्साह और अटूट विश्वास के साथ नरेन्द्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री चुना था लेकिन उन्होंने स्वयं को हमेशा एक प्रधानसेवक माना। इसी रूप में वे अपना राष्ट्रधर्म निभाते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प के साथ उन्होंने समाज के हर वर्ग का विश्वास जीता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास कराया है। विपक्ष के लगातार मिथ्या प्रचार, व्यक्तिगत हमलों, यहां तक कि अपशब्दों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी अहर्निश जनसेवा में जुटे हैं। देश की जनता उन पर भरोसा करती है, जनता को विश्वास है मोदी के रहते उनका अहित नहीं होगा।

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है- क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े।

इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है। समय आ गया है कि सरकार, नीति-निमार्ता, चिकित्सा जगत और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य सेवा लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त उपकरण बने। अन्यथा विकसित भारत का सपना केवल आंकड़ों में चमकेगा, जबकि आम आदमी बीमारी, कर्ज और असहायता के अंधकार में संघर्ष करता रहेगा। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते भारत के सामने यही सबसे बड़ी नैतिक और मानवीय चुनौती है, जिसका समाधान आज ही तलाशना होगा।

इतिहास का सबसे स्वर्णिम बलिदानः जब झांसी की रानी ने मातृभूमि के लिए चुनी वीरगति

वरुण कुमार

सन 1857 की क्रांति भारतीय इतिहास का वह पहला सामूहिक और सशस्त्र शंखनाद था, जिसने न केवल ईस्ट इंडिया कंपनी की चूलें हिलाकर रख दी थीं, बल्कि ब्रिटिश क्राउन को भारत के प्रति अपनी पूरी नीति बदलने पर मजबूर कर दिया था। इस महासंग्राम के आकाश में मंगल पांडे, बहादुर शाह जफर, तात्या टोपे, कुंवर सिंह और बेगम हजरत महल जैसे कई ओजस्वी सितारे चमके, लेकिन जो चमक सबसे प्रखर, सबसे ओजस्वी और सबसे अमिट रही, वह थी झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की। 18 जून 1858 को ग्वालियर के कोटा-की-सराय में अंग्रेजी सेना से लोहा लेते हुए रानी ने अपनी मातृभूमि के लिए जो सर्वोच्च बलिदान दिया, वह भारत के इतिहास का एक ऐसा पन्ना है जिसे जितनी बार पढ़ा जाए, राष्ट्रभक्ति की भावना उतनी ही तीव्र हो उठती है। उनका यह आत्मोत्सर्ग कोई साधारण पराजय नहीं थी, बल्कि आने वाली क्रांतियों की विजय का बीजारोपण था। आज इस ऐतिहासिक घटना के डेढ़ सदी से अधिक बीत जाने के बाद भी, उनकी शौर्यगाथा भारतीय जनमानस की चेतना में धधकती हुई एक जीवंत मशाल है।

'हड़प नीति' और झाँसी का विद्रोह

रानी लक्ष्मीबाई, जिनका बचपन का नाम 'मनिकर्णिका' (मनु) था, का जन्म वाराणसी के एक प्रतिष्ठित मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन से ही शास्त्रों के साथ-साथ शस्त्रों की शिक्षा में पारंगत मनु का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव नेवलकर के साथ हुआ। विवाह के बाद वे झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई बनीं। उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया जिसकी अल्पायु में ही मृत्यु हो गई। इसके बाद राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में अपने ही वंश के एक बालक आनंद राव (जिसे बाद में दामोदर राव नाम दिया गया) को गोद लिया। सन 1853 में राजा गंगाधर राव के निधन के बाद, तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने अपनी कुख्यात 'डॉकट्रिन ऑफ लैप्स' (व्यपगत का सिद्धांत या हड़प नीति) का इस्तेमाल करते हुए दामोदर राव के उत्तराधिकार को अमान्य घोषित कर दिया। ब्रिटिश सरकार का इरादा झाँसी को पूरी तरह अपने साम्राज्य में मिलाना था। जब ब्रिटिश रेजिडेंट ने रानी को यह क्रूर आदेश सुनाया, तब झाँसी के राजदरबार में सन्नाटा पसर गया था। लेकिन उस सन्नाटे को चीरते हुए 22 वर्ष की एक युवा विधवा की आवाज गूंजी, जिसने इतिहास की दिशा बदल दीः 'मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी!'

यह केवल एक राज्य को बचाने की ज़िद नहीं थी, बल्कि विदेशी हुकूमत के एकाधिकार और अन्याय के खिलाफ आत्मसम्मान की पहली हुंकार थी। यहीं से झाँसी की रानी के एक शासक से 'क्रांतिकारी सेनानायक' बनने के सफर की शुरूआत हुई।

झाँसी का ऐतिहासिक घेराव और सैन्य कौशल

मार्च 1858 में, ब्रिटिश सेना के सबसे सक्षम और क्रूर कमांडरों में से एक, मेजर जनरल सर ह्यूज रोज की कमान में एक विशाल और आधुनिक हथियारों से लैस सेना ने झाँसी के किले को चारों तरफ से घेर लिया। यह घेराबंदी कोई साधारण सैन्य कार्रवाई नहीं थी। अंग्रेजों के पास भारी तोपें थीं, जबकि रानी के पास एक छोटी लेकिन बेहद वफादार और अनुशासित सेना थी। इस युद्ध में झाँसी की जनता ने जो उदाहरण पेश किया, वह आधुनिक दौर के 'टोटल वॉर' (पूर्ण युद्ध) जैसा था। झाँसी की महिलाओं ने न केवल सैनिकों के लिए भोजन और दवाइयों की व्यवस्था की, बल्कि वे खुद भी तोपों में बारूद भरने और दीवारें लांघने वाले दुश्मनों पर पत्थर बरसाने के काम में जुट गईं। रानी की तोपची टीम के प्रमुख गुलाम गौस खान और खुदा बख्श ने अपनी तोपों 'कड़क बिजली' और 'भवानी शंकर' से अंग्रेजी खेमे में तबाही मचा रखी थी। लगभग दो हफ्तों तक चले इस घमासान युद्ध के बाद, जब कुछ गद्दारों (जैसे दूल्हाजू) ने किले का एक गुप्त दरवाजा अंग्रेजों के लिए खोल दिया, तब ब्रिटिश सेना शहर के भीतर दाखिल हो गई। शहर की सड़कों पर कत्लेआम मच गया। इस नाजुक मोड़ पर, अपने मंत्रियों और शुभचिंतकों की सलाह मानकर रानी ने झाँसी से बाहर निकलकर क्रांति की आग को जीवित रखने का फैसला किया। एक बेहद दुस्साहसिक दृश्य में, रानी लक्ष्मीबाई ने अपने छोटे दत्तक पुत्र दामोदर राव को अपनी पीठ पर एक कपड़े से बांधा, अपने घोड़े की लगाम अपने दाँतों में दबाई, दोनों हाथों में तलवारें लीं और किले की गगनचुंबी प्राचीर से नीचे छलांग लगा दी। रात के अंधेरे में अंग्रेजी पहरेदारों को काटते हुए वे अपने कुछ वफादार सैनिकों के साथ झाँसी से बाहर निकलने में सफल रहीं।

कालपी से ग्वालियरः रणनीतिक चातुर्य

झाँसी से निकलने के बाद रानी ने अविश्वसनीय रूप से 24 घंटों में 102 मील की दूरी तय की और कालपी पहुँचीं। कालपी में वे तत्कालीन महान क्रांतिकारी नेता तात्या टोपे, राव साहब (नाना साहब के भतीजे) और बांदा के नवाब के साथ मिलीं। कालपी में अंग्रेजों के साथ एक और भीषण युद्ध हुआ, जहाँ भारतीय सेना को पीछे हटना पड़ा। लगातार युद्ध और संसाधनों की कमी के बावजूद रानी लक्ष्मीबाई की हिम्मत नहीं टूटी। उन्होंने एक अत्यंत साहसिक और रणनीतिक योजना बनाई– 'ग्वालियर पर कब्जा'।

ग्वालियर का किला उस समय भारत के सबसे अभेद्य और समृद्ध किलों में से एक था। वहाँ के सिंधिया शासक अंग्रेजों के वफादार थे, लेकिन उनकी सेना के दिल में स्वतंत्रता की आग सुलग रही थी। जब रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे अपनी सेना के साथ ग्वालियर पहुँचे, तो सिंधिया के सैनिक अपनी ही रानी के खिलाफ लड़ने के बजाय क्रांतिकारियों के साथ आ मिले। सिंधिया को ग्वालियर छोड़कर आगरा में अंग्रेजों की शरण लेनी पड़ी। क्रांतिकारियों ने ग्वालियर पर कब्जा कर लिया और नाना साहब को पेशवा घोषित कर दिया। यह अंग्रेजों के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था और ब्रिटिश आलाकमान इस अप्रत्याशित रणनीतिक उलटफेर से हक्का-बक्का रह गया था। ग्वालियर की जीत का जश्न अभी शुरू ही हुआ था कि जनरल ह्यूज रोज अपनी पूरी ताकत झोंककर ग्वालियर की तरफ बढ़ आया। 17 जून 1858 को ग्वालियर के पूर्वी मोर्चे, जिसे 'कोटा-की-सराय' कहा जाता है, पर ब्रिटिश सेना की '8वीं हसर्स' नामक खतरनाक घुड़सवार टुकड़ी ने हमला बोल दिया। रानी लक्ष्मीबाई जानती थीं कि यह युद्ध आर-पार का है। वे हमेशा की तरह पुरुषों के सैनिक लिबास (अंगरखा और साफा) में थीं। उनके गले में मोतियों की एक मूल्यवान माला चमक रही थी। इस अंतिम युद्ध में उनकी परछाई बनकर चलने वाली उनकी दो मुस्लिम सहेलियाँ और अंगरक्षक–मंदर और काशी–भी उनके साथ थीं। रानी ने अपनी सेना का नेतृत्व करते हुए अंग्रेजी घुड़सवारों पर ऐसा भीषण हमला किया कि ब्रिटिश टुकड़ी के पैर उखाड़ गए। तलवारबाजी में रानी का कोई सानी नहीं था; वे एक साथ कई दिशाओं में अपनी तलवार चला रही थीं। युद्ध के पहले दिन क्रांतिकारियों का पलड़ा भारी रहा, लेकिन इस दौरान रानी की प्रिय सहेली मंदर ब्रिटिश सैनिकों की गोली का शिकार हो गई, जिससे व्यथित होकर रानी ने उस सैनिक को अपनी तलवार से काट डाला।

वह नया घोड़ा और नियति का खेल

18 जून 1858 की सुबह। युद्ध अपने चरम पर था। अंग्रेजी सेना को पीछे से भारी सुदृढ़ीकरण मिल चुका था, जबकि क्रांतिकारी सैनिक थक चुके थे और उनकी संख्या कम हो रही थी। रानी लक्ष्मीबाई चारों तरफ से घिर चुकी थीं। उनके शरीर पर कई जख्म थे, लेकिन उनकी आँखों में पराजय का कोई भाव नहीं था। वे अंग्रेजों के चक्रव्यूह को चीरते हुए बाहर निकलने की कोशिश कर रही थीं। इसी समय नियति ने एक क्रूर खेल खेला। रानी का प्रसिद्ध और वफादार घोड़ा (राजन/बादल) पहले के युद्धों में मारा जा चुका था। उस दिन वे एक नए और अप्रशिक्षित घोड़े पर सवार थीं। जब वे अंग्रेजी सैनिकों को काटते हुए आगे बढ़ रही थीं, तो रास्ते में एक बरसाती नाला (सोनरेखा नाला) आ गया। अगर उनका पुराना घोड़ा होता, तो वह हवा से बातें करते हुए एक छलांग में उस नाले को पार कर जाता। लेकिन वह नया घोड़ा चौंक गया, ठिठक गया और वहीं गोल-गोल घूमने लगा। रानी ने उसे आगे बढ़ाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तब तक पीछा कर रहे ब्रिटिश घुड़सवार वहाँ पहुँच गए। एक ब्रिटिश सैनिक ने पीछे से रानी के सिर पर तलवार से जोरदार वार किया।

सूडोकु नवताल- 7828

✶✫✫✫✫ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7827 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः शांति, स्वास्थ्य और एकता का वैश्विक महामंत्र

ओ.पी. पाल

दुनिया भर में मानव सभ्यता ने 21वीं सदी में जहां तकनीकी और वैज्ञानिक मोर्चे पर अभूतपूर्व प्रगति की है, वहीं मानसिक तनाव, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां और आंतरिक अशांति जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया है। भौतिकता की अंधी दौड़ में हांफती हुई मानवता को जब एक ऐसे संबल की तलाश थी जो बिना किसी कृत्रिम साधन के शरीर, मन और आत्मा को एकाकार कर सके, तब भारत ने दुनिया को 'योग' का शाश्वत उपहार दिया।

प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल कैलेंडर आयोजन नहीं बल्कि यह समूची मानवता को आरोग्य, शांति और एकात्मता के सूत्र में पिरोने का एक वैश्विक महाअभियान है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) के इतिहास में सबसे तेजी से स्वीकृत होने वाले इस प्रस्ताव की पृष्ठभूमि, इसके पीछे का दर्शन, वैज्ञानिक आधार और वैश्विक यात्रा बेहद गौरवमयी रही है। 21 जून का दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हमारी भाषाएं, पहनावे, देश और संस्कृतियां अलग हों लेकिन हमारी सांसें और आंतरिक चेतना एक ही हैं। योग की यह वैश्विक लहर पूरी मानवता को विनाश से विकास की ओर, अवसाद से आनंद की ओर और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का सशक्त राजमार्ग बन चुकी है। यह आधुनिक युग का सबसे बड़ा जन-आंदोलन है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक संवेदनशील, स्वस्थ और जागरूक बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की कूटनीतिक विजय

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक मान्यता दिलाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और भारत की मजबूत सांस्कृतिक कूटनीति को जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार दुनिया के सामने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वैश्विक नेताओं के सामने योग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर, विचार और कर्म, संयम और पूर्ति की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाला है। यह केवल व्यायाम नहीं है बल्कि अपने आप में, दुनिया और प्रकृति के साथ एकात्मता की भावना को खोजने का माध्यम है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी यह हमारी जीवनशैली को बदल कर चेतना जागृत कर सकता है।

भारत द्वारा रखे गए इससे संबंधित प्रस्ताव का दुनिया के देशों ने अभूतपूर्व स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के तत्कालीन स्थायी प्रतिनिधि ने प्रस्ताव संख्या 69/131 पेश की। इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 175 देशों का सह-प्रायोजन प्राप्त हुआ। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में आज तक किसी भी सामान्य सभा के प्रस्ताव को इतने बड़े पैमाने पर देशों का समर्थन नहीं मिला था। बिना किसी मतदान के, सर्वसिद्ध रूप से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया और घोषणा की गई कि हर साल 21 जून 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में महज 75 दिनों का समय लगा, जो संयुक्त राष्ट्र में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लगातार 12वें साल में प्रवेश कर चुका है।

आदिगुरु से आधुनिक युग तक

योग का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। भारतीय सनातन परंपरा में भगवान शिव को 'आदिगुरु' या 'आदियोगी' माना गया है। उन्होंने ही सबसे पहले हिमालय पर कांति सरोवर के तट पर अपने सात शिष्यों (सप्तऋषियों) को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। यही ज्ञान बाद में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैला। वेदों (विशेषकर ऋग्वेद) और उपनिषदों में योग का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि कर्मों में कुशलता ही योग है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'युज' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है- जुड़ना, एकत्र होना या मिलना। आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जबकि व्यावहारिक स्तर पर यह शरीर, मन और चेतना के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने की कला है। यानी शरीर, मन और चेतना का पूर्ण संतुलन योग के माध्यम से ही है।

तिथि चयन के पीछे वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून की तारीख का चयन कोई संयोग नहीं बल्कि इसके पीछे गहरा भौगोलिक और आध्यात्मिक महत्व है। ग्रीष्म संक्रांति जून उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक रहती हैं। इसे 'ग्रीष्म संक्रांति' कहा जाता है। भारतीय खगोल विज्ञान और अध्यात्म के अनुसार, 21 जून के बाद सूर्य दक्षिणायन की ओर बढ़ने लगता है। दक्षिणायन के समय को आध्यात्मिक साधनाओं और आत्म-निरीक्षण के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। इसकी पृष्ठभूमि में यह भी मान्यता है कि ग्रीष्म संक्रांति के बाद आने वाले पहले चक्र (पूर्णिमा) पर ही आदिगुरु शिव ने सप्तऋषियों को योग की दीक्षा दी थी, जिसे 'गुरु पूर्णिमा' के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं, जिस प्रकार 21 जून का दिन साल का सबसे लंबा दिन होता है और सूर्य की ऊर्जा चरम पर होती है, उसी प्रकार योग भी मनुष्य को दीघार्यु और असीमित ऊर्जा प्रदान करता है।

दैनिक पंचांग

17 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

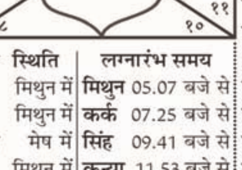

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.07 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	07.25 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.41 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.53 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.04 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.18 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.34 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.26 बजे से
राहुकाल		मीन	23.59 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.29 बजे से
बजे तक		वृष	03.09 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 168 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 21.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 13.37 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 20.51 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.12 बजे तदनन्तर गर 21.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872743
जूलियन दिन 2461208.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 01
विशेष रम्भा तीज व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

इंटरसिटी एक्सप्रेस से विदेशी शराब बरामद

साहिबगंज: बरहरवा आरपीएफ की टीम द्वारा अवैध तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान जारी है। और इसी क्रम में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाली ट्रेनों में अवैध रूप से ले जाए जा रहे विदेशी शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व मे 13409 अप इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन सीट के नीचे से एक बैग में भरा काफी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 13409 समय 07 :15 बजे बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर आई। ट्रेन के गार्ड साइड स्थित जनरल कोच संख्या (ईआर/125012/सी) की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कोच की सीट के नीचे एक काले रंग का पिट्ठू बैग रखा हुआ पाया गया। उक्त बैग के संबंध में कोच में उपस्थित यात्रियों से पूछताछ की गई, परंतु किसी भी यात्री ने बैग पर अपना दावा नहीं किया। इसके उपरांत यात्रियों की उपस्थिति में बैग का चैन खोलकर देखा गया, जिसमें विदेशी शराब रखी हुई पाई गई। उक्त बैंक में विभिन्न ब्रांड के 4.875 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत 4680 रुपैया हैं। जब्त विदेशी शराब को आवश्यक कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया तथा इस संबंध में उत्पाद विभाग साहिबगंज को सूचित किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधयों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, तस्करी के खिलाफ ये अभियान लगातार जारी रहेगी।

अनगड़ा में आम महोत्सव का आयोजन

अनगड़ा: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना (बीएचजीवाई) के अंतर्गत अनगड़ा प्रखंड में आम महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। महोत्सव में प्रखंड के विभिन्न गांवों से 150 से अधिक किसानों ने भाग लिया और अपने बागानों में उत्पादित विभिन्न किस्मों के आमों का प्रदर्शन किया। महोत्सव में आम्रपाली, दशहरी, गुलाबखास, तोतापरी, मालदा और हिमसागर सहित कई प्रजातियों के आम आकर्षण का केंद्र रहे। किसानों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर बागवानी क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों को भी सामने रखा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख दीपा उरांव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल सोय, सांसद प्रतिनिधि कामेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि एतवा उरांव, पंचायत समिति सदस्य कुंती देवी, बीपीओ दीपमाला तिर्की, जेएसएलपीएस बीपीएम संतोष सिन्हा सहित कई जनप्रतिनिधि और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खेत में काम कर रही युवती पर आकाशीय बिजली गिरने से मौत

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत शरीदिरी गांव में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने की घटना में एक युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी गुंडई मुंडू की पुत्री सुरारी मुंडू (18) के रूप में की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुरारी मुंडू मंगलवार को खेत में कृषि कार्य कर रही थी। इसी दौरान मौसम अचानक बदल गया और तेज बारिश के साथ वज्रपात होने लगा। खेत में मौजूद युवती आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे तुरंत बंदगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

भीषण गर्मी में त्राहिमाम, घोघी समेत 15 टोले में जल संकट, पेयजल के लिए भटक रहे हजारों ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भीषण गर्मी और लू के प्रकोप ने सदर प्रखंड के घोघी ग्राम पंचायत को पानी-पानी कर दिया है। तापमान 38-39 डिग्री पार करते ही धरती की छाती फटने लगी है। नदी-नाले, कुएं-तालाब सब सूख चुके हैं। सरकारी हैंडपंप दम तोड़ चुके हैं। नतीजा, घोघी पंचायत के करीब एक दर्जन टोले और आस-पास के दर्जनों गांवों के 8-10 हजार ग्रामीण पेयजल के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। घोघी पंचायत के रामा बताते हैं कि पूरा इलाका पहाड़ी है। यहां पहले से ही भू-जल स्तर नीचे रहता था। इस साल गर्मी ने कमर तोड़ दी। पहले 80 फीट पर पानी मिल जाता था, अब 250 फीट बोरिंग कराने के बाद भी चापाकल हांफ रहा है। गांव के कई हैंडपंप पूरी तरह बंद पड़े हैं। जो चल रहे हैं

उनमें सुबह 2 बाल्टी पानी के लिए 1 घंटा हैंडल मारना पड़ता है। जबकि पारंपरिक जल स्रोतों का हाल और बुरा है। कोर्ट रोड का तालाब, घोघी का पोखर और डोभा अब सिर्फ दरारों वाला मैदान बन गया है। नदी-नालों में रेत और मिट्टी ही बचे हैं। सुबह 4 बजे से ही घोघी टोला की महिलाएं मटका-बाल्टी लेकर निकल पड़ती हैं। दूर के एकमात्र चालू हैंडपंप के पास लंबी कतार लग जाती है। घर का काम, खाना-पीना सब छूट गया। बस पानी लाने में दिन निकल जाता है, गांव की फुलमनी देवी ने बताया कि स्कूल जाने वाले बच्चे भी मटका लेकर निकलते हैं क्योंकि घर लौटकर पानी नहीं मिलता। पाइपलाइन का हाल यह है कि ग्राम सभा के सिर्फ 4 टोलों तक ही पाइप बिछा है, वो भी अधूरा। बाकी टोले आज भी हैंडपंप और कुएं के भरोसे हैं। पेयजल संकट का असर जानवरों पर भी दिख रहा है। चरवाहे रामदास मुर्मू कहते हैं कि गाय-भैंस को पानी पिलाने के लिए दूर नहर तक जाना पड़ रहा है। ट्रैक्टर से टैंकर मंगाते हैं तो 800-1000 रुपये रोज का खर्च। गरीब किसान कैसे झेलेगा? जंगल में वन्य जीव भी पानी की तलाश में गांव की ओर रुख कर रहे हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि प्रभावित सभी टोलों में टैंकर से दैनिक जलापूर्ति तुरंत शुरू हो। खराब हैंडपंपों की जल्द मरम्मत और 50 फीट अतिरिक्त बोरिंग कर नए चापाकल लगाए जाएं। मनरेगा से पुराने तालाबों की गहराई बढ़ाई जाए और चेकडैम बनाए जाएं। हर टोले तक पाइपलाइन विस्तार का काम तुरंत पूरा किया जाए। ग्राम प्रधान ने चेतावनी दी कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो सभी गांव वाले प्रखंड मुख्यालय का घेराव करेंगे। स्थानीय जल संरक्षण कार्यकर्ताओं का कहना है कि पहाड़ी इलाके में बोरिंग का समाधान अस्थायी है। वर्षा जल संचयन, पुराने डोभा का जीर्णोद्धार और रूफ टॉप हार्वेस्टिंग पर काम करना होगा। वरना हर साल गर्मी आते ही हर मोहल्ला प्यासा रहेगा। ग्रामीणों का आखिरी सवाल यही है- गर्मी 3 महीने की है, लेकिन प्यास तो 12 महीने लगती है। इसका स्थायी समाधान कब होगा?

करोड़ों के पेंशन फर्जीवाड़े में कंप्यूटर ऑपरेटरों के घरों पर एसआईटी की छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन घोटाले का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बरहेट अंचल में वृद्धा पेंशन में करोड़ों के फजीवाड़े के खुलासे के बाद एसआईटी ने अन्य अंचलों में भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने जेल में बंद कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल कुमार और शशि कुमार पासवान उर्फ मुन्ना पासवान को रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इसके बाद बरहेट पुलिस ने सदर प्रखंड के शोभनपुर मठिया स्थित राहुल के घर करीब दो घंटे तक तलाशी ली। कंप्यूटर, बैंक खाता, जमीन और हाइवा से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। नकदी जब्त करने की भी चर्चा है। पुलिस ने बोरियो अंचल में कार्यरत आरोपी शशि पासवान के घर पर भी छापा मारा। बरहेट थाना में प्रखंड के 8 पंचायत सचिवों, एक क्लर्क और एक कंप्यूटर ऑपरेटर को पूछताछ के लिए बुलाया गया। सभी से देर रात तक पूछताछ चली। वहीं बरहेट में कार्यरत एक कर्मी गायब है, जिसे परिजन भी तलाश रहे हैं। अब तक बोरियो और बरहेट में पेंशन घोटाले में दो कंप्यूटर ऑपरेटरों की संलिप्तता सामने आई है। दोनों जगहों से करीब 15 से 17 हजार लाभुकों की पेंशन फर्जी तरीके से स्वीकृत की गई। बोरियो प्रखंड में ऑफलाइन और ऑनलाइन आंकड़ों में भारी असमानता मिली है। ऑफलाइन रजिस्टर में वृद्धा पेंशन लाभुक 1500 हैं, जबकि ऑनलाइन 6861 दिख रहे हैं। दिव्यांग पेंशन ऑफलाइन सिर्फ 42, ऑनलाइन 2229 है। आदिम जनजाति पेंशन ऑफलाइन 42 और ऑनलाइन 515 है। कुल मिलाकर लगभग 7400 अवैध पेंशन स्वीकृत की गई हैं। यह वृद्धि कंप्यूटर ऑपरेटर शशि कुमार पासवान के 28 जनवरी 2026 को योगदान देने के बाद हुई है। 2229 दिव्यांग पेंशन का लाभ कई संपन्न परिवारों और स्वस्थ लोगों को दे दिया गया।

पाकुड़ में ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार, 29 पुड़िया मादक पदार्थ बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र के कालिकापुर स्थित बंद पड़े बीड़ी फैक्ट्री के पीछे तालाब के समीप अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री किए जाने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 29 पुड़िया ब्राउन शुगर और नकद राशि बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक पाकुड़ को मंगलवार सुबह सूचना मिली थी कि कालिकापुर इलाके में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार चल रहा है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस टीम जब बताए गए स्थान पर पहुंची तो वहां कुछ लोग नशा करते हुए दिखाई दिए।

पुलिस को देखते ही कई लोग मौके से फरार हो गए। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ब्राउन शुगर की पुड़िया बेच रहे रमजान शेख (37 वर्ष), निवासी सेकपुर, थाना शमशेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास रखे दो सिगरेट के डिब्बों से सिल्वर फॉयल में लिपटी 29 पुड़िया ब्राउन शुगर, जिसका कुल वजन 6.37 ग्राम था, बरामद किया गया। साथ ही उसके पास से 2,100 रुपये नकद भी जब्त किए गए। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 147/2026 दर्ज करते हुए आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 29 पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल 6.37 ग्राम), नकद 2,100 रुपये। पुलिस ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साहिबगंज गंगा घाट पर स्नान के दौरान 14 वर्षीय किशोर गंगा में डूबने से लापता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर के संत जेवियर स्कूल के पीछे स्थित गंगा घाट पर स्नान के दौरान एक 14 वर्षीय युवक गंगा में डूबकर लापता हो गया है। लापता युवक की पहचान हरिपुर निवासी अभिज्ञान पांडे के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार अभिज्ञान पांडे अपने दो दोस्तों कनिष्क राजपूत और अंश कुमार के साथ घर से कबड्डी खेलने की बात कहकर निकला था। हालांकि स्कूल जाने के बजाय तीनों युवक गंगा घाट पहुंच गए और स्नान करने के लिए नदी में उतर गए। इसी दौरान अभिज्ञान गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके दोनों दोस्त भी आगे बढ़े, लेकिन वे भी डूबने लगे। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल गंगा में छलांग लगाकर कनिष्क राजपूत और अंश कुमार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि अभिज्ञान पांडे गंगा की गहराई में समाकर लापता हो गया। घटना के बाद स्थानीय मछुआरों, नाविकों और गोताखोरों की मदद से खोज अभियान शुरू किया गया। सूचना मिलने पर गंगा रिवर थाना की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हालांकि खबर लिखे जाने तक युवक का कोई पता नहीं चल पाया था और खोजबीन जारी थी। अभिज्ञान पांडे परिवार का इकलौता पुत्र बताया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी भी देखने को मिल रही है। लोगों का आरोप है कि गंगा घाट पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं।स्थानीय गोताखोर अशोक मंडल ने भी खोज एवं बचाव कार्य के लिए जरूरी उपकरणों की कमी का मुद्दा उठाया है।

आक्रोशित परिजनों ने एनडीआरएफ व गोताखोर के स्थाई टीम को लेकर सड़क जाम

साहिबगंज: गंगा नदी में डूबे 14 वर्षीय किशोर के आक्रोशित परिजनों ने एनडीआरएफ और गोताखोर की स्थाई टीम की मांग को लेकर मुख्य सड़क संत जेवियर स्कूल के गर्ल्स हॉस्टल के पास जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही सदर अनुमंडल पदाधिकारी जॉन आइनंद, अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार, गंगा नदी के थाना प्रभारी लव कुमार सिंह सड़क जाम वाले स्थल पर पहुंचे और आक्रोशित परिजनों से बात की ओर एनडीआरएफ की स्थाई टीम स्थापित करवाने का आश्वासन दिया तब सड़क जाम खत्म हुई।

गंभीर मामले का आरोपी गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेजा गया

साहिबगंज: जिले के तालझारी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बड़ी भगियामारी निवासी कुंदन मुंडा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी के विरुद्ध थाना कांड संख्या 96/26 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर आपराधिक धमकी देने, जानलेवा हमला करने का प्रयास, मारपीट कर चोट पहुंचाने तथा लोक शांति भंग करने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2026 की दौड़ में उदयनारायणपुर पंचायत, जिला स्तरीय निरीक्षण में परखी गईं उपलब्धियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2026 के अंतर्गत थीम-7 सामाजिक रूप से न्याय संगत एवं सुरक्षित गांव श्रेणी में नामांकित उदयनारायणपुर पंचायत का जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू द्वारा निरीक्षण कर पंचायत में संचालित विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, जन वितरण प्रणाली तथा पंचायत स्तर पर सुशासन एवं समावेशी

विकास से संबंधित कार्यों का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने पंचायत में सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, कमजोर एवं वंचित वर्गों के कल्याण, सुरक्षित एवं समावेशी वातावरण के निर्माण तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े अभिलेखों एवं उपलब्धियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के मूल्यांकन मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक दस्तावेजों, उपलब्धियों, नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों को सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने का निर्देश दिया। इस अवसर पर आयोजित समीक्षा बैठक में पंचायत की उपलब्धियों, जनभागीदारी आधारित विकास कार्यों तथा ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की जानकारी साझा की गई। साथ ही पंचायत द्वारा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर भी चर्चा की गई। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि पंचायतों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों, नवाचारों तथा ग्रामीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाण है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से समन्वित प्रयासों के साथ कार्य करते हुए पंचायत की उपलब्धियों को प्रभावी एवं तथ्यात्मक रूप से प्रस्तुत करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालयों, जन वितरण प्रणाली तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई।

संक्षिप्त खबरें

वीर शहीद कुंदन ओझा की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, अधिकारियों ने किया परिजनों को सम्मानित

साहिबगंज: गलवान घाटी में चीनी सैनिकों से संघर्ष के दौरान वीरगति को प्राप्त बिहार रेजिमेंट की 16वीं बटालियन के वीर जवान, शहीद कुंदन कुमार ओझा की छठी पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव डिहारी में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पूर्व सैनिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने शहीद के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दो मिनट का मौन रखकर और राष्ट्रगान गाकर शहीद को नमन किया गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शहीद कुंदन ओझा का बलिदान देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी वीरता और राष्ट्रभक्ति को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वक्ताओं ने कहा कि शहीद कुंदन जैसे वीर सपूतों के कारण ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। ऐसे जवानों पर पूरे देश को गर्व है। उनके माता-पिता भी सम्मान के पात्र हैं जिन्होंने देश सेवा के लिए वीर पुत्र दिया। अधिकारियों ने युवाओं से शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भारत माता के जयघोष लगाए। कार्यक्रम के उपरान्त जिला प्रशासन ने शहीद कुंदन कुमार ओझा के पिता रविशंकर ओझा और उपस्थित पूर्व सैनिकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। लोगों ने परिवार के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन शहीद के भाई मनोज ओझा ने किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइंद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार, सदर अंचलाधिकारी बासुकिनाथ टुडू, मंडरो प्रखंड विकास पदाधिकारी मेघनाथ उरांव, झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीस पांडेय, सहायक अवर निरीक्षक उमाशंकर ओझा दिलीप ओझा, शिवनाथ महतो, शहर के गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे। ज्ञात हो कि 16 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में कुंदन कुमार ओझा वीरगति को प्राप्त हुए थे।

बिंदुधाम दुर्गा मंदिर निर्माण कार्य में रोक लगने से ग्रामीण आक्रोशित, कार्यवाही की मांग

साहिबगंज: जिले के पतना प्रखंड के झिकटिया बिंदुधाम से एक अनोखा मामला प्रकाश में आया है,जो सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण से लोगों की आस्था पर सीधा प्रहार है। दरअसल मामला यह है कि बिंदुधाम मंदिर के प्रवेश द्वार के समीप स्थित दुर्गा मंदिर जो वर्षों से अर्धनिर्मित स्थित में हैं,सालो से यहाँ हर वर्ष दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाई जाती है दुर्गा मंदिर कमिटी द्वारा लाखो रुपये का चंदा भी संग्रह किया जाता है परंतु दुर्गा पूजा के बाद कमिटी के लोग गहरी नींद में सो जाते है,मंदिर में न ही छत है न ही दीवार। चंदे की राशि का कोई लेखा जोखा नहीं,और न ही वर्षो से इस मंदिर में एक ईंट तक जोड़ी गई है, माता रानी के इस अधूरे और खुले पड़े मंदिर प्रांगण में पशु-पक्षियों द्वारा मल-मूत्र कर गंदगी फैलाने से स्थानीय ग्रमीण काफी नाराजगी जता रहे थे। ग्रमीणों को उम्मीद थी कि मंदिर का निर्माण कार्य जल्द सम्पन्न किया जाएगा, परन्तु वर्षो बीतने के बाद भी कुछ नहीं होने के बाद झिकटिया के ग्रामीण समाजसेवी दिनेश कर्मकार से अधूरे पड़े दुर्गा मंदिर का निर्माण करवाने का आग्रह किया ।जिसके बाद समाजसेवी दिनेश कर्मकार ने ग्रमीणों से कहा कि जल्द से जल्द मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों के आग्रह के बाद समाजसेवी दिनेश कर्मकार दुर्गा मंदिर पहुँचकर मंदिर का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य के लिए ईंट इत्यादि की व्यवस्था कर दुर्गा मंदिर प्रांगण में गिराने का काम किया। परन्तु किसे पता था कि सामाजिक जनप्रतिनिधि के परिवार ही धर्मविरोधी कार्यशैली कर लोगों की आस्था को ठेस पहुँचायेंगे। (15 जून) सोमवार को जैसे ही मंदिर का कार्य शुरू करने की प्रकिया शुरू होने ही वाली थी कि झिकटिया के एक ही परिवार के सदस्यगण मंदिर निर्माण कार्य में रोक लगा दिया ।जिससे ग्रामीणों की आस्था को ठेस तो पहुँची ही साथ ही लोग आश्चर्यचकित भी हुए की एक जनप्रतिनिधि (मुखिया) के परिवार के द्वारा धार्मिक और सामाजिक कार्य बाधा डालना समझ के परे है। हलाँकि स्थानीय मामले को लेकर सैकड़ो ग्रमीणों ने रांगा थाना एवं पतना अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन देते हुए तलामय टुडु पति स्व.चांदु सोरेन, जय सोरेन पिता स्व.चांदु सोरेन एवं पार्वती सोरेन पिता स्व चांदु सोरेन सभी का साकिन झिकटिया, थाना-रांगा के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने की माँग की है।

पुलिस-अपराधी मुठभेड़, चेन स्नैचिंग के आरोपित गबरू सहित दो गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : शहर में बढ़ती छिनतई की घटनाओं के बीच सोमवार रात सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित जैप-6 गेट के पास पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में चेन स्नैचिंग के आरोपित हरपाल सिंह उर्फ

गबरू सहित दो बदमाश गिरफ्तार कर लिए गए। पुलिस ने उनके पास से पिस्टल, जिंदा कारतूस, लूटे गए जेवर, नकद राशि, केमिकल स्प्रे और वारदात में प्रयुक्त पल्सर बाइक बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार शाम टेल्को के घड़ी पार्क के पास पल्सर बाइक सवार दो अपराधियों ने एक महिला से सोने की चेन छीन ली थी। घटना की सूचना मिलते ही टेल्को, सिदगोड़ा, बिष्टुपुर, सीतारामडेरा सहित कई थानों की पुलिस सक्रिय हो गई और पूरे शहर में वाहन जांच अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान सिदगोड़ा स्थित जैप-6 गेट के पास संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा किए जाने पर अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई के बीच दोनों बदमाश बाइक छोड़कर जैप परिसर में घुस गए। जैप के जवानों और जिला पुलिस ने संयुक्त घेराबंदी कर एक आरोपित को पकड़ लिया, जबकि दूसरे की तलाश में करीब तीन घंटे तक सर्च अभियान चलाया गया। बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मुख्य आरोपित हरपाल सिंह उर्फ गबरू घायल हुआ है और उसका इलाज एमजीएम अस्पताल में कराया जा रहा है। मामले की निगरानी एएसपी ऋषभ त्रिवेदी कर रहे थे। अभियान में सिदगोड़ा थाना प्रभारी फैयाज अहमद, सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा, बिष्टुपुर थाना प्रभारी अशोक दुबे तथा टेल्को थाना की टीम शामिल रही। पुलिस को आशंका है कि गिरफ्तार अपराधियों का संबंध एक बड़े छिनतई गिरोह से हो सकता है। मामले की जांच जारी है।

एक नजर

युवा समाजसेवी कृष्ण किशोर कपरदार के निधन से क्षेत्र में शोक

कसमार : कसमार प्रखंड के बगदा गांव निवासी युवा समाजसेवी कृष्ण किशोर कपरदार (गुड्डा) के असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिजनों, मित्रों और सामाजिक संगठनों में गहरा शोक व्याप्त हो गया। कृष्ण किशोर कपरदार सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए जनहित के कार्यों में लगातार योगदान देते थे। उनके मिलनसार स्वभाव और समाजसेवा के प्रति समर्पण के कारण वे युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय थे। ग्रामीणों ने उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उल्लेखनीय है कि करीब तीन माह पूर्व ही उनकी माता का निधन हुआ था, जिससे परिवार अभी उबर भी नहीं पाया था। उनके निधन पर क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

खूंटी : जिले के तपकरा थाना क्षेत्र के तपकरा-बरदा पथ पर मंगलवार शाम हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। बाइक और स्कूटी की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार शाम में हुए हादसे में बाइक चला रहे बरदा निवासी अनुज गुड़िया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही तपकरा थाना पुलिस ग्रामीणों के सहयोग से मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल रेफरल अस्पताल, तोरपा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। समाचार लिखे जाने तक स्कूटी चालक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उसकी पहचान कराने के प्रयास में जुटी हुई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए रेफरल अस्पताल, तोरपा में रखा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक और स्कूटी दोनों बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

NOTICE

IN THE COURT OF SUB DIVISIONAL MAGISTRATE/ EXECUTIVE MAGISTRATE, Chandil

I, **Girish Chandra Mahato**, son of Late Hoga Mahato, resident of Village Heremuli, P.O. Tiruldih, P.S. Tiruldih, District Saraikela-Kharsawan, Jharkhand, hereby declare by Affidavit on Dated: 05/06/2026 as follows:-

1. That, **DIBESH KUMAR MAHATO** is my son and his actual and correct date of Birth is-01/01/2012 and accordingly it is written in his Date of Birth Certificate bearing Regd. no-B202420043760000050 issued on dated-14/12/2024, but which is wrongly written in his Aadhar Card his name **DIWESH KUMAR MAHATO** and Date of Birth 01/01/2010.

2. Henceforth, **DIBESH KUMAR MAHATO** and **DIWESH KUMAR MAHATO** shall be treated as one and the same person.

3. The correct name for all purposes shall be **DIBESH KUMAR MAHATO.**

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लटका मिला ताला, स्वास्थ्यकर्मियों के वेतन पर लगी रोक

बीडीओ के औचक निरीक्षण में बंद मिला केंद्र मरीज लौटे, छह कर्मियों से मांगा गया स्पष्टीकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदनकियारी : प्रखंड के भाराजोरी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर बरमसिया में कार्यावधि के दौरान ताला लटका मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। बीडीओ अजय वर्मा के औचक निरीक्षण में केंद्र बंद पाए जाने पर छह स्वास्थ्यकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा अगले आदेश तक उनके वेतन भुगतान पर रोक लगा दी गई है।

जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार को बीडीओ अजय वर्मा विभिन्न योजनाओं एवं सरकारी संस्थानों का निरीक्षण कर रहे थे।

इसी क्रम में जब वे भाराजोरी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर बरमसिया पहुंचे तो केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला लटका मिला। निरीक्षण के दौरान केंद्र के अंदर और बाहर कोई भी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं था।

बताया जाता है कि उस समय इलाज के लिए पहुंचे ग्रामीण मरीज भी केंद्र बंद होने के कारण बिना उपचार कराए लौटने को मजबूर हो गए। सरकारी स्वास्थ्य सेवा में इस तरह की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए बीडीओ ने तत्काल इसकी लिखित सूचना चंदनकियारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को दी और जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तृप्ति पांडेय ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कार्यरत सीएचओ शोभा कुमारी, एएनएम रश्मि किरण, आशा महतो, हेल्थ वर्कर मानिक चंद्र दांस, सुरक्षा प्रहरी रवींद्रनाथ दास तथा सफाईकर्मी लक्ष्मी दास से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही अगले आदेश तक सभी के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है।

बीडीओ अजय वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम जनता को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित पाए जाने वाले कर्मियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि प्रखंड के कई आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यप्रणाली को लेकर समय-समय पर शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में इस कार्रवाई को स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मासिक थाना दिवस में 15 मामलों का हुआ त्वरित निबटारा, बढ़ा जनविश्वास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : चास प्रखंड के चास (मुफस्सिल) थाना में आयोजित मासिक थाना दिवस के दौरान आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया और उनका त्वरित समाधान किया गया। कार्यक्रम में कुल 15 मामलों का निष्पादन किया गया।

इस दौरान पारिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी शिकायतें, चिकित्सा सहायता एवं अन्य छोटे-मोटे मामलों की सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई की गई तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि थाना दिवस का उद्देश्य जनता को सीधे पुलिस-प्रशासन से जोड़कर उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करना है। उन्होंने कहा कि इससे जनविश्वास मजबूत होता है और पुलिस-जन संबंध बेहतर बनते हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं शिकायतकताओं ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इससे समस्याओं का समाधान तेज और पारदर्शी तरीके से हो रहा है।

नियुक्ति की मांग को लेकर मंत्री योगेंद्र से मिली महिला पर्यवेक्षिका अभ्यर्थी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : महिला पर्यवेक्षिका नियुक्ति प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों ने लंबित नियुक्ति को लेकर झामुमो नेता एवं गर्री के पूर्व मुखिया सिकंदर कपरदार के नेतृत्व में राज्य के मंत्री योगेंद्र प्रसाद से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने की मांग की।

अभ्यर्थियों ने बताया कि विज्ञापन संख्या 13/2023 के तहत आयोजित परीक्षा में सफल होने के बाद उन्होंने दस्तावेज सत्यापन समेत सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। इसके बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया लंबित है। उनका कहना है कि भर्ती के अंतिम चरण में शैक्षणिक योग्यता को लेकर आपत्ति उठाकर नियुक्ति रोक दी गई।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि मामले में उच्च न्यायालय भी उनके पक्ष में निर्णय दे चुका है, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं हो सकी है। उन्होंने सरकार से हस्तक्षेप कर चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति देने की मांग की। सिकंदर कपरदार ने बताया कि मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक पहल का आश्वासन दिया है। मौके पर अनिमा एमा मिंज, रूपा कुमारी, मोनिका कुमारी, कृति अग्रवाल, अनामिका कुमारी, आकांक्षा कुमारी, बिंदु कुमारी, आरती वर्मा, शहनाज परवीन, रेखा देवी, भावना सुप्रिया, पूजा कुमारी, वंदना कुमारी सहित कई अभ्यर्थी उपस्थित थीं।

फरार अभियुक्त पर बड़ी कार्रवाई : न्यायालय का इश्तेहार घर पर चस्पा, पुलिस की सख्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो/चंद्रपुरा : न्यायालय के आदेशों के अनुपालन और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने फरार अभियुक्तों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया है। इसी क्रम में पतरातू-बरकाकाना ओपी पुलिस ने थाना कांड संख्या 191/2023 के फरार अभियुक्त के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके आवास पर न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार चस्पा किया। जानकारी के अनुसार अभियुक्त अजय साव, पिता स्वर्गीय मिथुन कालिंदी, निवासी संडे बाजार, थाना चंद्रपुरा, जिला बोकारो लंबे समय से न्यायालय से फरार चल रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए रामगढ़ न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध इश्तेहार जारी किया गया था। न्यायालय के आदेश मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत अभियुक्त के घर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मौजूदगी में इश्तेहार चस्पा किया। इस दौरान पूरी प्रक्रिया का विधिवत पालन किया गया ताकि न्यायिक आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार और न्यायालय से बच रहे आरोपियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इश्तेहार तामिला के बाद भी यदि अभियुक्त न्यायालय या पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई और अधिक सख्ती से की जाएगी। इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक अवर निरीक्षक परीक्षित महतो ने किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों का पालन पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और कानून से भागने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई को न्याय व्यवस्था को मजबूत करने और कानून के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चास नगर निगम क्षेत्र में मसाला चक्की पर भारी अनियमितता का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास नगर निगम क्षेत्र के सदर बाजार स्थित दीपक कुमार की मसाला चक्की में भारी अनियमितता बरते जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि मसालों की पिसाई और मिश्रण का कार्य स्वच्छता मानकों की अनदेखी करते हुए किया जा रहा है, जिससे आम लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चक्की में मसालों को सीधे जमीन पर फैलाकर मिलाया जा रहा है। जिस स्थान पर मसालों का मिश्रण किया जा रहा है, वहां साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। ऐसे में धूल, मिट्टी और अन्य अशुद्ध पदार्थ मसालों में मिल सकते हैं, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खाद्य पदार्थों के निर्माण और

प्रसंस्करण में स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन किया जाना अनिवार्य है, लेकिन संबंधित चक्की में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। लोगों ने इसे आम जनता के जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बताया है।

नागरिकों ने खाद्य सुरक्षा विभाग, चास नगर निगम एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो दूषित मसालों के सेवन से लोगों में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

डीमर्जर के बाद ईएसएल स्टील लिमिटेड बनी वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड का हिस्सा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : वेदांता के आयरन एवं स्टील कारोबार ने एक नए चरण में प्रवेश किया है। डीमर्जर (व्यवसाय के पुनर्गठन) और वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड की सफल लिस्टिंग के बाद ईएसएल स्टील लिमिटेड अब वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड की सहायक कंपनी (सब्सिडियरी) बन गई है।

इस नई संरचना के तहत वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड अब एक स्वतंत्र रूप से सूचीबद्ध (पब्लिक लिस्टेड) कंपनी के रूप में कार्य करेगी, जिसके अंतर्गत आयरन एवं स्टील कारोबार एक समर्पित इकाई के रूप में संचालित होगा। इससे विकास के नए अवसरों पर अधिक ध्यान केंद्रित

करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन को गति देने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं Whole-Time Director रवीश शर्मा ने कहा, वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड की लिस्टिंग वेदांता की परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ईएसएल स्टील के अब एक समर्पित आयरन एवं स्टील व्यवसाय का हिस्सा बनने से हमें विकास के नए अवसरों का लाभ उठाने, परिचालन उत्कृष्टता को और मजबूत करने तथा सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इस बदलाव के बावजूद ईएसएल स्टील अपनी मजबूत पहचान और सुशासन व्यवस्था के साथ पहले की तरह कार्य करती रहेगी। हम परिचालन उत्कृष्टता, सतत विकास और झारखंड तथा भारत की औद्योगिक प्रगति में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। मैं हमारे कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों, स्थानीय समुदायों और सभी हितधारकों का उनके निरंतर विश्वास और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। हम इस नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं।

ईएसएल स्टील अपनी सभी व्यावसायिक और परिचालन गतिविधियों को पहले की तरह जारी रखेगी। कंपनी को विश्वास है कि नई संरचना भविष्य के विकास को गति देने, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा सभी हितधारकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करने में सहायक होगी। वेदांता के डीमर्जर के तहत कंपनी के विभिन्न कारोबारों को अलग-अलग और केंद्रित कंपनियों के रूप में पुनर्गठित किया गया है। इसके तहत वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड, वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस तथा वेदांता पावर को स्वतंत्र रूप से सूचीबद्ध कंपनियों के रूप में स्थापित किया गया है, जबकि वेदांता लिमिटेड अपने बेस मेटल्स व्यवसाय के साथ कार्य करती रहेगी।

इस नई संरचना का उद्देश्य प्रत्येक व्यवसाय को अपने मुख्य क्षेत्र पर अधिक ध्यान केंद्रित करने, विकास के अवसरों का लाभ उठाने, परिचालन प्रदर्शन को बेहतर बनाने तथा सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन करने में सक्षम बनाना है।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के आरोपी धनंजय कर्मकार की संपत्ति पर कुर्की, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बोकारो : रेलवे थाना बोकारो में दर्ज प्राथमिकी संख्या 05/26, दिनांक 23-02-26 के तहत हत्या के आरोपी धनंजय कर्मकार की घर-सम्पत्ति पर आज कुर्की की कार्रवाई की गई। घटना से जुड़ी कार्रवाई आरपीएफ, जीआरपी और बालीडीह थाना की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, 22-02-26 को स्टेशन के पास ऑटो स्टैंड के समीप सचिन देव राय की हत्या की गई थी। इस हत्या में बलराम उर्फ भोलू विश्वकर्मा और धनंजय कर्मकार का नाम आरोपियों में लिया गया था। बलराम (भोलू विश्वकर्मा) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, जबकि उसका बहनोई धनंजय कर्मकार फरार हो गया था। न्यायालय की अनुमति के बाद धनंजय कर्मकार के खिलाफ कुर्की और जब्ती का इश्तेहार रेलवे गोल मार्केट, थाना बालीडीह में चस्पा किया गया था। बावजूद इसके जब वांछित सिलेंडर (संपत्ति) घर पर नहीं पाया गया तो आज आरपीएफ, जीआरपी तथा बालीडीह थाना की संयुक्त टीम ने धनंजय के निवास स्थान पर जाकर कुर्की की कार्रवाई की। पुलिस अधिकारीयों ने बताया कि कुर्की का मकसद फरार आरोपी की संपत्ति जब्त कर न्यायालय के आदेशों का पालन कराना और आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई को सुनिश्चित करना है।

प्रशासन ने चास में होटलों की एनबीसी एवं अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच शुरू की

बोकारो : चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विभिन्न होटल और गेस्ट हाउसों में राष्ट्रीय भवन संहिता के मानकों के अनुपालन की व्यापक जांच की गई। निरीक्षण टीम ने भवन निर्माण की गुणवत्ता, आग और सुरक्षा व्यवस्थाएँ, तथा आपातकालीन निकास मार्गों का अनुगमन किया। निरीक्षक मौके पर पहुंचे और विशेष रूप से धुआँ तथा ताप-संवेदक की उपलब्धता व कार्यप्रणाली की जाँच की। टीम ने यह भी सत्यापित किया कि भवनों में आग बुझाने के साधन, अग्निशमन यंत्र और उचित अलार्म व्यवस्था मौजूद हैं या नहीं। साथ ही, आपात स्थितियों में त्वरित निकास सुनिश्चित करने हेतु अलग-अलग प्रवेश-निकास मार्गों की उपयुक्तता पर भी ध्यान दिया गया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक लाइसेंसों तथा अन्य कानूनी सुरक्षा मानकों का भी परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर सुधार की गुंजाइश पाई गई और कुछ संचालकों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण दल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी होटल और गेस्ट हाउस संचालक राष्ट्रीय भवन संहिता एवं अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने निरीक्षण को स्वागतयोग्य बताया और कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन होने पर आग या आपात स्थिति से होने वाले जोखिम घटेंगे। प्रशासन ने भी आश्वासन दिया कि आगे भी नियमित अनुगमन जारी रखा जाएगा ताकि अतिथि और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सालों पुराने दुकान विवाद का हुआ पटाक्षेप, न्यायालय के आदेश पर प्रथम पक्ष को दिलाया गया कब्जा

बोकारो : चास थाना क्षेत्र में वर्षों से लंबित ग्रैंड ऑटो दुकान के भाड़ेदार द्वारा दुकान दखल का विवाद का मंगलवार को अंत हो गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में संबंधित दुकान को खाली कराकर उसका कब्जा प्रथम पक्ष को सौंप दिया। पूरी कार्रवाई कार्यपालक दंडाधिकारी सत्यबाला सिन्हा की निगरानी में संपन्न हुई। इस दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। जानकारी के अनुसार, यह मामला परमेन्द्र कौर और मेसर्स इंटरनेशनल ट्रेडिंग कम्पनी, प्रोपराइटर बिनोद कुमार महेश्वरी के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद से जुड़ा था। मामले की सुनवाई के बाद अनुमंडल पदाधिकारी-सह-नियंत्रक, चास की अदालत ने वर्ष 2021 में आदेश पारित करते हुए द्वितीय पक्ष को मौजा चास स्थित खाता संख्या 566 के प्लॉट संख्या 6995 एवं 6998 पर निर्मित दुकान खाली कर प्रथम पक्ष को सौंपने का निर्देश दिया था। हालांकि आदेश पारित होने के बावजूद उसका अनुपालन नहीं हो सका, जिसके बाद प्रथम पक्ष ने न्यायालय में जारीवाद संख्या 13/2021 दायर कर आदेश के निष्पादन की मांग की थी। न्यायालय के निर्देश पर दुकान खाली कराने के लिए कार्यपालक दंडाधिकारी सत्यबाला सिन्हा को प्रतिनियुक्त किया गया। मंगलवार को दंडाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारियों तथा चास थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत दुकान का ताला खुलवाया गया और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दुकान का कब्जा प्रथम पक्ष को सौंप दिया गया। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि यह विवाद वर्ष 2019 से न्यायालय में लंबित था। कई वर्षों तक चले कानूनी संघर्ष के बाद न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित होने से मामले का पटाक्षेप हो गया और प्रथम पक्ष को न्यायालय के आदेशानुसार उसका अधिकार प्राप्त हो सका।

योग शिविर में 80 लोगों ने लिया हिस्सा

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी क्लब में सत्यानंद योग केंद्र की ओर से आयोजित विशेष योग शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को योग, प्राणायाम और ध्यान की गहन साधनाओं का अभ्यास कराया गया। शिविर में लगभग 80 साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग की विभिन्न विधियों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन प्राप्त करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक शांति पाठ से किया गया। इसके बाद स्वामी जी ने साधकों को शरीर को पूर्ण रूप से स्थिर रखने की साधना का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं है, बल्कि यह जीवन को बेहतर बनाने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि यदि नियमित योगाभ्यास करने के बावजूद व्यक्ति के व्यवहार, विचार और संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन नहीं आता है, तो योग की वास्तविक भावना अधूरी रह जाती है।

संक्षिप्त डायरी

मंत्री रहेंगे या देना पड़ेगा इस्तीफा? जानिए सुप्रीम कोर्ट के नोटिस पर दीपक प्रकाश ने क्या कहा

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार के मंत्री दीपक प्रकाश के पद को लेकर सियासी और कानूनी बहस तेज हो गई है. सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दोबारा नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर बिहार सरकार और दीपक प्रकाश को नोटिस जारी किया है. इस बीच मंत्री ने साफ कहा है कि वह कल भी मंत्री थे और आज भी मंत्री हैं. बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता दीपक प्रकाश के मंत्री पद को लेकर सियासी और कानूनी हलकों में चर्चा तेज हो गई है. सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दोबारा नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर बिहार सरकार और अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी किया है. इस बीच दीपक प्रकाश ने साफ कहा है कि वह अभी भी मंत्री हैं और आगे का फैसला एनडीए नेतृत्व करेगा. मंत्री दीपक प्रकाश ने क्या कहा? मीडिया से बातचीत में दीपक प्रकाश ने कहा कि मैं पहले भी मंत्री था और आज भी मंत्री हैं. उन्होंने कहा कि मंत्री पद को लेकर जो भी फैसला होगा, वह एनडीए नेतृत्व करेगा. सुप्रीम कोर्ट के नोटिस पर उन्होंने कहा कि अभी उन्हें आधिकारिक रूप से कोई नोटिस नहीं मिला है. इसकी जानकारी मीडिया के जरिए मिली है. नोटिस मिलने के बाद उसका अध्ययन किया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने दीपक प्रकाश की पुनर्नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की. कोर्ट ने बिहार सरकार समेत अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील से मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी ली. वकील ने बताया कि दीपक प्रकाश अभी भी मंत्री पद पर बने हुए हैं. याचिका में क्या उठाया गया सवाल? सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है. याचिका में दीपक प्रकाश की 7 मई 2026 को हुई पुनर्नियुक्ति को असंवैधानिक और अनुच्छेद 164(4) के खिलाफ बताया गया है. याचिकाकर्ता का कहना है कि कोई व्यक्ति छह महीने के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य नहीं बनता है तो उसे मंत्री पद छोड़ना पड़ता है. इसके बावजूद दीपक प्रकाश को दोबारा मंत्री बनाया गया. छह महीने की अवधि पूरी होने का दावा याचिका के अनुसार दीपक प्रकाश को 20 नवंबर 2025 को मंत्री बनाया गया था. उस समय वह विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं थे. संविधान के तहत उन्हें छह महीने के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना था. यह अवधि 19 मई 2026 को पूरी हो गई. लेकिन इस दौरान वह किसी सदन के सदस्य नहीं बन सके. याचिका में कहा गया है कि अप्रैल 2026 में राजनीतिक घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद मंत्रिपरिषद भंग हो गई. फिर 15 अप्रैल 2026 को सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. इस दौरान करीब 22 दिनों तक दीपक प्रकाश मंत्री नहीं रहे. संविधान की मंशा को दरकिनार करने की कोशिशयाचिकाकर्ता का आरोप है कि सात मई 2026 को दीपक प्रकाश को फिर से पंचायती राज मंत्री बना दिया गया, जबकि वह तब भी किसी सदन के सदस्य नहीं थे. याचिका में कहा गया है कि थोड़े समय का अंतराल देकर किसी गैर-विधायक को दोबारा मंत्री बनाना संविधान की मूल भावना के विपरीत है. अदालत से इस नियुक्ति को संवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है. फिलहाल दीपक प्रकाश मंत्री पद पर बने हुए हैं. वहीं सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद अब सभी की नजर बिहार सरकार और मंत्री की ओर से दाखिल किए जाने वाले जवाब पर टिकी है.

बिहार में 2549 करोड़ से बिछेगा विक्रमशिला-कटरिया रेल लाइन

पटना (एजेंसी) बिहार में विक्रमशिला-कटरिया रेल लाइन का निर्माण होने वाला है. यह रेल लाइन बिहार के लिए बेहद खास मानी जा रही है. इस मेगा प्रोजेक्ट में कई स्टेशन और गंगा नदी पर डबल लाइन पुल भी शामिल है. विक्रमशिला-कटरिया रेल लाइन के निर्माण से बिहार के कई जिलों की सूरत बदलने वाली है. इस मेगा प्रोजेक्ट से कई लोगों को बड़ी राहत मिल सकेगी. सोमवार को पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पाटलिपुत्र-शाहपुर पटोरी-बरौनी-नौगछिया रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया था. साथ ही विक्रमशिला-कटरिया रेल लाइन के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया गया. गंगा नदी पर बनाया जाएगा डबल लाइन पुल इस परियोजना के तहत गंगा नदी पर 2.44 किमी लंबी डबल लाइन वाली पुल का भी निर्माण किया जाना है. जानकारी के मुताबिक, इससे संबंधित टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. मिट्टी जांच का काम भी पूरा किया जा चुका है. मुख्य पुल के डिजाइन और ड्राईंग का काम अगले 3 महीने में पूरा कर लिया जाएगा. इसके बाद मुख्य पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. इसके साथ ही मुख्य पुल से जुड़े दोनों तरफ बनने वाले रेल लाइन के लिए 180 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है. अधिगृहित किए जाने वाले इस 180 हेक्टेयर जमीन में से आधे से ज्यादा प्राइवेट जमीन है, जिसे अधिगृहित करने के लिए 20ए और 20ई जारी किया जा चुका है. विक्रमशिला और कटरिया स्टेशन कहां होगा? 2549 करोड़ रुपये की लागत से बिहार में भागलपुर के पास गंगा नदी पर 26 किमी लंबे विक्रमशिला-कटरिया नई रेल लाइन का निर्माण किया जाना है. इस परियोजना के तहत गंगा नदी पर 2.44 किमी लंबी डबल लाइन वाली पुल का भी निर्माण किया जाएगा. विक्रमशिला-कटरिया नई लाइन परियोजना में विक्रमशिला स्टेशन भागलपुर-साहिबगंज रेलखंड और कटरिया स्टेशन कटिहार-बरौनी रेलखंड पर स्थित है. इस परियोजना के तहत गंगा नदी नदी पर बनने वाला रेल पुल वाई आकार का होगा जो उत्तर दिशा में कटरिया और नवगछिया और दक्षिण दिशा में विक्रमशिला और शिवनारायणपुर स्टेशनों को जोड़ेगी. इस पुल का निर्माण होने से बिहार के कोसी और सीमांचल क्षेत्र का अंग क्षेत्र से सीधा जुड़वा होगा.

बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट के तृतीय मेधा सूची जारी

पटना (एजेंसी) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने 11वीं कक्षा में नामांकन के लिए तृतीय मेधा सूची जारी कर दी है. चयनित छात्र-छात्राएं 18 जून 2026 तक अपने आवंटित संस्थान में प्रवेश ले सकते हैं. नामांकन के लिए मैट्रिक मार्कशीट, आधार कार्ड, एसएलसी, इंटीमेशन लेटर और अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ रखना जरूरी है. (सुजीत कुमार सिंह) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने 11वीं कक्षा में नामांकन के लिए तृतीय मेधा सूची जारी कर दी है. इस सूची में चयनित छात्र-छात्राएं 18 जून तक अपने आवंटित इंटर स्तरीय शिक्षण संस्थानों में नामांकन करा सकते हैं.बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि सभी शिक्षण संस्थानों के प्रधानों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर चयनित विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित करें और आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएं. अंतिम तिथि का इंतजार न करें विद्यार्थी डीईओ ने छात्र-छात्राओं और अभिभावकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर नामांकन करा लें. उन्होंने कहा कि यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित अवधि में प्रवेश नहीं लेता है, तो ओएफएसएस पोर्टल से उसका नाम स्वतः हट जाएगा. ऐसी स्थिति में चयनित विद्यार्थियों के लिए

बिहार में शराब माफियाओं पर सबसे बड़ा एक्शन, 100 से ज्यादा की संपत्ति होगी जब्त, 57 हजार लोग हुए गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) बिहार में शराब माफियाओं पर अब सबसे बड़ी कार्रवाई की तैयारी है. सम्राट सरकार ने शराब के अवैध कारोबार से संपत्ति बनाने वाले 127 माफियाओं को चिन्हित कर लिया है. जल्द ही उनकी करोड़ों की संपत्ति जब्त की जा सकती है. बिहार में शराबबंदी को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने अब शराब माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है. राज्य में शराब के अवैध कारोबार से संपत्ति बनाने वाले 127 शराब माफियाओं को चिन्हित किया गया है. इनकी संपत्तियां जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने इन माफियाओं की संपत्ति जब्त करने के लिए बीएनएसएस की धारा 107 के तहत न्यायालय को प्रस्ताव भेजा है. सरकार का मानना है कि आर्थिक चोट पहुंचाकर ही शराब कारोबार की कमर तोड़ी जा सकती है. शराब बरामदगी में 11 फीसदी की बढ़ोतरी मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के डीआईजी अजय कुमार पांडेय ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि वर्ष 2026 में बिहार पुलिस ने हर महीने औसतन 3.50 लाख लीटर से अधिक शराब बरामद की है. यह आंकड़ा वर्ष 2025 के मासिक औसत 3.14 लाख लीटर से करीब 11 फीसदी ज्यादा है. वहीं ब्यूरो ने खुद 2026 में प्रतिमाह औसतन 1.06 लाख लीटर शराब जब्त की है. यह पिछले साल की तुलना में 24 फीसदी अधिक है. मई 2026 तक राज्य पुलिस ने 38,474 लीटर स्पिरिट भी जब्त की है. यूपी और झारखंड तक चला अभियान शराब तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए बिहार पुलिस ने राज्य की सीमाओं से बाहर भी कार्रवाई की है. इस साल मई तक कुल छह विशेष ऑपरेशन चलाए गए. इनमें पांच अभियान उत्तर प्रदेश में और एक झारखंड में संचालित हुआ. इन ऑपरेशनों के दौरान पांच करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की शराब और वाहन जब्त किए गए. 57 हजार से ज्यादा गिरफ्तारियां शराबबंदी कानून के तहत इस साल अब तक बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हुई हैं. डीआईजी के अनुसार मई 2026 तक कुल 57 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें 19,877 शराब कारोबारी और 37,027 शराब पीने वाले शामिल हैं. बिहार के अंदर से 569 कारोबारी पकड़े गए, जबकि दूसरे राज्यों से जुड़े पांच बड़े शराब तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है. जब्त शराब का 97 फीसदी हिस्सा किया गया नष्ट मद्य निषेध विभाग के मुताबिक अप्रैल 2016 से मई 2026 तक जब्त की गई शराब का 97 फीसदी हिस्सा नष्ट किया जा चुका है. विभाग का दावा है कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने और तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है. आर्थिक चोट से टूटेगा शराब माफियाओं का नेटवर्क सरकार की नई रणनीति साफ है.

बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड का एक साल का रिपोर्ट कार्ड जारी, मध्यमा परीक्षा में छात्रों की संख्या दोगुनी के करीब

पटना (एजेंसी) बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने अपने कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर रिपोर्ट कार्ड जारी किया. उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की मध्यमा परीक्षा में छात्रों की संख्या 13,241 से बढ़कर करीब 24 हजार पहुंच गई है. बोर्ड ने पहली बार अपनी वेबसाइट विकसित कर ऑनलाइन आवेदन और परीक्षा परिणाम जारी करने की व्यवस्था शुरू की. बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर सोमवार को बोर्ड का रिपोर्ट कार्ड जारी किया. उन्होंने कहा कि पिछले एक साल के दौरान संस्कृत शिक्षा के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं.मध्यमा परीक्षा में रिकॉर्ड बढ़ोतरी अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2026 की मध्यमा परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. पिछले वर्ष जहां 13,241 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे, वहीं इस वर्ष करीब 24 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी. पिछले आठ वर्षों में यह सबसे बड़ी वृद्धि मानी जा रही है. पहली बार बनी बोर्ड की वेबसाइट उन्होंने कहा कि पहली बार बोर्ड की अपनी सरकारी वेबसाइट तैयार की गई, जिसके माध्यम से ऑनलाइन आवेदन और परीक्षा परिणाम जारी किए गए. इसके अलावा मध्यमा परीक्षा का परिणाम रिकॉर्ड 27 दिनों में प्रकाशित किया गया. साथ ही पहली बार पूरक परीक्षा का भी सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया. नई शिक्षा नीति के अनुरूप बदलाव बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव किए हैं. आने वाले समय में राज्य के 40 संस्कृत विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा. इन विद्यालयों में कंप्यूटर लैब, डिजिटल पुस्तकालय और आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. एआई आधारित शिक्षा पर जोर मृत्युंजय कुमार झा ने बताया कि संस्कृत शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए एआई आधारित शिक्षा प्रणाली और भाषा प्रयोगशालाएं विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है. रोजगारोन्मुखी बनेगी संस्कृत शिक्षा उन्होंने कहा कि संस्कृत शिक्षा को रोजगारोन्मुखी और तकनीक आधारित बनाकर बिहार को इस क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं.

बिहार के 12 लाख किसानों को बंपर फायदा, एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी ये सुविधाएं

पटना (एजेंसी) बिहार के किसानों के लिए नई पहल की गई है. बिहार कृषि विश्वविद्यालय की सेवाएं अब बिहार कृषि एप से जुड़ेंगी. इसके जरिए बिहार के लगभग 12 लाख किसानों को फायदा मिल सकेगा. इसे लेकर बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति को लेटर भेजा गया है. पटना से मिथिलेश कुमार की रिपोर्ट राज्य के किसानों को एक ही डिजिटल मंच पर अधिक से अधिक कृषि सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कृषि विभाग ने पहल शुरू की है. इसी कड़ी में बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर की किसानों से जुड़ीं सेवाओं को राज्य सरकार के बिहार कृषि डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की तैयारी की जा रही है. कृषि निदेशक सौरभ सुमन यादव ने इस संबंध में बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति को लेटर भेजा है. लेटर में कहा गया है कि कृषि विभाग ने किसानों को कृषि संबंधी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बिहार कृषि प्लेटफॉर्म विकसित किया है. कृषि एप पर 12 लाख से अधिक किसान जुड़े वर्तमान में इस प्लेटफॉर्म पर 12 लाख से अधिक किसान रजिस्टर्ड हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है. किसानों की आय बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता मजबूत करने और कृषि संबंधी जानकारी और सेवाओं की आसान पहुंच बढ़ाने के लिए इस एप का उपयोग हो रहा है. इसके लिए विश्वविद्यालय की सलाहकारी सेवाओं, ट्रनिंग, शोध प्रसार और अन्य विस्तार गतिविधियों को भी इस प्लेटफॉर्म से जोड़ने की योजना है. बिहार कृषि एप से मिल रहीं कई सेवाएं वर्तमान में बिहार कृषि प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारतीय मौसम विभाग के आंकड़ों पर आधारित कृषि मौसम परामर्श किसानों तक पहुंचाया जा रहा है.

अंचल कार्यालय के डाटा इंट्री ऑपरेटर 15 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार, निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई

पटना (एजेंसी) बेतिया अंचल कार्यालय में निगरानी विभाग ने डाटा एंट्री ऑपरेटर को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया. जमाबंदी चालू कराने के नाम पर रिश्वत मांगी गई थी. कार्रवाई के बाद कार्यालय में हड़कंप मच गया. पश्चिम चंपारण के बेतिया अंचल कार्यालय में मंगलवार को निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. कार्रवाई के बाद अंचल कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों के बीच पूरे दिन इस घटना की चर्चा होती रही. बताया जा रहा है कि जमाबंदी से जुड़े एक मामले में रिश्वत की मांग की गई थी, जिसकी शिकायत निगरानी विभाग तक पहुंची. शिकायत के सत्यापन के बाद टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ लिया. जमाबंदी चालू कराने के नाम पर मांगी थी रिश्वत जानकारी के अनुसार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बारवत प्रसारेन निवासी बालेश्वर महतो की बंद पड़ी जमाबंदी को दोबारा चालू कराने के नाम पर डाटा एंट्री ऑपरेटर ने 15 हजार रुपये की मांग की थी. रिश्वत की मांग से परेशान होकर पीड़ित ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलने के बाद विभाग ने मामले की जांच शुरू की. सत्यापन में सही मिली शिकायत निगरानी विभाग ने शिकायत की जांच की जिम्मेदारी जांच अधिकारी राहुल कुमार को सौंपी. जांच के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप सही पाए गए. इसके बाद निगरानी विभाग ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई. मंगलवार को शिकायतकर्ता जैसे ही रिश्वत की रकम लेकर अंचल कार्यालय पहुंचा और आरोपी को पैसे दिए, पहले से मौजूद निगरानी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद कार्यालय में मची हलचल कार्रवाई के बाद अंचल कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. निगरानी टीम ने आरोपी को हिरासत में लेने के बाद कार्यालय में मौजूद दस्तावेजों की भी जांच की. इस दौरान टीम ने अंचलाधिकारी नगमा तबस्सुम से भी कुछ मामलों में जानकारी प्राप्त की. कई अधिकारियों की टीम ने की कार्रवाई इस छापेमारी का नेतृत्व टीम लीडर श्याम बाबू प्रसाद श्रीवास्तव ने किया. कार्रवाई में देवीलाल श्रीवास्तव, आशीष चौबे, दिग्विजय सिंह, कृष्ण जीवन कुमार श्रीवास्तव, राहुल कुमार, कृष्णा सिंह, वासिम अहमद, हिमांशु सिंह समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे. निगरानी विभाग के अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी, चनपटिया थाना क्षेत्र के पकड़हर गांव निवासी प्रमोद मिश्रा का पुत्र है. आवश्यक पूछताछ के बाद उसे निगरानी न्यायालय में पेश किया जाएगा. भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बेतिया अंचल कार्यालय में हुई यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की बड़ी सफलता मानी जा रही है. वहीं सरकारी कार्यालय में रिश्वत लेते कर्मचारी की गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर सरकारी तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर सवाल उठने लगे हैं.

गोपालगंज में पुलिस और शराब तस्करों के बीच मुठभेड़, जवाबी कार्रवाई में एक तस्कर घायल

पटना (एजेंसी) गोपालगंज के श्रीपुर थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पुलिस और कथित शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई. पुलिस के अनुसार फायरिंग के बाद आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई में एक संदिग्ध तस्कर घायल हो गया और एक दारोगा भी जख्मी हुए. मौके से शराब लदी स्कॉर्पियो और देसी कट्टा बरामद किया गया. (सुरेश राय/राकेश कुमार/ मनीष राज) गोपालगंज जिले के श्रीपुर थाना क्षेत्र के बंशी बतरहा गांव के समीप सोमवार देर रात पुलिस और कथित शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई. पुलिस के अनुसार जवाबी कार्रवाई में एक संदिग्ध तस्कर घायल हो गया, जबकि वाहन रोकने के दौरान एक दारोगा भी जख्मी हो गए. वाहन जांच के दौरान मिली थी सूचना जानकारी के अनुसार श्रीपुर थाना के दारोगा संतोष कुमार पुलिस बल के साथ भोरे-मीरगंज मुख्य मार्ग पर वाहन जांच अभियान चला रहे थे. इसी दौरान सूचना मिली कि एक स्कॉर्पियो वाहन में अवैध शराब ले जाई जा रही है. सूचना के आधार पर पुलिस ने बंशी बतरहा स्थित मिक्सी प्लांट के पास घेराबंदी की. पुलिस का दावा, चालक ने कुचलने की कोशिश की पुलिस के मुताबिक वाहन को रोकने का प्रयास करने पर चालक ने स्कॉर्पियो को पीछे करते हुए दारोगा को टक्कर मार दी, जिससे वे घायल होकर सड़क पर गिर पड़े. इसके बाद वाहन में सवार एक संदिग्ध ने पुलिस टीम पर फायरिंग की. जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध घायल पुलिस का कहना है कि आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी किशन कुमार के जबड़े में गोली लगी. घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर किया गया. शराब लदी स्कॉर्पियो और देसी कट्टा बरामदघटनास्थल से पुलिस ने शराब लदी स्कॉर्पियो और एक देसी कट्टा बरामद करने का दावा किया है. मामले में आगे की जांच जारी है. रढ ने दी जानकारी पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी के अनुसार तस्करों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी घायल हुआ. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

खान सर-रौशन आनंद विवाद पर भड़के रामकृपाल यादव, बोले- शिक्षा को जाति और धर्म में बांटना बिहार के लिए घातक

पटना (एजेंसी) खान सर और रौशन आनंद सर कोचिंग विवाद को लेकर बिहार की राजनीति भी गरमा गई है. तेजस्वी यादव द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने के बाद मंत्री रामकृपाल यादव ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि इस मामले को राजनीति, जाति और धर्म से जोड़ना गलत है और शिक्षा के माहौल को खराब करने वाला है. खान सर और रौशन आनंद कोचिंग विवाद अब सियासी रंग लेता जा रहा है. इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र पर सरकार की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है. बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने तेजस्वी यादव पर राजनीति करने का आरोप लगाया है. ॆहर मुद्दे पर राजनीति करना बंद करेंॆ एक विशेष बातचीत में रामकृपाल यादव ने कहा कि सरकार पूरे मामले पर गंभीरता से नजर रखे हुए है. मामले के हर पहलू की समीक्षा की जा रही है. लेकिन विपक्ष को ऐसे संवेदनशील मामलों पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश नहीं करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को हर मुद्दे को राजनीतिक मंच बनाने की आदत छोड़नी चाहिए. शिक्षा के माहौल पर जताई चिंता रामकृपाल यादव ने इस विवाद को शिक्षा जगत के लिए चिंताजनक बताया. उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की दखलंदाजी और केवल व्यावसायिक लाभ के लिए चल रही गतिविधियां राज्य के शैक्षणिक माहौल को प्रभावित कर रही हैं. उनके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य छात्रों का भविष्य बनाना होना चाहिए, न कि विवाद और टकराव पैदा करना. जाति और धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश गलत मंत्री ने कहा कि खान सर और रौशन आनंद सर से जुड़े विवाद को कुछ लोग जाति और धर्म के चश्मे से देखने की कोशिश कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर इसे यादव बनाम मुस्लिम का रंग देने की कोशिश हो रही है. उन्होंने कहा कि गुरु और शिक्षा को कभी भी जाति या धर्म के आधार पर नहीं बांटना चाहिए. इससे समाज और छात्रों दोनों को नुकसान पहुंचेगा. पटना बना शिक्षा का नया केंद्र रामकृपाल यादव ने कहा कि पहले बिहार के हजारों छात्र कोटा, दिल्ली और पुणे जैसे शहरों में पढ़ने जाते थे. लेकिन अब पटना में भी बेहतर शैक्षणिक माहौल विकसित हुआ है. उन्होंने कहा कि कई शिक्षकों की मेहनत से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को अपने राज्य में ही अच्छी शिक्षा मिलने लगी है. ॆकोचिंग विवाद को राजनीतिक मुद्दा न बनाएंॆ मंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि खान सर और रौशन आनंद सर के विवाद को राजनीतिक अखाड़ा नहीं बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि इस मामले को शिक्षा और कानून के दायरे में ही सुलझाना राज्य और छात्रों के हित में होगा.

बिहार में इस दिन से चलेगा आंधी-बारिश का दौर, IMD ने जारी किया ऑरेंज और येलो अलर्ट, मानसून पर भी आया नया अपडेट

पटना (एजेंसी) बिहार में मानसून की रफ्तार थमने से भीषण गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. पटना समेत कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है. हालांकि मौसम विभाग ने 19 जून से मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैंने ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. बिहार में मानसून की धीमी चाल ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. राज्य के कई जिलों में भीषण गर्मी और उमस से जनजीवन प्रभावित है. पटना समेत कई शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है. मौसम विभाग का कहना है कि अभी अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है. पटना में मानसून की एंट्री टली, बढ़ी बेचैनी सोमवार को पटना में मानसून के पहुंचने की निर्धारित तिथि थी. लेकिन मानसून पिछले तीन दिनों से मुजफ्फरपुर के आसपास ही ठहरा हुआ है. इसके कारण राजधानी में तेज धूप और गर्म हवाओं का असर देखने को मिल रहा है. पटना का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. यह एक दिन पहले की तुलना में 2.3 डिग्री अधिक रहा. दिन के साथ-साथ रात में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है. दक्षिण बिहार में बारिश के आसार कमजोर मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण बिहार में फिलहाल ऐसा कोई मजबूत सिस्टम एक्टिव नहीं है, जो व्यापक बारिश करा सके. नमी और तापमान के प्रभाव से कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन अच्छी बारिश की संभावना कम है. यही वजह है कि दक्षिण बिहार के जिलों में गर्मी और उमस का असर बना रहेगा. तीन शहरों का पारा 40 डिग्री के पार सोमवार को राज्य के कई जिलों में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया. पटना में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. वहीं शेखपुरा और भभुआ का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. इन इलाकों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा. 19 और 20 जून के लिए अलर्ट जारी मौसम विभाग ने 19 और 20 जून को दक्षिण बिहार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. इस दौरान आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है. वहीं उत्तर बिहार के कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है. सीमांचल, मिथिलांचल और कोसी क्षेत्र में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है. सीमांचल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है. मुजफ्फरपुर कब पहुंचेगा मानसून? मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार शाम तक मानसून मुजफ्फरपुर जिले में प्रवेश कर सकता है. इसके प्रभाव से कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है. हालांकि अगले तीन दिनों तक जिले का तापमान सामान्य से अधिक बना रह सकता है. हवा में नमी अधिक होने से उमस भी लोगों को परेशान करेगी. भागलपुर में उमस से लोग बेहाल भागलपुर में सोमवार को मौसम बेहद उमस भरा रहा. तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा. जिले का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. आर्द्रता 83 प्रतिशत रहने से वातावरण में चिपचिपी गर्मी महसूस हुई. आज आंधी और बारिश की संभावना भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भागलपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मंगलवार को जिले में आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग का अनुमान है कि सप्ताहभर बारिश की गतिविधियां बनी रह सकती हैं. इससे तापमान में कुछ गिरावट दर्ज हो सकती है, लेकिन फिलहाल लोगों को गर्मी और उमस से राहत का इंतजार करना होगा.

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।
पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

फीफा विश्व कप में स्वीडन से 5-1 की हार के बाद ट्यूनीशिया ने कोच बदला, एर्वे रेनार्ड को सौंपी कमान

एजेंसी

लॉस एंजिल्स : ट्यूनीशिया फुटबॉल महासंघ ने फीफा विश्व कप में स्वीडन के खिलाफ 5-1 की करारी हार के बाद मुख्य कोच सबरी लामूशी को पद से हटा दिया है। उनकी जगह फ्रांस के अनुभवी कोच एर्वे रेनार्ड को राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फैसले की आधिकारिक घोषणा सोमवार को ट्यूनीशिया के राष्ट्रीय प्रसारण माध्यम के जरिए की गई। ट्यूनीशिया फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मोएज नस्सारी ने बताया कि एर्वे रेनार्ड के साथ आधिकारिक समझौता हो गया है और वह वर्ष 2026 विश्व कप के अंत तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। रेनार्ड अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपने अनुभव और बड़े टूर्नामेंटों में शानदार रणनीति के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2022 के विश्व कप में सऊदी अरब को प्रशिक्षित करते हुए उस समय की सबसे बड़ी उलटफेर वाली जीत दिलाई थी, जब उनकी टीम ने बाद में विश्व विजेता बनी अर्जेंटीना को हराया था। इसके बाद वह फ्रांस की महिला फुटबॉल टीम के कोच भी रहे। पूर्व फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सबरी लामूशी ने इसी वर्ष जनवरी में ट्यूनीशिया टीम की कमान संभाली थी, लेकिन विश्व कप में निराशाजनक शुरूआत के बाद उनका कार्यकाल जल्द समाप्त हो गया। स्वीडन के खिलाफ भारी हार के बाद अब ट्यूनीशिया के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचने की राह कठिन हो गई है। टीम अपना अगला मुकाबला शनिवार को ग्रुप-एफ में जापान के खिलाफ खेलेगी।

फीफा विश्व कप 2026 : ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला बराबरी पर समाप्त

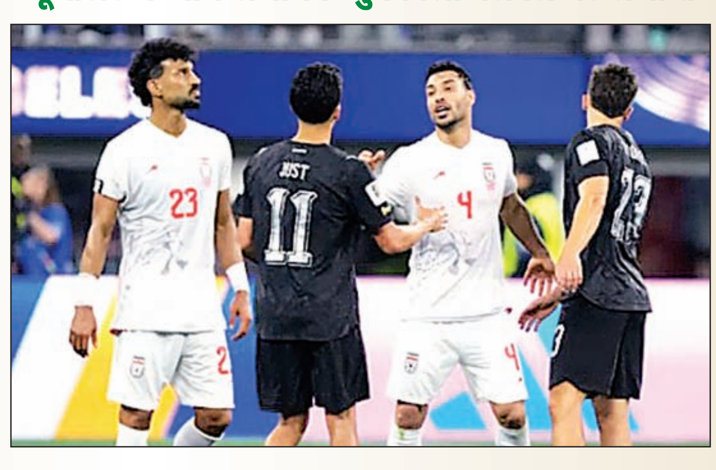

लॉस एंजिल्स : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी के पहले मुकाबले में मंगलवार को ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। पूरे मैच में दोनों टीमों ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया और अंतिम क्षण तक जीत के लिए संघर्ष किया। न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शानदार शुरूआत करते हुए सातवें मिनट में ए. जस्ट के गोल की मदद से बढ़त बना ली। शुरूआती झटके के बाद ईरान ने खेल में वापसी की और 32वें मिनट में आर. रेजाइयान ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी। दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने फिर दबाव बनाया और 54वें मिनट में ए. जस्ट ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि ईरान ने हार नहीं मानी और 64वें मिनट में एम. मोहैबी ने गोल कर मुकाबले को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस परिणाम के बाद ग्रुप-जी पूरी तरह खुला हुआ नजर आ रहा है। शुरूआती दौर के बाद ईरान, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और मिस्र सभी समान अंकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

ऑकलैंड : भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्ड खिलाड़ी ज्योति ने मंगलवार को न्यूजीलैंड में खेले गए एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप के मुकाबले में जापान के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। इस अवसर पर हॉकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की। हरियाणा की रहने वाली ज्योति ने वर्ष 2019 में मलेशिया के खिलाफ द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपनी मेहनत, अनुशासन और मिडफील्ड में शांत एवं प्रभावी खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में अपनी अलग पहचान बनाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्योति कई बड़े टूर्नामेंटों

में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने प्रो लीग, एशिया कप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ज्योति ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी। मैं अपने परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया। उन्होंने आगे कहा, हर बार भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना मुझे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। इस सफर ने मुझे खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों रूपों में मजबूत बनाया है। मैं आगे भी टीम की सफलता में योगदान देना चाहती हूं और कई और यादगार पल बनाना चाहती हूं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने ज्योति को बधाई देते हुए कहा, 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना उनकी प्रतिबद्धता, निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है।

महिला टी-20 विश्व कप : भारत के खिलाफ मैच में धीमी ओवर गति पर पाकिस्तान टीम पर जुर्माना

एजेंसी

बर्मिंघम : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी-20 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करने पर पाकिस्तान टीम पर जुमार्ना लगाया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप-ए मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण आईसीसी ने पाकिस्तान खिलाड़ियों की मैच फीस का पांच प्रतिशत काटने का फैसला लिया है। अमीरात आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल की सदस्य ट्रूडी एंडरसन ने यह दंड लगाया। समय से संबंधित सभी छूटों को ध्यान में रखने के बाद पाकिस्तान टीम को निर्धारित लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाया गया। आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के

अनुसार न्यूनतम ओवर गति नियम का उल्लंघन होने पर टीम के खिलाड़ियों पर प्रत्येक कम फेंके गए ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने गलती स्वीकार करते हुए प्रस्तावित सजा को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदान पर मौजूद अंपायर क्लेयर पोलोसाक और जैकलिन विलियम्स, तीसरे अंपायर एलोइस शेरिडन तथा चौथे अंपायर सू रेडफर्न ने यह आरोप लगाया था।

एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2026 : भारत ने जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

ऑकलैंड : भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल-ए के अपने दूसरे मुकाबले में मंगलवार को जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल दागे, जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल एई हिरामित्सु ने किया। यह

मुकाबला भारतीय मिडफील्डर ज्योति के लिए भी खास रहा, जिन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मुकाबला खेला। पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई। 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार रणनीति के तहत नवनीत कौर के शॉट को निक्की प्रधान ने सही दिशा दी और कप्तान सलीमा टेटे ने गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि जापान ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर हिरामित्सु ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक चौथे क्वार्टर में भारत को जीत दिलाने वाला गोल 49वें मिनट में आया। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया, जिस पर लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ भारत ने अमेरिका और जापान पर जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया। अब भारतीय टीम अपना अंतिम पूल मुकाबला 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ खेलेगी, जबकि जापान और अमेरिका दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

संक्षिप्त खबरें

श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज : चोटिल युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा भारत ए टीम में शामिल

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम में तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को शामिल किया है। वह चोटिल युधवीर सिंह की जगह टीम का हिस्सा होंगे। बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में असहजता महसूस हुई थी। इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परेशानी हुई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जांच की और पाया कि युधवीर को दाएं कंधे के रोटेटर कफ में चोट है। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अब उन्हें पूर्ण रूप से फिट होने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। युधवीर की अनुपस्थिति में अब अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया गया है और वह आगामी मुकाबलों में भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। श्रीलंका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम (संशोधित) तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान),प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय, अशोक शर्मा।

टाइम पत्रिका-2026 की खेल प्रभावशाली सूची में शामिल हुए स्मृति मंधाना और टेम्बा बावुमा

नई दिल्ली : विश्व की प्रतिष्ठित टाइम पत्रिका की वर्ष 2026 की खेल जगत के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को स्थान मिला है। दोनों इस सूची में शामिल होने वाले इकलौते क्रिकेट खिलाड़ी बने हैं। इस सूची में दुनिया के कई बड़े खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिनमें बास्केटबॉल, फुटबॉल, टेनिस और गोल्फ के दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। मंधाना और बावुमा को पत्रिका ने ह्यटाइटन्सह्ल श्रेणी में रखा है। स्मृति मंधाना को लेकर टाइम पत्रिका ने लिखा कि भारतीय महिला क्रिकेट की यह बल्लेबाज लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। वह घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं। पत्रिका ने बताया कि मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों के संयुक्त रिकॉर्ड की धारक हैं और एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार से अधिक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बनीं। टीम उपलब्धियों में भी मंधाना ने बड़ी सफलता हासिल की। उनकी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग 2024 और 2026 का खिताब जीता। वहीं वह पिछले वर्ष महिला विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की उपकप्तान भी रहीं। वर्ष 2024 में उन्होंने महिला क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया और अगले वर्ष खुद ही उस रिकॉर्ड को बेहतर किया। इसी प्रदर्शन के लिए उन्हें वर्ष 2025 का बीबीसी भारतीय खेल महिला सम्मान भी मिला। मंधाना इस समय इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं, जहां उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में 44 गेंदों पर 68 रन की मैच विजेता पारी खेली। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को लेकर टाइम पत्रिका ने लिखा कि उन्होंने अपने खेल से देश में नई पहचान बनाई। वर्ष 2016 में वह टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाने वाले पहले अश्वेत दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बने और वर्ष 2021 में देश के पहले अश्वेत कप्तान बने। पिछले वर्ष उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने भारत में ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की और इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में चोट के बावजूद बावुमा की 66 रन की पारी टीम की जीत में निर्णायक साबित हुई। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के बाद बावुमा ने कहा था कि वह चाहते हैं कि उनकी उपलब्धियां पूरे देश के लिए प्रेरणा बनें।

विंबलडन में फिर साथ उतरेंगी विलियम्स बहनें, महिला युगल में सेरेना और वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड

लंदन : टेनिस जगत की दिग्गज बहनें सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ दिखाई देंगी। ऑल इंग्लैंड क्लब ने मंगलवार को महिला युगल प्रतियोगिता के लिए दोनों को वाइल्ड कार्ड प्रदान किया है। यह फैसला ग्रैंड स्लैम के शुरू होने से करीब दो सप्ताह पहले ऐसे समय लिया गया है, जब सेरेना ने लगभग चार साल बाद पेशेवर टेनिस में वापसी की है। 44 वर्षीय सेरेना ने पिछले सप्ताह लंदन में क्वींस क्लब चैंपियनशिप से वापसी की थी, जबकि वीनस सीमित कार्यक्रम के साथ लगातार खेल रही हैं और बुधवार को 46 वर्ष की हो जाएंगी। विलियम्स बहनें टेनिस इतिहास की सबसे सफल महिला युगल जोड़ियों में गिनी जाती हैं। दोनों ने साथ मिलकर कुल 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं, जिनमें विंबलडन के छह खिताब शामिल हैं। उन्होंने पहला विंबलडन खिताब वर्ष 2000 में जीता था, जबकि ऑल इंग्लैंड क्लब में उनकी आखिरी जीत वर्ष 2016 में आई थी। सेरेना ने वापसी के दौरान क्वींस क्लब में कनाडा की विक्टोरिया मबोको के साथ अपना पहला युगल मुकाबला जीतकर शानदार शुरूआत की थी। हालांकि बाद में मबोको के घुटने में चोट लगने के कारण दोनों को प्रतियोगिता से हटना पड़ा। विलियम्स बहनों ने आखिरी बार वर्ष 2022 के अमेरिकी ओपन में साथ खेला था, जहां उन्हें पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। उससे पहले दोनों ने चार साल से अधिक समय तक एक साथ युगल मुकाबला नहीं खेला था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले मुंबई में फिट इंडिया साइक्लोथॉन का नेतृत्व करेंगे डॉ. मनसुख मांडविया

मुंबई : मुंबई में 21 जून को होने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया प्रतिष्ठित वर्ली तटीय साइकिल ट्रैक पर विशेष फिट इंडिया साइक्लोथॉन झ्र साइक्लिंग बाय द सी का नेतृत्व करेंगे। यह विशेष आयोजन 17 जून को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई द्वारा फिट इंडिया आंदोलन के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में लगभग 250 साइकिल चालक मंत्री के साथ मुंबई के समुद्री तट के किनारे साइकिल यात्रा में भाग लेंगे। सुबह 6:30 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन का उद्देश्य फिटनेस को जन आंदोलन बनाना और लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत साइक्लिंग, योग और अन्य शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण पर लगातार बल दिया जा रहा है। अरब सागर के किनारे आयोजित होने वाला यह साइक्लोथॉन फिट इंडिया आंदोलन के उस संदेश को मजबूत करेगा जिसमें स्वस्थ नागरिक, स्वच्छ शहर और मजबूत खेल संस्कृति को भारत के भविष्य की दिशा माना गया है।

कन्नूर-जेद्दाह उड़ान में तकनीकी खराबी, हवा में यू-टर्न लेकर सुरक्षित लौटी

कन्नूर(एजेंसी)। मंगलवार को केरलम के कन्नूर से जेद्दाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण हवा में ही यू-टर्न लिया। विमान अपनी सुरक्षित वापसी के लिए कन्नूर हवाई अड्डे लौट आया, इसमें 180 से अधिक यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह घटना तब हुई, जब विमान सुबह 7-40 बजे कन्नूर से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद, पायलटों ने इंजन में खराबी की चेतावनी देने वाली लाइट देखी, इसके बाद उन्होंने एहतियातन तुरंत वापसी का फैसला किया। सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए, विमान ने ईंधन हल्का करने के लिए कुछ देर तक हवाई अड्डे के ऊपर चक्कर लगाए और फिर सकुशल उतरा। प्रारंभिक जांच के बाद पता चला कि विमान के ईंधन फिल्टर में कुछ खराबी थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, हमारी कन्नूर-जेद्दाह उड़ान के क्रू ने तकनीकी खराबी के बाद एहतियात के तौर पर वापस लौटने का फैसला किया। हम आगे की यात्रा के लिए दूसरे विमान का इंतज़ाम कर रहे हैं और यात्रियों को जलपान तथा होटल में ठहरने की सुविधा भी दी गई है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताकर कहा कि उनके संचालन के हर पहलू में सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यात्रियों को जल्द ही उनकी गंतव्य तक पहुँचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कोचिंग विवाद ने लिया सियासी रंग, खान की गिरफ्तारी और सीबीआई जांच की मांग

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में दो कोचिंग संस्थानों, खान सर और रौशन आनंद सर के बीच चल रहे विवाद ने सियासी रंग ले लिया है। ज्ञान बिंदु के मालिक रोशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध मौत के बाद यह मामला और पेचींदा हो गया है। जनशक्ति जनता दल सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देकर खान सर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। तेज प्रताप ने रौशन आनंद के प्रति संवेदना जताकर कहा कि भाई मरेगा तब कोई भी रोएगा ही, और जोर देकर कहा कि खान को जेल होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से भी बिहार सरकार को घेरने का आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि रौशन आनंद, जो हाल ही में खान सर के एक कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़ के मामले में जमानत पर रिहा हुए हैं, ने खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक फैसल खान उर्फ खान सर पर अपने भाई प्रिंस यादव की हत्या करवाने का गंभीर आरोप लगाया। प्रिंस यादव की हाल ही में नेपाल के विराटनगर में मौत हो गई थी। इस दुखद घटना पर जनता दल (यूनाइटेड) के बड़े नेता संजय झा ने संवेदना व्यक्त कर कहा कि बिहार सरकार मामले की गहन जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अगर किसी ने गलत किया है, वह बचेगा नहीं।

जनगणना के कारण चार राज्यों में समय से पहले हो सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा जैसे चार महत्वपूर्ण राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनाव तय समय से पहले करने की संभावना पर काम कर रही है। ये चुनाव आमतौर पर फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया के साथ संभावित टकराव और हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते इन्हें पहले करने की तैयारी है। मणिपुर को हालांकि जातीय तनाव के कारण योजना से बाहर किया गया है।

समय से पहले चुनाव करने का मुख्य कारण जनगणना है, जो फरवरी-मार्च 2027 में ही प्रस्तावित है। जनगणना और चुनाव दोनों प्रक्रियाओं में अधिकांशतः शिक्षक और सरकारी कर्मचारी शामिल होते हैं, जिससे लोगों की कमी हो सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि इस संभावना को देखकर संबंधित राज्यों से चर्चा हुई है। उत्तराखंड भाजपा दिसंबर में ही चुनाव कराने की पक्षधर है, ताकि कर्मचारियों पर दोहरा बोझ न पड़े और जनगणना कार्य के लिए उन्हें पर्याप्त समय मिल सके।

पेपर लीक रोकने के लिए 22 जून तक नहीं चलेगा टेलीग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी परीक्षा 2026 को लीक प्रूफ बनाने के लिए केंद्र सरकार फूंक-फूंककर कदम रख रही है। इसके लिए सरकार ने 22 जून तक के लिए टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। इस कदम का राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने स्वागत करते हुए इसे परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम के संचालन को 22 जून 2026 तक अस्थायी रूप से निलंबित करने को कहा है। यह निर्णय 21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार की अफवाह, पेपर लीक या अनधिकृत जानकारी के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि यह कदम परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। वहीं, एनटीए ने भी इस फैसले को छात्रों के हित में बताया है और कहा है कि इससे परीक्षा का संचालन अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से किया जा सकेगा।

लखनऊ में फर्जी आईपीएस धराया, 40 रुपये के विवाद में खुली पोल

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया गया है, जिसने खुद को फर्जी आईपीएस अधिकारी बताकर पुलिसवालों को ही सैल्यूट मारने का दबाव बनाया। महानगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम 40 रुपये के बन को लेकर शुरू हुए विवाद ने उसकी पोल खोल दी और उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। सोमवार देर शाम महानगर के गोल मार्केट चौराहे पर पुलिस चेकिंग के दौरान एक दुकानदार ने सूचना दी कि खुद को आईपीएस बताने वाला व्यक्ति 40 रुपये के बन के पैसे दिए बिना जाने लगा है और धौंस जमा रहा है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तो आरोपी युवक पुलिसकर्मियों पर भड़क उठा। उसने खुद को बड़ा अधिकारी बताते हुए उन पर सैल्यूट करने का दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआत में पुलिस थोड़ी झिझकी, लेकिन युवक के हाव-भाव से शक गहराया। आईडी कार्ड मांगने पर जालसाज का गुस्सा बढ़ गया, उसने पुलिसवालों के नाम-पते पूछकर उन्हें सस्पेंड कराने की धमकी दी। पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने लाई, तो पूछताछ में उसकी सारी हेकड़ी निकल गई।

कांग्रेस की घर वापसी मुहिम: वेणुगोपाल और गहलोत ने दिए पुराने साथियों को लौटने के संकेत

नई दिल्ली(एजेंसी)। हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी से अलग हुए धड़ों की संभावित वापसी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं जारी हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी जैसी पार्टियों के कांग्रेस में विलय की अटकलों के बीच, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपने पुराने सदस्यों और समान विचारधारा वाले दलों को घर वापसी का निमंत्रण दे दिया है। यह पहल विपक्षी एकता को मजबूत करने और आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ एक सशक्त मोर्चा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने हाल ही में स्पष्ट किया कि जो भी कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखता है, उसका पार्टी में स्वागत है। उन्होंने कहा कि इसतरह के विलय और घर वापसी से भाजपा की फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होगी। वेणुगोपाल ने कहा कि जो भी पार्टियां कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं, वे उनसे संपर्क कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि एआईसीसी के पास फिलहाल विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और ये सभी बातें मीडिया की अटकलें मात्र हैं।

बात दें कि वेणुगोपाल से पहले, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इसतरह की बात कही थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत के सुझाव का समर्थन किया था, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस से अलग हुए क्षेत्रीय दलों को वापस कांग्रेस में शामिल होना चाहिए। पूर्व सीएम गहलोत ने जोर दिया था कि देश में लोकतंत्र खतरे में है और विपक्षी एकता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस से अलग हुई पार्टियां वापस आती हैं और राहुल गांधी को पूरे दिल से अपना नेता स्वीकार करती हैं, तब इससे देश भर में मतदान का पैटर्न पूरी तरह बदल सकता है। गहलोत का मानना है कि जनता अब नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी का सीधा मुकाबला देखना चाहती है, और यदि विपक्ष इस मोर्चे पर एकजुट होकर राहुल गांधी के पीछे खड़ा होता है, तब आगामी चुनावों की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

ओमान में अमेरिकी हमले के बाद 20 भारतीय नाविक सुरक्षित घर लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के बंदरगाह के पास अमेरिकी हमले का शिकार हुए एमटी जलवीर के भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य अब सुरक्षित अपने घर लौट चुके हैं। मस्कट स्थित भारतीय मिशन ने इसकी सुखद जानकारी दी। जहाज पर हमले के बाद इन नाविकों को ओमानी प्राधिकारियों के सहयोग से सुरक्षित तट पर पहुंचाया गया था। भारत वापसी से पहले, ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने एमटी जलवीर के चालक दल के सभी सदस्यों से मुलाकात कर उनके सुरक्षित घर पहुंचने की कामना की। भारतीय दूतावास ने पूरी प्रक्रिया में संकट में फंसे भारतीय नागरिकों को त्वरित मदद और सहयोग सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। बचाव कार्य में शामिल ओमानी अधिकारियों और भारतीय मिशन की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना कर बचाए गए नाविकों ने दिल से आभार व्यक्त किया। भारतीय दूतावास ने घटना के बाद राहत और बचाव अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के प्रति भी आभार जताया है। दूतावास द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई वीडियो क्लिप में चालक दल के सदस्य अपनी सुरक्षित वापसी पर खुशी और राहत व्यक्त करते दिखे। एमटी जलवीर के कैप्टन सुबोध ने बताया कि उनका रेस्क्यू ओमानी नेवी ने किया था और इस दौरान भारतीय दूतावास व शिपिंग कंपनी लगातार उनके संपर्क में रहे। ग्यारह जून को हुई घटना के बाद, 11 से 14 जून तक सभी 20 क्रू सदस्यों को एक होटल में सुरक्षित रखा गया था। पोत के सेकेंड ऑफिसर नाजिम ने भी दूतावास, ओमान सरकार और उनकी कंपनी द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद जाहिर किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों की दुआओं और सबके साथ की वजह से ही वे अपने परिजनों से मिल पा रहे हैं। संकट की स्थिति में मिली सहायता ने उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई और उन्होंने समन्वित कार्रवाई की सराहना की। यह घटना ओमान के तट के पास पिछले चार दिनों में अमेरिकी सेना द्वारा भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की तीसरी कड़ी थी। आठ जून को अमेरिकी बलों ने पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स को निष्क्रिय किया था, जिस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा परेड कोठी, वाराणसी में शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संगठन के सह संयोजक तिलक राज कपूर द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में रांची से डॉ. रामाज्ञा तिवारी उपस्थित रहे, जिन्होंने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शरबत का वितरण देर शाम तक लगातार किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाभ लिया।

इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ वाराणसी के जिलाध्यक्ष राजेश पांडेय, मातृशक्ति की रजनी जी, प्रतिमा जी, लक्खी गुप्ता जी तथा वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश कालरा जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टीएमसी के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना में सेंध, दिल्ली पहुंचे सांसद

-महाराष्ट्र की राजनीति में सियासी संकट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से गर्माहट आ गई है, खासकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया है। हाल ही में पार्टी के एक सांसद की महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के एक वरिष्ठ नेता से मुलाकात ने सियासी गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी है। इन मुलाकातों और आंतरिक बैठकों ने इस बात की अटकलों को बल दिया है कि उद्धव सेना के नौ में से सात सांसद अलग होकर शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, जब उद्धव ठाकरे ने मातोश्री में अपने सांसदों की बैठक बुलाई तो केवल चार सांसद व्यक्तिगत रूप से पहुंचे थे, जबकि पार्टी का दावा था कि अन्य पांच वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए थे।

सूत्रों के अनुसार, यवतमाल-वाशिम से सांसद संजय देशमुख ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव से मुलाकात की थी। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जाधव शिंदे सेना में शामिल हैं और एक प्रमुख चेहरा हैं। इस भेंट के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि जल्द ही उद्धव की पार्टी के कुछ और सांसद शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। गौरतलब है कि संजय देशमुख भी मातोश्री में हुई बैठक में ऑनलाइन उपस्थित हुए थे। हालांकि, प्रताप जाधव ने इस मुलाकात को सामान्य बताते हुए इसके राजनीतिक निहितार्थों को खारिज किया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी के पास लोकसभा में कुल नौ सांसद हैं। पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दल के सात सांसद टूट सकते हैं और शिंदे को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ऐसी किसी भी चर्चाओं को अफवाह करार दिया था। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पार्टी प्रमुख लगातार अपने सभी सांसदों के संपर्क में बने हुए हैं और पार्टी में कोई फूट नहीं है। जानकारों के अनुसार, दल-बदल कानून के तहत किसी भी दल के दो-तिहाई विधायकों या सांसदों का अलग होना अनिवार्य है ताकि वे अयोग्य घोषित होने से बच सकें। उद्धव सेना के मामले में, नौ सांसदों में से कम से कम छह सांसदों को एक साथ पार्टी छोड़नी होगी ताकि वे इस शर्त को पूरा कर सकें और किसी दूसरे दल के साथ विलय कर सकें। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि सांसद वास्तव में पाला बदलेंगे या नहीं, लेकिन सियासी गलियारों में यह गणित लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव ने बताया कि देशमुख अपने संस्थान के बारे में कुछ जानकारी चाहते थे और चूंकि जाधव दिल्ली में थे, दोनों ने साथ में चाय पी और बातचीत की। उन्होंने यह भी बताया कि तकनीकी समस्याओं के चलते देशमुख अपनी पार्टी की बैठक ऑनलाइन अटेंड कर रहे थे। जाधव ने अपनी पुरानी दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि वे उस समय से दोस्त हैं जब दोनों एक ही संगठन में थे; उस समय देशमुख यवतमाल के जिला प्रमुख थे और जाधव बुलढाणा के जिला प्रमुख। उन्होंने कहा, हम दोनों ने तब से साथ मिलकर संगठन में काम किया है। हम दोनों एक ही इलाके के रहने वाले हैं। हमारी दोस्ती बहुत अच्छी है। अब भले ही वह दूसरी पार्टी से सांसद चुने गए हैं, फिर भी वह एक पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्र के सांसद हैंज इसलिए हमारी दोस्ती बढ़िया है और हम दोस्तों की तरह अक्सर मिलते रहते हैं, भले ही राजनीति में हम एक-दूसरे के विरोधी हैं। अब सबकी निगाहें 19 जून पर टिकी हैं, जब अविभाजित शिवसेना का स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जब संजय राउत से पूछा गया कि रविवार की बैठक में शामिल नहीं होने वाले सांसद इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे या नहीं, तो उन्होंने दृढ़ता से कहा कि शिवसेना परिवार के इस आयोजन के लिए किसी को निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती। यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थापना दिवस पर सभी सांसद अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर एकता का संदेश देते हैं या मौजूदा अटकलें और गहराती हैं।

अब डॉक्टर की पर्ची के बिना नहीं मिलेगा कोई सिरप : स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने दवाइयों की बिक्री को लेकर बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब डॉक्टर की पर्ची के बिना किसी भी मेडिकल स्टोर पर कोई भी सिरप नहीं मिलेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर नए नियमों की घोषणा की है। यह नियम खांसी के सिरप सहित सभी प्रकार के सिरप पर लागू होगा, जिसका अर्थ है कि इन दवाओं की ओवर-द-काउंटर बिक्री अब पूरी तरह से बंद हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स 1945 के शेड्यूल के से सिरप शब्द को हटा दिया है। शेड्यूल के के तहत कुछ दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेची जा सकती थीं, लेकिन अब इस संशोधन के साथ, सिरप श्रेणी को अब तक मिली सभी नियामक छूटें खत्म हो गई हैं। केंद्र सरकार का यह कदम दवाइयों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी दवा वितरकों और खुदरा विक्रेताओं को नए नियमों का कड़ाई से पालन करने की सख्त चेतावनी दी है। नियमों की किसी भी अनदेखी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में दवाइयों की सुरक्षा में सुधार आने की उम्मीद है, खासकर बच्चों को दी जाने वाली खांसी की सिरप को लेकर। गौरतलब है कि पिछले साल मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसके बाद सरकार पर इसतरह के कदम उठाने का दबाव था। अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसी दवाएं केवल चिकित्सकीय सलाह पर ही उपलब्ध हों।

संघ पर कांग्रेस का हमला, महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही आरोप लगाने की परंपरा

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रियांक खरगे को दिखाया आइना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे द्वारा लिखे गए खुले पत्र पर विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि संघ पर आरोप लगाने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि ऐसा कौन-सा कानून है जो सभी सामाजिक और वैचारिक संगठनों के लिए अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना ठोस तथ्यों के संघ को निशाना बनाकर उसकी छवि धूमिल करने का प्रयास हो रहा है।

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने संघ की आय और कर व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस की प्रमुख आय 'गुरु दक्षिणा' से प्राप्त होती है और संगठन अपने कार्यों के लिए बाहरी स्रोतों से धन स्वीकार नहीं करता। उनके अनुसार अतीत में आयकर विभाग ने संघ की आय पर कर लगाने का प्रयास किया था, लेकिन न्यायालयों ने साफ किया कि गुरु दक्षिणा से प्राप्त राशि आयकर के दायरे में नहीं आती। उन्होंने कहा कि विषय पर न्यायपालिका पहले ही अपना रुख स्पष्ट साफ कर चुकी। वीएचपी अध्यक्ष कुमार ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही संघ के खिलाफ आरोप लगाने की परंपरा जारी है। उनका कहना था कि कांग्रेस वर्षों से संघ को बदनाम करने की राजनीति करती रही है और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे की टिप्पणी भी उसी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। उन्होंने इस बयान को राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास बताया।

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर कुमार ने कहा कि आरएसएस हमेशा तिरंगे का सम्मान करता है और उस देश के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार करता है। उन्होंने खारिज किया कि संघ के पास स्वयंसेवकों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उनके अनुसार आरएसएस में नियमित अंतराल पर चुनाव होते हैं और इसके लिए सदस्यों तथा स्वयंसेवकों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाता है। उन्होंने कहा कि संघ एक अनुशासित और संगठित संस्था है तथा उसके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा को लेकर खड़े किए सवाल

-इतनी सुरक्षा व्यवस्था से छात्रों को परेशानी होगी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी से अलग होने के कुछ ही दिनों बाद तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने केंद्र की नीट री-टेस्ट व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा के लिए किए गए कड़े सुरक्षा इंतजामों पर चिंता जताकर कहा कि इससे पहले से मानसिक दबाव झेल रहे छात्रों की परेशानियां और बढ़ेंगी।

अन्नामलाई ने पोस्ट के जरिए परीक्षा से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा सामग्री के परिवहन के लिए भारतीय वायुसेना की एयरलिफ्ट सुविधा, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की दोहरी सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी, चार स्तरों वाली सीसीटीवी व्यवस्था, बायोमैट्रिक और फेसियल रिकॉग्निशन सत्यापन तथा कई चरणों की तलाशी जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी बताने की चर्चा है।

पूर्व भाजपा नेता ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि इतनी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था किसी संवेदनशील सैन्य परियोजना या गोपनीय रक्षा सॉफ्टवेयर के लिए नहीं, बल्कि एक प्रवेश परीक्षा के लिए हो रही है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि मोदी सरकार का उद्देश्य पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकना है, लेकिन उनका मानना है कि अत्यधिक सुरक्षा उपाय छात्रों में तनाव और घबराहट बढ़ा सकती हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों पर लंबी जांच प्रक्रिया और परीक्षा अवधि को 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट करने पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने महीनों की तैयारी के बाद पहले ही एक बार परीक्षा दी है और अब फिर परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, उनके लिए यह स्थिति मानसिक रूप से और अधिक चुनौतीपूर्ण बन सकती है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी समस्याओं का समाधान जरूरी है, लेकिन अपनाया गया तरीका कहीं नई समस्याओं को जन्म न दे दे, इस पर भी विचार होना चाहिए। गौरतलब है कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में करीब 22.8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के आरोपों और विवादों के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी, जिसके चलते अब 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा कराई जा रही है।

अल-नीनो ने बढ़ाई चिंताएं, देश भर में मॉनसून की रफ्तार पर पड़ेगा असर

-वैज्ञानिकों ने सुपर अल नीनो दिया नाम, साल के अंत तक रहेगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में अल-नीनो के हालात पैदा होने से भारत की चिंताएं बढ़ गई हैं। देशभर में मॉनसून की रफ्तार पर इसका गहरा असर पड़ा है। यही नहीं अल नीनो का प्रकोप मॉनसून के बाद भी जारी रहने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने एक बयान में बताया है कि सितंबर के अंत तक अल-नीनो की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है। उन्होंने लोगों से कहा कि हालात से लड़ने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है और डरने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने भी ऐसी ही अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। इसकी वजह से मॉनसून प्रभावित होता है और भारत में कम बारिश होने की वजह से सूखे जैसे हालात बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा समय में प्रशांत महासागर न्यूट्रल फेज से निकलकर अल नीनो में पूरी तरह प्रवेश कर रहा है। मौसम वैज्ञानिक इस साल इसे सुपर अल नीनो का नाम भी दे रहे हैं और इसका असर साल के अंत तक देखने को मिल सकता है।

महापात्र ने बताया कि जुलाई, अगस्त और सितंबर की शुरुआत में अल-नीनो का कम असर दिखेगा। इसके बाद सितंबर के अंत तक इसके ज्यादा मजबूत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। वहीं गुजरात, राजस्थान से लेकर ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के वे इलाके जहां सिंचाई की सुविधाएं कम हैं, वहां बारिश कम होने की वजह से फसलों पर ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि हमें बहुत ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए।

इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस साल देश के प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर सामान्य से काफी बेहतर है। यह खरीफ की फसलों के लिए बूस्टर साबित होगा। इससे पहले सरकार ने किसानों और खेती-बाड़ी सेक्टर को अल नीनो के असर से बचाने के लिए पहले ही एक्शन प्लान शुरू कर दिए हैं। केंद्र ने उन राज्यों और जिलों में खास निगरानी का निर्देश दिया है जहां कम बारिश होने की संभावना है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अल-नीनो के कारण ग्रामीण इलाकों में सूखा जैसी स्थिति बनती है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और पड़ेगा। ऐतिहासिक रूप से, भारत में सूखे या खराब मॉनसून का सीधा संबंध अल नीनो से रहा है। शुरुआती पूर्वानुमानों के मुताबिक इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बारिश कम होने से धान, दालें, मक्का और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में हीट वेव का असर देखने को मिल सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, **प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह***, **प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**